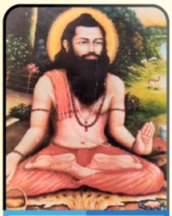

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का मासिक पत्र

जांगिड ब्राह्मण

JANGID BRAHMIN

वर्ष:117, अंक:06, जून - 2024 ई. , तारीख 22-27 प्रति माह

POSTED UNDER LICENCE U(DN)-39/2024-26 OF POST WITHOUT PREPAYMENT OF POSTAGE

समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जांगिड़ ब्राह्मण महासभा द्वारा स्थापित, शिक्षा कल्याण कोष में सहयोग राशि देने लिए क्यूआर कोड का प्रयोग करें।

चिड़ी चोंच भर लें गई नदी घट्यो ना नीर।
दान दिए धन ना घटे,कह गए सन्त कबीर।।

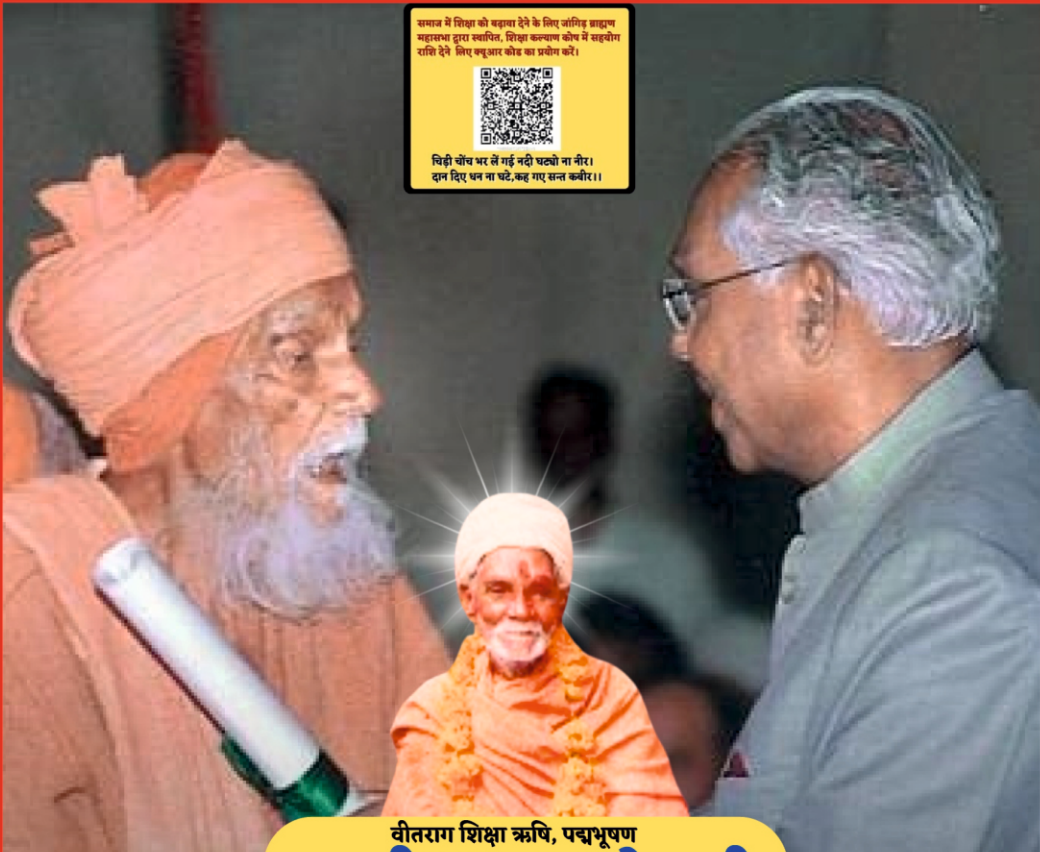

वीतराग शिक्षा ऋषि, पद्मभूषण

स्वामी कल्याण देव जी

पदमश्री और पद्मभूषण से सम्मानित, शिक्षा जगत में शिक्षा की लौ प्रज्ज्वलित करने वाले और शिक्षा महर्षि के नाम से विख्यात, मानवता के सच्चेपुजारी और मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पित और गरीबों के मसीहा और जांगिड समाज रत्न स्वामी कल्याण देव के 21 जून को उनके पावन जन्म दिवस के अवसर पर महासभा रुपी परिवार की तरफ से ऐसे राष्ट्र सन्त को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

प्रधान रामपाल शर्मा

दुबई में 5 जून को विश्वकर्मा प्रोफेशनल एण्ड बिजनेस ग्रुप द्वारा भामाशाह नरसी कुलरिया के सम्मान समारोह का विहंगम दृश्य

सीकर में महासभा की 8वी त्रैमासिक बैठक की चित्रावली

INTERIO CRAFT

MERGER OF **ROYAL, SG AND KRISHNA INTERIORS**

Our Management Team

Rampal Sharma

Deepak Sharma

Jagmohan Sharma

Amith Sharma

With its existence over three and half decades,we have carved a niche in the segment of providing complete interior solutions to various corporates houses, retail stores & residences pan India.

OUR STRENGTHS

- QUALITY OF WORK
- SERVICE COMMITMENT
- ON TIME COMPLETION
- PRICING

Our Sister Concerns:

- Krishna Ventures
- Krishna Retails
- SG Ventures
- NR Retails

Our Franchise Stores

- N R Retails, Uspolo Store, Kammanahalli, BANGALORE
- Uspolo Store, Vega City Mall, BANGALORE
- Krishna Retails, Uspolo Store, USPA-Forum Sujana Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM-Forum, Sujana Mall, HYDERABAD
- Uspolo Kids, USPA kids-Sarat City Mall, HYDERABAD
- Uspolo Denim, USPA Denim - Sarat City Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM -Sarat City Mall, HYDERABAD
- Krishna Ventures, Mega Mart, Mega Mart - Kotputli, JAIPUR
- Third Wave Coffee, Bel Road, BANGALORE
- Wrogn Store, L&T Mall, HYDERABAD
- Swish Salon, BANGALORE

OUR SERVICES

ON SITE

- Carpentry
- Painting
- Tiling
- Marble Work
- Electrical & Lighting
- Civil
- Plumbing...

OFF SITE

- Production of Furniture
- Metal Works

WE ARE TURNKEY INTERIOR SOLUTION PROVIDERS

WE MAKE THEM LOOK AESTHETICALLY RICH AND BEAUTIFUL

Some of our Valuable Clients

Flying Machine, U.S. Polo Assn., Aéropostale, Arrow, Louis Philippe, Peter England, Nautica, GAP, trueblue, GANT, Allen Solly, Van Heusen, lifestyle, max, homecentre, ZOYA, Tanishq, Taneira, Titan, Helios, fastrack, Titan eyeplus, Mia, Melorra, Centro, Birkenstock, Third Wave Coffee, Swayamvar, Shoppers Stop, Bluestone, S3eauty, Swish, Tasva, Manyavar

Reach us:

Corporate Office: No 13/14 Royal Chambers, 3rd Floor, Dodda Banaswadi, Outer Ring Road, Near Vijaya bank Colony, Bengaluru, Karnataka 560043

080 2542 6161

projects@interiocraft.com

www.interiocraft.com

मनोज बरनेला
94222-77913

R R STONEX

DELIVERING NATURE'S BEAUTY

MANUFACTURER, SUPPLIER & EXPORTER OF EXCLUSIVE INDIAN GRANITES

Plot No. 46 & 47, K.No. 884/9, 886/3, 886/9 & 886/2, Garima Industrial Area
Village-Ralawata, Makrana Road, Tehsil-Kishangarh, Distt.- Ajmer (Rajasthan)
E-mail : rrstonexksg@gmail.com | www.rrstonexksg.com

"जांगिड ब्राह्मण महासभा पत्रिका" के नियम एवं उद्देश्य

1. समाज के सभी वर्ग के व्यक्तियों के सर्वागीण विकास के लिए नवाचार करना।
2. साहित्य सृजन, आध्यत्मिक चेतना एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहन देना।
3. सामाजिक गतिविधियों के अन्तर्गत केन्द्रीय, प्रादेशिक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय समाचारों को प्रकाशित करना।
4. सामाजिक शिक्षा, वैज्ञानिक तकनीकी एवं शिल्पोन्नति संबंधी निबंध तथा लेखों आदि को प्रकाशित करना।
5. समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करना तथा उन्मूलन के लिए विकास की ओर उन्मुख होने का संचरण करना।
6. पत्रिका प्रत्येक अंग्रेजी माह की 22-27 तारीख को प्रकाशित होती है।
7. लेखों व अन्य प्रकाशनार्थ भेजी गयी सामग्री को छापने, न छापने तथा घटाने-बढ़ाने का पूर्ण अधिकार सम्पादक के पास सुरक्षित है।
8. व्यक्तिगत तथा विवादास्पद लेख पत्रिका में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे।
9. लेखन सामग्री भेजने वाले स्वयं उसके लिए उत्तरदायी होंगे।
10. नमूने का अंक उपलब्ध होने पर ही भेजा जा सकता है।

'जांगिड ब्राह्मण' महासभा की सदस्यता दर

(01-10-2018 से)

सदस्यता		रुपये
प्लैटिनम सदस्य	-	1,00,000/-
स्वर्ण सदस्य	-	51,000/-
रजत सदस्य	-	25,000/-
विशेष सम्पोषक	-	21,000/-
सम्पोषक सदस्य	-	11,000/-
संरक्षक (पत्रिका सहित)	-	2,100/-
संरक्षक (पत्रिका रहित)	-	500/-
वार्षिक पत्रिका शुल्क	-	240/-
मासिक पत्रिका शुल्क	-	20/-

विज्ञापन शुल्क की दरें

टाईटल का अंतिम पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 10000/-,वार्षिक 100000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 6000/-,वार्षिक 61000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 4000/-, वार्षिक 41000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 3000/-, वार्षिक 31000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 1500/-, वार्षिक 17000/-

अन्दर का चौथाई पृष्ठ (साधारण)
मासिक 750/-,वार्षिक 8500/-

वैवाहिक विज्ञापन
मासिक 201/-

स्वामित्व एवं सर्वाधिकार सुरक्षित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

प्रधान कार्यालय

440, हवेली हैदर कुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

दूरभाषः- 011-42420443, 011-42470443

Website: www.abjbmahasabha.com

E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

सम्पर्क सूत्र

प्रधान-पं.रामपाल शर्मा "जांगिड" - 09844026161

महामंत्री-पं.सांवरमल "जांगिड" - 09414003411

सम्पादक-प.रामभगत शर्मा "जांगिड" - 09814681741

महासभा बैंक खाता

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता नं. **61012926182 (IFSC Code: SBIN0000631)** में किसी भी स्थान से बैंक (शाखा-एसबीआई, एसएमई टाऊन हॉल, चांदनी चौक, दिल्ली-06) में 25000/- रू. प्रतिदिन नकद जमा करवाए जा सकते हैं। जमाकर्त्ता से अनुरोध है कि जमापर्ची की काउण्टर फाईल मय सम्पूर्ण विवरण (पाने वाले का नाम "अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा" अवश्य लिखें) सहित महासभा को आवश्यक रूप से प्रेषित करें तथा प्रत्येक लेन-देन पर 60/- रूपये बैंक चार्जेज के रूप में अतिरिक्त जमा करायें, अन्यथा महासभा उस कार्य को करने में असमर्थ रहेगी। क्योंकि बैंक चार्जेज का आर्थिक बोझ महासभा पर पड़ता है।महासभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट के लिए मान्य है।दानदाता अपनी आयकर विवरणी में दान पर आयकर छूट के लिए दावा कर सकते है।

गजेन्द्र जांगिड
सह-कोषाध्यक्ष महासभा, 9811482174

सत्यनारायण जांगिड
कोषाध्यक्ष महासभा, मो. 9810075654

।। ॐ भूर्भुवः स्वः। तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात् ।।

अनुक्रमणिका

07. सम्पादकीय..
09. प्रधान की कलम से..
11. विश्व पर्यावरण दिवस पर पेड़...
12. सीकर में महा0 की 8वीं त्रैमासिक..
20. म0प्र0 के अध्यक्ष प्रभुदयाल बरनेला.
22. इन्दौर में 9 जून को जांगिड प्रीमि0.
24. जिला सभा शाहपुरा का भव्य शपथ.
26. श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी...
28. गांव पेटवाड़ जिला हिसार के विवेक
29. गुजरात प्रदेशसभा की रिपोर्ट
30. दिनेश जांगिड कनिष्ठ कानूनी अधि0.
31. नजफगढ़ की रहने यज्ञा डेरालिया.
33. होनहार प्रतिभाएं
33. धर्मपाल शर्मा उ0प्र0 के मुख्य चुनाव.
34. होनहार प्रतिभाएं
35 महान समाजसेवी व उद्योगपति.....
37. सादुलपुर शहर में 19 मई को...
38. महिला प्रकोष्ठ तथा जांगिड सेवा..
40. प्रभु दयाल बरनेला को व0सलाहकार
41. संत शिरोमणि और उदात्त मानवीय.
43. देश में एक मात्र जांगिड बैंक....
45. जीवन में संघर्ष से जो उपलब्धि..
46. एक लाख रूपये के प्लेटिनम सद0
50. इक्यावन हजार रूपये के स्वर्ण स0.
50. पच्चीस हजार रूपये रजत सदस्य..
51. मुंडकाभवन के दानदताओं की सूची..
60. वैवाहिक विज्ञापन, शोक संदेश

प्रचार सामग्री (विज्ञापन)

कृष्णा इंटीरियर

आर आर स्टोनेक्स

भारत व्हील

शर्मा एण्ड कम्पनी

भागीरथ मोटर्स

न्यायिक क्षेत्र

सभी न्यायिक मामलों में महासभा के किसी भी पदाधिकारी के विरूद्ध महासभा सम्बन्धी मामले में कानूनी कार्यवाही के लिये न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

विनम्र निवेदन

(1) 'जांगिड ब्राह्मण' पत्रिका हर माह की 22 से 27 तिथि तक नियमित रूप से भेज दी जाती है, जो आपको 3-7 दिन में मिल जानी चाहिए।

(2) जिन आदरणीय सदस्यों को पत्रिका नहीं मिल पा रही हैं वे कृपया अपने सम्बन्धित डाक घर में लिखित शिकायत करें और इसकी एक प्रति महासभा कार्यालय में भी भेजें ताकि महासभा कार्यालय भी अपने स्तर पर मुख्य डाकपाल अधिकारी को यह शिकायत आप की फोटो प्रतियों के साथ भेज सके।

हमारे पास बहुत सारी पत्रिकाएं डाक कर्मचारी की इस टिप्पणी के साथ वापिस आ रही हैं, कि 'पते में पिता का नाम नहीं', 'इस पते पर नहीं रहता', 'पता अधूरा है', 'पिन कोड' बिना भी पत्रिका वापिस आ रही हैं। यदि आपके पते में उपरोक्त अशुद्धियाँ हैं तो लिखित रूप में महासभा कार्यालय में भेजें ताकि शुद्ध किया जा सके। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि प्रत्येक सदस्य को कार्यालय से प्रतिमाह 22 से 27 तिथि को पत्रिकाएं भेज दी जाती हैं।

(3) समाज के प्रबुद्ध लेखकों, विद्वानों से निवेदन है कि रचनाओं की छाया प्रति न भेजें, वास्तविक प्रति ही सुस्पष्ट, सुन्दर लेख में लिखकर या टाइप कराकर भेजें। वैवाहिक विज्ञापन एवं इसका शुल्क, अन्य लेख व प्रकाशन सम्बन्धी सभी प्रकार की सामग्री हर माह की 10 तारीख तक महासभा कार्यालय में अवश्य पहुंच जानी चाहिए।

कृपया ध्यान दें- बार बार निवेदन करने पर भी लेखक अपनी रचनाएँ अस्पष्ट हस्तलिखित तथा छोटे से कागज पर भेज रहे हैं। जिससे हमेंशा पढ़ने में असुविधा हो रही है। ऐसे लेख प्रकाशित नहीं हो पाएंगे।

(4) आपसे यह भी निवेदन है कि प्रत्येक रचना के अंत में यह घोषणा अवश्य करें कि यह रचना मेरी मौलिक रचना है और अभी तक कहीं प्रकाशित या प्रसारित नहीं हुई है। यदि किसी अन्य स्रोत से ली गई है तो उसका संदर्भ अवश्य दे तथा लेख के अन्त में अपना नाम, पता, फोन नम्बर हस्ताक्षर सहित अवश्य लिखें।

(5) पत्रिका के विषय में प्रबुद्ध लेखकों के सुझाव सादर आमंत्रित है।

(6)अस्वीकरण-पत्रिका में प्रकाशित लेखों में लेखकों के व्यक्तिगत विचार होते हैं। महासभा का उनसे सहमत होना आवश्यक नही है।

-सम्पादक

इस पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से सम्पादक अथवा महासभा का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसमें प्रकाशित सभी रचनाओं में अभिव्यक्त विचारों, तथ्यों आदि की शुद्धता तथा मौलिकता का पूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है।

जीवन में सन्तोष और परमानन्द प्राप्त करने का सरल मार्ग है, आध्यात्मिकता को आत्मसात करना।

परमात्मा का दिया हुआ यह मनुष्य का जीवन एक अनमोल धरोहर है और इसे संभाल कर रखना और धर्म के मार्ग पर चलते हुए इस जीवन का कल्याण करना आज के इस आधुनिक युग में एक चुनौती बन गया है और आज जिस प्रकार से लोगों की धन और वैभव के प्रति सोच बदली है उसके कारण मनुष्य आध्यात्मिकता के रास्ते से दिग्भ्रमित हो गया है और जिसके कारण मन में असन्तोष और विषाद की भावना पैदा हो रही है। आज के इस युग में जीवन में दिग्भ्रमित होने के अनेक कारण हो सकते हैं। लेकिन कई बार जीवन में, ऐसा भी होता है कि हम न चाहते हुए भी अपने जीवन के वास्तविक लक्ष्य से विमुख होकर दिग्भ्रमित हो जाते हैं और इतना ही नहीं कई बार अनावश्यक रूप से गलत धारणा का शिकार होकर अपने मूल और वास्तविक उद्देश्य से भी भटक जाते हैं और ऐसी परिस्थितियों में उस व्यक्ति के अन्त:करण में नकारात्मक शक्तियों का उदय होना शुरू हो जाता है और वह आध्यात्मिकता के पथ से भटक कर नकारात्मकता का शिकार होकर काफी दूर चला जाता है।

लेकिन समय के थपेड़ो के साथ जिस समय एक मनुष्य को अपने जीवन का वास्तविक उद्देश्य और अर्थ समझ में आने लगता है तो उसको अपनी भूल का अहसास होकर समझ में आ जाता है कि इस जीवन का वास्तविक उद्देश्य वह नहीं है, जो वह समझ रहा है, अपितु इस जीवन का उद्देश्य और है, जहां वह अपनी अन्तर्आत्मा की आवाज सुनकर आत्म तत्व की खोज पर निकल पड़ता है और ऐसा व्यक्ति सत्य के मार्ग पर चलते हुए फिर कभी भी विचलित नहीं होता है और **इसीलिए कहा गया है कि सत्य ही वह सबसे बड़ी शक्ति है। इसलिए लाख मुसीबत आने पर भी सत्य की डगर पर चलते हुए कभी भी विचलित नहीं होना चाहिए। अगर सत्य के मार्ग पर चलते हुए और धर्म का पालन करते हुए कोई आपका साथ छोड़ देता है, तो भी इसकी परवाह न करते हुए भगवान पर भरोसा और विश्वास रखो वह आपका साथ अवश्य ही देगा।** लेकिन सत्य और धर्म के प्रति आस्था और विश्वास केवल आध्यात्म के मार्ग पर चलने से ही सम्भव है।

सन्त तुलसीदास ने श्रीरामचरितमानस में लिखा है कि -

सुमति कुमति सबके उर रहीं, नाथ पुरान निगम अस कहहिं।
जहां सुमति तह सम्पत्ति नाना, जहां कुमति यहां बिपत्ति निदाना ।।

हमारे वेद पुराणों मे लिखा है कि सुबुद्धि और कुबुद्धि सबके हृदय में रहती है जीवन में सुख और दु:ख भी उसी के आधार पर होता है। लेकिन जिसने राम जी को आत्मसात कर लिया वहीं पर सुबुद्धि का वास होता है और वही सुख समृद्धि और वैभव है। जिसका जगत के पालनहार श्री हरि विष्णु भगवान पर अटूट विश्वास हो गया उसकी चिंता वह अपने आप ही करेगा। **अत: कलियुग में केवलमात्र राम नाम का आधार ही है जो मनुष्य को इस दुष्कर संसार रूपी भवसागर से पार उतार सकता है। अत: इस जीवन को सार्थक बनाने के लिए आध्यात्मिकता के मार्ग पर चलते हुए राम नाम रुपी अमृत को धारण करने से सभी प्रकार की वेदनाओं और दु:ख तथा संताप का निवारण स्वयं ही हो जाएगा।** रामचरित मानस में उल्लेख है कि -

द्वापर करि रघुपति पद पूजा, नर भव तरहिं उपाय न दूजा।
कलियुग केवल हरि गुण गाहा, गावत नर नावहिं भव थाहा।।

द्वापर युग में तो भगवान श्री राम जी के चरणों की पूजा कर मानव संसार रूपी भवसागर से पार हो जाता था और कलियुग में तो केवल भगवान श्री हरि की गुणगाथाओ का गान करके और उसे सुमरिण करके ही मानव भवसागर की थाह पा लेता है और इतना सरल उपाय होने पर भी कलियुग में लोग नास्तिक होते जा रहे हैं। उनकी मान्यता धन और वैभव के आस-पास आकर सिमट गई है और धनवान पुरुष अंहकार, लोभ और मोह के वशीभूत होकर यह समझ बैठता है कि वह अपने धन और वैभव के बल पर ही सब कुछ खरीद सकता है। लेकिन वह यह भूल जाता है कि यह शरीर भगवान द्वारा प्रदान किया हुआ एक किराए का मकान है और वह उसमें किरदार है और भगवान जिस समय चाहेगा वह सांसों की डोर खींच लेगा।

सन्त कबीर दास ने कहा है कि - **हीरा जीवन अनमोल है कोड़ी बदले जाय ।** भगवान ने हीरे के समान यह मानव शरीर दिया है और इस जीवन को कोड़ी के समान व्यर्थ नहीं गवाना चाहिए। यह मूल अवधारणा जिस दिन एक व्यक्ति आत्मसात कर लेगा तो उसको, अपने जीवन का मूल उद्देश्य पूरी तरह से समझ आ जाएगा और फिर अगर वह उस धारणा के अनुरूप अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित कर लेता है, तो वह इस मानव जीवन की सच्चाई को खोजने के लिए विह्विल हो उठता है और **जैसे-जैसे वह आध्यात्मिकता के रास्ते पर निरन्तर अग्रसर होता रहता है तो उस मानव प्राणी की, सर्वेश्वर, परमात्मा भगवान के प्रति वैसे-वैसे उसकी अभिरुचि और जिज्ञासा निरंतर बढ़ती और प्रगाढ़ होती रहती है तो वैसे-वैसे ही वह सिद्ध पुरुष संसार से विमुख होता चला जाता है और आध्यात्मिकता के गहरे सागर में गोते लगाने के साथ ही प्रभु रुपी अमृत के मोतियों को पाकर अपने जीवन और अपने आप को धन्य और सौभाग्यशाली समझने लगता है।**

आध्यात्मिकता के रास्ते पर चलते हुए एक साधक जिस मार्ग को अपना ले, उसी पर अगाध श्रद्धा और विश्वास रखते हुए दृढ़ता पूर्वक लगा रहे। इस मार्ग पर चलते हुए दुःख आएं या सुख, प्रशंसा हो या निंदा इनमें से किसी की भी परवाह किए बिना निरन्तर आगे बढ़ते रहना चाहिए अन्यथा आध्यात्मिकता के मार्ग में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है। इसलिए इस मार्ग में, जितने भी कष्ट और बाधाएं तथा जितनी भी विपरीत परिस्थितियां आती हैं, वह केवल भगवान परीक्षा लेता है और यह निश्चित है कि यह परेशानियां केवल एक श्रद्धालु भक्त की उन्नति और कल्याण के लिए ही आती हैं। अपने भक्तों के लिए समय-समय पर परमात्मा अनुकूल और प्रतिकूल परिस्थितियों को उत्पन्न करके अपने भक्तों को चेताते और सावधान करते रहते हैं और इसके साथ ही वह अपने भक्तों की रक्षा भी करते रहते हैं। **एक श्रद्धालु भक्त, जिस समय आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त कर लेता है तो फिर उसका संसार ही बदल जाता है और वह केवल दीनदयाल प्रभू का भजन करते हुए उस अन्तर्यामी परमात्मा के दर्शन करने के लिए लालायित हो उठता है और ऐसा परम भक्त केवल आध्यात्मिक के सागर में विचरण करके ही परमात्मा से तादात्म्य स्थापित करने के साथ-साथ अपने जीवन को सार्थक बनाने का भी हर संभव प्रयास करने लगता है और ऐसा प्रभु का भक्त वन्दनीय है** और परमात्मा के ऐसे परम भक्त की श्रद्धा, आस्था तथा **विश्वास परमात्मा के प्रति निरन्तर सुदृढ़ होती रहेगी और उस भक्त की धन सम्बन्धी लालसा धीरे-धीरे विलुप्त हो कर धुंधली हो जाती है और भगवान के उस परम भक्त को जिस परमानन्द और सुख की अनुभूति होती है उसका सहज ही अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है। ऐसे भक्त का जीवन हीरे के समान प्रकाशमान और जाज्वलयमान होकर उसके प्रकाश से उस भक्त का अन्तःकरण आलोकित हो उठता है और आध्यात्मिकता के मार्ग पर चलते हुए ऐसे भक्तों का जीवन सहज रूप से ही सार्थक हो उठता है।**

सम्पादक रामभगत शर्मा।

प्रधान की कलम से---

जीवन में सफलता हासिल करने का मूल मंत्र परोपकार की भावना है।

प्रधान रामपाल शर्मा

सबसे पहले मैं आदमपुर जिला हिसार हरियाणा के रहने वाले रजत सुथार को बधाई देता हूं, जिन्होंने सिविल सर्विस परीक्षा 2022 को पास करके भारतीय व्यापार सेवा में सहायक महानिदेशक के पद पर अपनी नौकरी ज्वाइन की है। इसके साथ ही मैं समाज के उन होनहार छात्र छात्राओं को भी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं जिन्होंने 10वीं कक्षा और 12वीं कक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए माता-पिता और समाज का नाम गौरवान्वित किया है और इसके साथ ही नीट परीक्षा पास करके डॉ. बनने वाले महानुभावों को भी हृदय की गहराइयों से धन्यवाद देता हूं और मंगल कामना करता हूं कि भविष्य में भी वह सभी इसी प्रकार से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए समाज में विशिष्ट स्थान हासिल करने के साथ ही देश का गौरव भी बढ़ायेंगे।

उत्तर प्रदेश प्रदेश सभा से मांग आई है कि पद्मश्री और पद्मभूषण पुरस्कार से सम्मानित, सन्त परम्परा के देदीप्यमान सितारे, शिक्षा ऋषि के नाम से विख्यात मानवता के पुजारी स्वामी कल्याण देव का जन्म दिवस जोकि 21 जून को है। प्रत्येक वर्ष इसे राष्ट्रीय सद्भावना के रूप में मनाया जाए और यह सुझाव बहुत ही महत्वपूर्ण है और मैं आश्वासन देता हूं अगले वर्ष से इसका अक्षरश: पालन करने का स्तुत्य प्रयास किया जायेगा। मैं महासभा रुपी परिवार की तरफ से उनके जन्मदिवस पर अपने भावभीने श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। मेरा यह मानना है कि जीवन में सफलता हासिल करने के लिए परोपकाराय पुण्य यानी जीवन में दूसरों की भलाई करना ही सबसे बड़ा महापुण्य का कार्य है।

परमपिता परमात्मा ने हमें जो मानव रुपी शरीर दिया है और उसका वास्तविक उद्देश्य यह होना चाहिए कि जीवन में सदैव ही परोपकार व दूसरों का उपकार करने की भावना सदैव ही बलवती बनी रहे और तभी परमात्मा की अनुकम्पा से आशातीत सफलता हासिल हो सकती है। मेरी अपनी यह धारणा है कि आपको जीवन में जो कुछ भी हासिल हुआ है वह सब कुछ परमात्मा द्वारा दिया गया उपहार है और अगर देने वाला परमात्मा है तो फिर आप किसी को दान देने के बाद इस बात का ढिंढोरा क्यों पीटते हो कि मैंने इतना बड़ा दान करके महान पुण्य कमाया है। ऐसे व्यक्ति को वास्तव में आत्मबोध नहीं होता है और इस प्रकार के विचार एक अंहकार की भावना से ग्रस्ति व्यक्ति में ही आ सकते हैं। उस समय वह दानी व्यक्ति यह बात भूल जाता है कि देने वाला तो कोई और यानी परमात्मा है और मेरा तो केवल नाम हो रहा है।

मैंने अपने जीवन में विस्तार पूर्वक तरीके से बड़ा ही चिन्तन और मनन किया है कि यह पुण्य कहां से आता है और परमात्मा यह पुण्य करने का सौभाग्य प्रत्येक व्यक्ति को क्यों नहीं देता है और जिस दिन यह रहस्य समझ में आ जायेगा कि सब कुछ किसकी अनुकम्पा से प्राप्त हो रहा है और इस विषय पर गंभीरतापूर्वक तरीके से गहन मंथन और मनन करने की जरूरत है।

कई बार एक व्यक्ति को अपनी मनचाहा फल प्राप्त न होने से वह निराश और हताश हो जाता है और वह सोचता है कि भगवान ने उनके साथ अन्याय किया है लेकिन वास्तव में भगवान उसे और भी अधिक देना चाहते हैं। जिस प्रकार से सीता स्वयंवर के दौरान कोई भी राजा शिव धनुष नहीं उठा पाया तो राजा जनक उदास हो गए। लेकिन भगवान ने तो सीता के भाग्य में उससे भी अधिक लिखा हुआ था और वह धनुष स्वयं

भगवान राम ने तोड़कर यह सिद्ध कर दिया कि सीता के भाग्य में उन राजाओं से अधिक लिखा हुआ था। मैंने भी देखा है और आपने भी देखा होगा कि अपने पिछले जन्मों के संस्कार के कारण ही कई बार संतान नेत्रहीन पैदा होती है यह सब उस व्यक्ति द्वारा किए गए पिछले किसी जन्म में किए हुए दुष्कर्मों का ही प्रतिफल है। क्योंकि पैदा होने वाले बच्चे ने अभी तो कोई ऐसा कर्म किया ही नहीं है।

इस मानव जीवन में पुण्य की प्राप्ति के लिए प्रेम, परोपकार और परमात्मा नामक तीन सीढ़ियों को महत्वपूर्ण कड़ी समझकर अपने जीवन को सफल बनाने का प्रयास करना चाहिए। इसमें सबसे पहली सीढ़ी, प्रेम की सीढ़ी है और इस दौरान एक मनुष्य को यह आत्मसात करने की महत्ती आवश्यकता है कि सभी से प्रेम करने के साथ-साथ ही और यहां तक कि अपने विरोधी दुश्मन के साथ भी सदैव ही प्रेमपूर्वक व्यवहार करना चाहिए और इतना ही नहीं आपके पास या आपके साथ जो भी महानुभाव कार्य कर रहे हैं उनको भी सदैव ही पूरा मान-सम्मान देते हुए उनके परिवार के दुःख और तकलीफों के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए और समय समय पर उनके परिवारों और परिजनों का हाल-चाल पूछते रहना चाहिए ।

जीवन में मेरा भी सदैव यही प्रयास रहा है कि जो भी महानुभाव हमारी कम्पनी के साथ कार्य करते हैं उनका और जांगिड परिवार के लोगों की कुशल क्षेम सदैव ही पूछता रहता हूं।

प्रेम और वाणी की मिठास वह दिव्य अस्त्र है जो दुश्मन में भी प्रेम और अपनेपन की भावना के बीज अंकुरित कर देती है। इस तरह से परोपकार की दूसरी सीढ़ी है, जाति और धर्म से ऊपर उठकर किसी भी जरूरतमंद की सहायता के लिए चढ़ी जाती है और इसका मूल मंत्र यह है कि किसी पर परोपकार करके उसे जताना नहीं चाहिए और उसे शर्मिंदा नहीं करना चाहिए। अपितु हमेशा ही ऐसे व्यक्तियों की अपनी सामर्थ्य के अनुसार परमात्मा ने जो कुछ भी दिया है उसके अनुसार मदद करने के साथ-साथ अच्छे आचार-विचार से जरूरतमंद लोगों का मार्गदर्शन करना चाहिए और जीवन में पुण्य की प्राप्ति का यह सर्वोत्तम और सर्वश्रेष्ठ मार्ग है।

अगर आप जीवन में सफलता हासिल करना चाहते हो तो गरीब व्यक्ति का मजाक उड़ाने की अपेक्षा दीन दुखियों की हर संभव सहायता करें और उन पर परोपकार करो। इसी प्रकार परमात्मा, को प्राप्त करने के लिए पुण्य और परोपकार ही जीवन की सबसे महत्वपूर्ण विशेष सीढ़ी है, जिसकी तलाश में एक व्यक्ति हजारों मिल का सफर करने के साथ-साथ परमात्मा को प्राप्त करने के लिए प्रेम और परोपकार की हजारों सीढ़ियां भी चढ़ जाते हैं।

आपने कभी भी अपने मन मंदिर मे परमात्मा की मनोहारी छवि को स्थापित करके अपने भावों के माध्यम से बातचीत करेंगे तो आपके अन्तःकरण से एक आवाज आयेगी, जिसमें परमात्मा कहता है कि मेरे पास आने से पहले तुम अपने आसपास के दीन दुखियों और जरूरतमंदों की अपने सामर्थ्य के अनुसार सहायता करो और उनसे प्रेम करो और उनसे प्रेम पूर्वक व्यवहार करो।

आपने देखा होगा कि आत्म सन्तोष प्राप्त करने के लिए लोग अपना रुपया, पैसा और जमीन जायदाद तक भी दान कर देते हैं, लेकिन फिर भी उन्हें वह आत्मशांति और सन्तोष नहीं मिलता है, जिसकी वह आशा रखते हैं और उनका मन निरन्तर ही भटकता रहता है। मनुष्य का यह जीवन उस धागे के समान है, जिसमें जितनी अधिक गांठ बांध देंगे, धागा उतना ही छोटा होता चला जाएगा। इसलिए यह प्रयास होना चाहिए कि जीवन रूपी धागे में गांठे नहीं लगने दें और अपने जीवन और परिवार को चलाने के लिए आवश्यक है कि एक संस्कृत संस्कारवान अनुशासन और संयमित जीवन व्यतीत करें इससे आपके द्वारा किए गए पुण्य हमेशा ही

आपके साथ रहेंगे इसलिए जीवन में सफलता हासिल करने के लिए यह आवश्यक है कि आप प्रेम और परोपकार रुपी परमात्मा की सीढ़ी पर चढ़ते हुए जीवन को सार्थक बनाने का स्तुत्य प्रयास करें।

इन शब्दों के साथ ही मैं, महासभा रुपी परिवार के सदस्यों का आभार व्यक्त करता हूं कि आपने मुझ पर विश्वास और भरोसा रखते हुए जो निःस्वार्थ भाव से प्यार और सहयोग दिया है। वह सहयोग मिशन डेढ़ लाख को पूरा करने में भी इसी प्रकार से मिलता रहेगा ताकि इस महासभा रुपी परिवार में निरन्तर अभिवृद्धि होती रहे और आपका और हमारा यह परस्पर स्नेह और प्यार सदैव ही इसी प्रकार से बना रहे।

धन्यवाद।

प्रधान रामपाल शर्मा।

*****

विश्व पर्यावरण दिवस पर पेड़ लगाने का संकल्प लें।

आधुनिक युग की अंधी दौड़ में जिस प्रकार से विकास के नाम पर प्रकृति से खिलवाड़ की जा रही है और पेड़ों की अन्धाधुंध कटाई के कारण आज जलवायु परिवर्तन का प्रकोप निरन्तर बढ़ रहा है और जिसके कारण संपूर्ण मानवता का अस्तित्व ही खतरे में पड़ता जा रहा है और ऐसी विकट परिस्थितियों में आज प्रकृति का संतुलन बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए 5 जून को सारे विश्व में पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।

हमारे देश में भी प्रत्येक वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है और इसके मनाने का एक मात्र उद्देश्य यही है कि लोगों को इस भयावह खतरे से आगाह करते हुए समय रहते उचित कदम उठाए जाएं। विश्व पर्यावरण दिवस मनाना हमारा तभी सार्थक और सफल हो सकता है कि इस दिन पेड़ों को बचाने के साथ-साथ नए पेड़ लगाने का संकल्प लें ताकि ग्लोबल वार्मिंग के खतरे से बचते हुए मानवता के कल्याण के लिए अपने दायित्व का भली भांति निर्वहन कर सकें। पेड़ लगाने से दुषित पर्यावरण की रक्षा हो सकती है। जैसे कि पीपल 100 प्रतिशत कार्बन-डाई-ऑक्साइड को सोखता है। इसी प्रकार वटवृक्ष 80 प्रतिशत बेलपत्र 85 प्रतिशत और आम 70 प्रतिशत कार्बन-डाई-ऑक्साइड सोखता है।

आओ, हम सभी मिलकर एक संकल्प लें कि पर्यावरण संरक्षण करने में पेड़-पौधों की रक्षा करते हुए पेड़ों की महत्ता के बारे में भी लोगों को और विशेष रूप से युवाओं को जागृत करें और शादी ब्याह और जन्म दिवस जैसे शुभ अवसर पर घर के आसपास या उचित स्थान पर पेड़ लगाने काम करें ताकि संपूर्ण मानवता का अस्तित्व जो प्रकृति पर निर्भर है उसको प्रभावशाली ढंग से बचाया जा सके और ऐसे में प्रत्येक वर्ष कम से कम एक पौधा लगाकर उसके पेड़ बनने तक देखभाल करे, जल का दुरूपयोग ना करें। इसके बारे में जनजागृति पैदा करने की महत्ती आवश्यकता है।

आओ, आने वाली सन्तानों के सुखद भविष्य के लिए पेड़ लगाने के साथ साथ इसे जनसाधारण को जागरूक करने का। भी संकल्प लें।

प्रधान रामपाल शर्मा।

सीकर में महासभा की 8वीं त्रैमासिक बैठक में समाज के युवाओं में संस्कारों को आत्मसात करने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल

राजस्थान के शहरी विकास और स्वायत शासन मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा शिल्पकला और निर्माण के देवता हैं और जांगिड-सुथार समाज प्राचीन समय से लेकर आज तक शिल्पकला और निर्माण के मामले में सर्जन करता आ रहा है और यह इस समाज के लिए बहुत बड़ी बात है और यह सुशिक्षित समाज सर्जन करने का स्तुत्य प्रयास कर रहा है और यह सर्वाधिक सुशिक्षित और सुसंस्कृति की ओर निरन्तर अग्रसर हो रहा है।

राजस्थान के विकास और स्वशासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा का प्रधान रामपाल शर्मा महासभा की तरफ से स्मृति चिह्न देकर 23 जून को सीकर में सम्मानित करते हुए।

यह उदगार अपने संबोधन में झाबरसिंह खर्रा ने सीकर जिला सभा और श्री विश्वकर्मा कल्याण समिति सीकर द्वारा आयोजित अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा की 8वीं त्रैमासिक बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

मंत्री ने कहा कि आज इस भौतिकवादी युग में मानवता के सामने सबसे बड़ी चुनौती आने वाली पीढ़ियों को सुसंस्कारित बनना सबसे बड़ी चुनौती है और अगर इस तरफ ध्यान नहीं दिया गया तो इसके गंभीर दुष्परिणाम भुगतने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा देश है क्योंकि भारत में सर्वाधिक युवा आबादी है। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि 1-12 वर्ष तक बाल्यावस्था और 12-18 वर्ष तक किशोर अवस्था और 18-35 वर्ष तक युवा और 35-60 वर्ष प्रौढ़ावस्था और उसके बाद वृद्धावस्था का दंश झेलना पड़ता है। जिस बच्चे को मां के गर्भ से 12 वर्ष तक अभिभावक जो भी संस्कार बच्चों को देते हैं उनके कोमल मन पर उन संस्कारों की अमिट छाप पड़ जाती है और वह वही विचारधारा आत्मसात कर लेता है और यह देश का दुर्भाग्य है कि गम्भीर अपराध में 7 वर्ष से लेकर जीवन पर्यन्त सजा का प्रावधान है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूरे भारत देश में जितने भी अपराध गत वर्षों में हुए हैं उन अपराध करने वाले बच्चों में 13-18 वर्ष की आयु के 34-35 प्रतिशत बच्चे हैं ।

सीकर में महासभा की 8वीं त्रैमासिक बैठक में ध्वजारोहण करते हुए प्रधान रामपाल शर्मा, मध्यप्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला और अन्य प्रतिष्ठित महानुभाव।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने आश्वासन दिया कि मुण्डका में निर्माणाधीन महासभा का भवन बहुत ही सुन्दर और इसका इंटीरियर डिजाइन भी आकर्षक ढंग से तैयार किया गया है और इस भवन को शीघ्र ही समाज को समर्पित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसका उद्घाटन समारोह बड़े ही भव्य और शानदार ढंग से किया जाएगा और उद्घाटन की तिथि जल्दी ही सुनिश्चित की जाएगी ।

यह उदगार अपने सम्बोधन में महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने सीकर में सीकर जिला सभा

और श्री विश्वकर्मा कल्याण समिति सीकर द्वारा संस्कार रिजोर्ट में संयुक्त रूप से 23 जून को आयोजित महासभा की 8वीं त्रैमासिक बैठक में अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। इससे पूर्व महासभा का झण्डारोहण किया गया और राष्ट्रीय गान के पश्चात दीप प्रज्ज्वलित करके भगवान विश्वकर्मा की आरती और पूजा अर्चना की गई।

प्रधान रामपाल शर्मा, अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड, मुख्य संरक्षक फूल कुमार शर्मा और पूर्व प्रधान रविशंकर जांगिड स्वीकृत झण्डा सीकर में त्रैमासिक बैठक में जारी करते हुए।

प्रधान ने कहा कि मुण्डका भवन में एयर कंडीशनर लग चुके हैं और पहले फ्लोर पर ताला लगा दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस भवन के कार्य की गुणवत्ता को देखने के 15-20 दिन में बंगलौर से दिल्ली का चक्कर लगाता ही रहा हूँ और विशेषकर इंटीरियर के काम की जांच करने के लिए क्योंकि उनका इंटीरियर के मामले में लगभग 40 साल का अनुभव है। उन्होंने दान दाताओं और भामाशाहों से भी अपील की है कि जिन्होंने महासभा के भवन के निर्माण के लिए दान राशि की घोषणा की हुई है। उनसे हाथ जोड़कर विनती है कि वह अपनी राशि इस महीने के अन्त तक महासभा के अकाउंट में जमा करवाने का कष्ट करें ताकि बाकी बचे हुए कार्य को प्राथमिकता के आधार पर जरुरी काम को पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि महासभा भवन के निर्माण कार्य हेतु महासभा के प्लैटिनम सदस्यों के तथा 51 हजार रुपए या उससे अधिक राशी देने वाले भामाशाहों के नाम बोर्ड पट्टिका पर लिखे जाएंगे, लेकिन 1100 रुपए तक दान देने वालों के नाम भी महासभा भवन में स्क्रीन पर देखें जा सकेंगे।

प्रधान ने गोवर्धन में भगवान विश्वकर्मा मंदिर का केस जीतने में हरियाणा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विद्यासागर के अतुलनीय योगदान की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए रामपाल शर्मा ने कहा कि गोवर्धन का केस हम जीत चुके हैं और इसके लिए आगामी त्रैमासिक बैठक में विद्यासागर और बनवारी लाल को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने सभी प्रदेश अध्यक्षों से विनम्र अनुरोध किया कि वह मतदाता सूची को अद्यतन करने में मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण कुमार शर्मा को भरपूर सहयोग करें और चुनाव निर्देशिका तैयार करने के लिए भी प्रवीण शर्मा और उसकी टीम के सदस्यों को बधाई भी दी।

बांकनेर स्कूल के समुचित ढंग से चलाने की वकालत करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष धर्मपाल शर्मा की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया जाए और उन कमेटी के सदस्यों से आर्थिक मदद देने की अपील की जाए। उन्होंने राजस्थान के मंत्री झाबरसिंह खर्रा से सीकर में जिलासभा सीकर को बालिका छात्रावास का निर्माण करने के लिए भूमि उपलब्ध करवाने की मांग की, जिसे मंत्री ने स्वीकार करने का पूरा आश्वासन दिया। साथ ही महासभा की प्रत्येक त्रैमासिक बैठक में समस्त स्थानीय महिलाओं और पदाधिकारियों तथा समाज बन्धुओं को अपने साथ ही बच्चों को भी लेकर आना चाहिए ताकि बच्चों को भी समाज एवं महासभा के बारे में जानकारी प्राप्त हो सके।

प्रधान रामपाल शर्मा ने इस शानदार आयोजन और व्यवस्था के लिए प्रदेश सभा राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा पंवार, जिला सभा सीकर के अध्यक्ष हरिनारायण जांगिड और महामंत्री राधेश्याम मांडण, श्री विश्वकर्मा कल्याण समिति सीकर के अध्यक्ष बनवारी लाल खंडेलसर एवं समस्त कार्यकारिणी, सीकर के जांगिड ब्राह्मण समाज, समस्त भामाशाहों एवं समस्त समाज बन्धुओं के द्वारा महासभा की त्रैमासिक

बैठक का सुव्यवस्थित और शानदार ढंग से आयोजन करने के साथ-साथ भरपूर सहयोग और समर्थन देने की अनूठी मिसाल कायम करने के लिए हृदय की गहराइयों से सभी का पुनः पुनः धन्यवाद।

उन्होंने छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं महासभा के वरिष्ठ संरक्षक शंकर लाल लदोया को महासभा तथा छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश प्रदेश सभाओं में दिए गये अतुलनीय योगदान एवं समाज उत्थान के लिए सम्पूर्ण राष्ट्र में की गयी 40000 लगभग किलो मीटर की रथ यात्रा के लिए उनको जांगिड रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की साथ ही उन्होंने मध्य प्रदेश के अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला की मध्यप्रदेश में समाज के प्रति उत्कृष्ट सेवाओं एवं महासभा रूपी संगठन के प्रति समर्पण की भावना को देखते हुए वर्ष 2023 का सर्वश्रेष्ठ प्रदेशाध्यक्ष का पुरस्कार प्रदान किया क्योंकि इन्होंने मध्य प्रदेश में विशेष रूप से सभी जिला अध्यक्षों के निर्विरोध चुनाव सम्पन्न करवाकर एक कीर्तिमान स्थापित किया है। उनकी उल्लेखनीय सेवाओं एवं प्रदेश के समाज के प्रति समर्पण की भावना को देखते हुए ही उन्हें दूसरी बार मध्य प्रदेश का निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष चुना गया है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा,सीकर में महासभा की 8वीं त्रैमासिक बैठक को 23 जून 2024 को संबोधित करते हुए।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान का चुनाव सर्वसम्मति से करवाए जाने की वकालत करते हुए रामपाल शर्मा ने कहा कि महासभा के प्रधान का चुनाव आगामी 6 महीने में होने जा रहा है और सभी को मिल जुल कर इस मामले में सर्वसम्मति बनाने का प्रयास करना चाहिए ताकि प्रधान के चुनाव में खर्च होने वाला एक-दो करोड़ रुपए बच जाए और इस पैसे का उपयोग समाजहित गरीब बच्चों की पढ़ाई और उनके इलाज में खर्च किया जा सके। उन्होंने महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष नानूराम का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष बनने के लिए समाज के सामने यह शर्त रखी थी कि उसे निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष बना दिया जायेगा तो वह समाज को 51 लाख रुपए का योगदान देंगे और उसके इस फैसले की महाराष्ट्र में भूरि-भूरि प्रशंसा हुई है। इस प्रकार समाज का पैसा बचा कर समाज हित में खर्च किया जा सकता है। उन्होंने जिला अध्यक्षों और प्रदेश अध्यक्षों सहित सभी के निर्विरोध निर्वाचन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इससे समाज में आपसी भाईचारा और सौहार्द की भावना बलवती होगी।

महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड ने महासभा की तरफ से मंच पर विराजमान समस्त अतिथियों एवं महासभा के सभी पदाधिकारियों, पूर्व प्रधान, सीकर जिला अध्यक्ष हरिनारायण जांगिड, बाबूलाल जांगिड, महामंत्री राधेश्याम मांडण और विश्वकर्मा कल्याण समिति सीकर के अध्यक्ष बनवारी लाल खण्डेलसर, प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा पंवार, महामंत्री कैलाश शर्मा सालीवाले और कोर कमेटी के सदस्यों, निर्वाचन समिति, अनुशासन समिति, कानूनी सलाहकार समिति, भामाशाहों और महासभा की कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारियों और सभी प्रदेश अध्यक्षों, समारोह के सभी कार्यकर्ताओं, मीडिया जगत से जुड़े पत्रकारों का गृह जिला सीकर की ऐतिहासिक धरा पर भावभीना अभिनन्दन और स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि यह धरा शौर्य और पराक्रम की अनेक गाथाओं को अपने अन्तःकरण में आत्मसात किए हुए है तथा दानवीरों और भामाशाहों तथा शुरवीरो और खाटूधाम में विराजमान सांवरे सरकार बाबा खाटूश्यामजी और श्री सालासर बालाजी और शाकम्बरी एवं जीण माता शक्ति पीठों के नाम से विख्यात इस

क्षेत्र की पावन धरा पर सभी को नमन और हार्दिक अभिनन्दन है।

1. कार्यक्रम के दौरान मीटिंग के एजेंडे के अनुसार बैठक पधारे हुए महासभा के समस्त प्लैटिनम सदस्यों को अभिनंदन पत्र के साथ प्लैटिनम सदस्य का हाईटेक कार्ड कवर के साथ प्रदान करते हुए सम्मान किया गया ।

2. छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं महासभा के वरिष्ठ संरक्षक शंकर लाल लदोया को महासभा की और से माला, साफा, श्रीफल एवं अभिनंदन पत्र देकर जांगिड रत्न से सम्मानित किया।

अ.भा.जां.ब्रा.महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड, सीकर में आयोजित महासभा की 8वीं त्रैमासिक बैठक को संबोधित करते हुए।

3. मध्य प्रदेश के अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला की मध्यप्रदेश में समाज के प्रति उत्कृष्ट सेवाओं एवं महासभा रूपी संगठन के प्रति समर्पण की भावना को देखते हुए वर्ष 2023 का सर्वश्रेष्ठ प्रदेशाध्यक्ष के लिए माला, साफा, अभिनंदन पत्र एवं सर्वश्रेष्ठ प्रदेशाध्यक्ष की ट्रॉफी का पुरस्कार प्रदान करते हुए सम्मानित किया गया।

4. महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण शर्मा - नीमच एवं कोर कमेटी सदस्य, अनुशासन कमेटी सदस्य सुरेन्द्र वत्स - दिल्ली एवं महेंद्र कुमार जांगिड-धारूहेड़ा को महासभा के वर्तमान कार्यकाल में विशेष योगदान एवं सहयोग देने के लिए माला पहनकर तथा अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया गया।

5. महासभा में संगठन मंत्री पीताम्बर जांगिड-फरीदाबाद एवं जिला सभा सीकर के महामंत्री राधेश्याम मांडण को महासभा में 250 से अधिक संख्या में सदस्य जोड़ने के लिए ''महासभा मित्र सम्मान'' से सम्मानित करते हुए माला एवं मोमेंटो देकर उनका आभार व्यक्त किया।

6. राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष एवं महासभा प्रधान द्वारा सीकर जिला अध्यक्ष हरिनारायण जांगिड को वर्ष 2023 का सर्वश्रेष्ठ जिला अध्यक्ष घोषित करते हुये माला, साफा एवं ट्रॉफी देते हुए सम्मानित किया गया।

श्री विश्वकर्मा कला कौशल बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार ने कहा कि जांगिड-सुथार समाज एक अनुशासित समाज है और हम अपने छोटे मोटे मसलों को एक कमरे में बैठकर सुलझा लेते हैं। लेकिन कई बार सोशल मीडिया में नकारात्मक विचारों के कारण भ्रमित हो जाते हैं। इसलिए मेरा आग्रह है कि सोशल मीडिया के माध्यम से समाज को कैसे शक्तिशाली बनाया जाए इस पर बहस होनी चाहिए। अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के द्वारा किए जा रहे कार्यो की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि वह सन् 2018 से जिस समय रविशंकर शर्मा, महासभा के प्रधान थे तब से जुड़े हुए हैं। रविशंकर शर्मा ने तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया से समाज की जोरदार वकालत करते हुए समाज को दो विधानसभा की टिकटें दिलवाई थी।

राजस्थान प्रदेश के श्री विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार, सीकर में महासभा की 8वीं त्रैमासिक बैठक को संबोधित करते हुए।

रामगोपाल सुथार ने कहा कि समाज ने 3 सितंबर को जयपुर में आयोजित महाकुंभ के माध्यम से अपनी ताकत का अहसास करवाया था, जिसका परिणाम आज आपके सामने है और आपका भाई आज विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड का अध्यक्ष है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि समाज के हित के जो भी कार्य होंगे उनको प्राथमिकता के आधार पर पूरा करवाया जायेगा और बोर्ड के माध्यम से यथासंभव मदद करने का

भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 13000 करोड़ रुपए की प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल योजना देश में लागू की गई है। इस योजना के अन्तर्गत प्रशिक्षण के साथ 15000 हजार रुपए की किट भी दी जाती है। उन्होंने समाज के लोगों का आह्वान किया कि वह आपस में प्रेम और सोहार्द के साथ संगठित रहे और आपसी भाईचारा मजबूत करें। अपने बच्चों को बेहतर संस्कार प्रदान करें ताकि उनका समाज से मोह भंग ना हो।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती मधु शर्मा ने कहा कि महासभा ने महिलाओं को जो सम्मान दिया है। उसके लिए प्रधान रामपाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि जो समाज नारी का सम्मान नहीं करता है वह समाज आगे नहीं बढ़ता है। उन्होंने कहा एक दो प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षों की नियुक्ति विवाद के कारण मामला लम्बित है। उन्होंने प्रदेश अध्यक्षों से आग्रह किया कि वह त्रैमासिक बैठक का आयोजन करते समय व्रत का ध्यान रखें क्योंकि जयपुर सहित, सोनीपत में अष्टमी का त्योहार था। उन्होंने इस प्रस्ताव का भी समर्थन किया कि चुनाव लडने के लिए 1100 या 2100 रुपए का सदस्य होना उचित है। उन्होंने अपने बच्चों को भी उचित संस्कार प्रदान करने की भी वकालत की और महिलाओं को त्रैमासिक बैठको में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का सुझाव भी दिया।

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा ने प्रदेश सभा की तरफ से आगुंतक मेहमानों का स्वागत करते हुए कहा कि राजस्थान की इस गौरवमयी धरा को अभिनन्दन करने का अवसर प्रदान किया और राजस्थान का मान और सम्मान रखा। उन्होंने सुझाव दिया कि अगली त्रैमासिक बैठक में समाज के बहुआयामी विकास के लिए नया ऐजैण्डा लेकर आएं। उन्होंने 500 रुपए वाले सदस्य को चुनाव लडने के अनुमति देने की भी मांग की, जिसको बाद में सदन में सर्वसम्मति से 2100 रुपए करने पर सहमति बनी और 1600 रुपए महासभा में सदस्य बनने की अंतिम तारीख से पहले जमा करवाने पर वह व्यक्ति चुनाव लड़ सकता है । उन्होंने सुझाव दिया कि चुनाव लडने वाले उम्मीदवार का त्याग पत्र पहले स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। जिसे सदन ने महासभा की कार्य शैली पर लगने वाले विभिन्न आरोपों के मध्य नजर सर्वसम्मति से अस्वीकार कर दिया।

सीकर में 23 जून को आयोजित, महासभा की 8वीं त्रैमासिक बैठक का श्रीगणेश करने से पहले भगवान विश्वकर्मा जी की खड़े होकर आरती और पूजा करते हुए।

मध्य प्रदेश के प्रदेशाध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला ने महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण कुमार शर्मा को मध्य प्रदेश सभा की तरफ से आश्वासन दिया कि एक महीने में मतदाता सूची को अपडेट करके वापिस महासभा को भेज दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि 9 जून को प्रदेश सभा द्वारा एक क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया था और इस समारोह में लगभग 500 लोगों को सम्मानित किया गया था। उन्होंने कहा कि मैं चुनाव निर्देशिका का समर्थन करता हूं। मध्य प्रदेश के अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला ने कहा कि 500 रुपए वाला सदस्य चुनाव नहीं लड़ सकता है । इस पर महामंत्री सांवरमल जांगिड ने सुझाव दिया कि कान इधर से पकड़ो या उघर से बात वही है। इसलिए 1600 रुपए सदस्य बनने की अंतिम तारीख से पहले जमा करवा दें तो चुनाव लडने वाले के लिए यही बेहतर विकल्प होगा।

हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष खुशी राम जांगिड ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 500 रुपए

वाले सदस्य को भी वोट देने का अधिकार होना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि चुनाव लड़ने वाले को तत्काल 1600 रुपए जमा करवा कर पत्रिका का सदस्य बनाया जाए, क्योंकि उसके लिए 2 महीने पहले महासभा का सदस्य बनना जरूरी है और अगर किसी तीसरे व्यक्ति पर सहमति बनती है तो उसको तत्काल 1600 रुपए जमा करवाने की अनुमति दी जाए। उन्होंने कहा कि सांसद और विधायक चुनाव जीतने के एक महीने बाद तक त्याग पत्र देता है उसने हरियाणा प्रदेश सभा की तरफ से सुझाव दिया कि त्याग पत्र तो लिया जाए, लेकिन स्वीकार चुनाव जीतने के बाद ही स्वीकार किया जाए। उन्होंने रहस्योद्घाटन किया कि हरियाणा में अगस्त में सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें 10-12 वीं कक्षा में 90 प्रतिशत अंक और एम बी बी एस तथा आई आई टी में दाखिला लेने वाले समाज के बच्चों को सम्मानित किया जाएगा।

महासभा के पूर्व प्रधान रविशंकर शर्मा ने कहा कि महासभा द्वारा जो 200 रुपए दिए जाने का निर्णय लिया गया है उसका कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने मुख्य चुनाव अधिकारी से आग्रह किया और सुझाव भी दिया कि महासभा के प्रधान के चुनाव अलग अलग चरणों में करवाया जाए ताकि पूरा समय मिल जाए और उन मतपेटियों को सील लगाकर रखा जाए। उन्होंने प्रधान रामपाल शर्मा जी से आग्रह किया कि महासभा के मुण्डका भवन को शीघ्र ही अगली त्रैमासिक बैठक से पहले समाज को समर्पित कर दिया जाए और इसका उद्घाटन किया जाए। उन्होंने कहा कि आज समाज हमें अपनी आंखों पर बिठाया है और सम्मान देता है तो हमारा भी दायित्व है कि हम भी उनको पूरा मान सम्मान दे। आपको महासभा से जुड़ने से पहले कौन जानता था और महासभा के कारण ही यह समाज एक दूसरे के नजदीक आया है और एक दूसरे से जुड़े हैं।

महासभा के वरिष्ठ उप प्रधान जोधपुर के पुखराज जांगिड ने चुनाव लडने के लिए महासभा द्वारा 500 रुपए के स्थान मेरठ मीटिंग में 2100 रुपए किए जाने का निर्णय किया था वह निर्णय स्वागत योग्य है तथा उसे बदलना नही चाहिए । उन्होंने चुनाव में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए चुनाव निर्देशिका में बनाए गए नए नियमों का जोधपुर जिला सभा की तरफ से सहमति व्यक्त की और संविधान में संशोधन इसलिए किया जाता है ताकि छोटी-छोटी बातों के लिए कोर्ट के चक्कर न काटने पड़े।

सीकर जिला सभा के महामंत्री राधेश्याम मांडण ने कहा कि 500 रुपए का सदस्य यदि चुनाव लड़ना चाहता है तो 1600 रुपए फॉर्म भरने से पहले जमा कराए या बाद में जमा कराए इससे क्या फर्क पड़ता है। इसलिए जो पहले से कार्यकारिणी में अनुमोदित हो चुका है वह बिलकुल सही एवं उचित है, जिला सभा, प्रदेशसभा अध्यक्ष के चुनाव में उम्मीदवार के लाखों रुपए खर्च हो जाते हैं। उन्होंने पूरे सदन व कार्यकारिणी से अपील की कि समाज को बार-बार चुनाव से बचाएं व ऐसा कुछ हल निकालें जिससे तीन वर्ष में केवल एक ही चुनाव हो इससे केवल आर्थिक नुकसान बचेगा बल्कि समाज में कटुता पैदा नहीं होगी। उन्होंने सुझाव दिया कि विचारधारा व गुटबाजी को छोड़कर अपनी ऊर्जा का उपयोग समाज के हित और कल्याण के कार्यों में उपयोग करें। उन्होंने सीकर जिला सभा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पधारकर अनुशासित रूप से आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने के लिये जिला सभा की और से सभी अतिथियों व स्थानीय समाज बन्धुओं का हृदय से आभार व्यक्त किया।

गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश शर्मा ने कहा कि प्रदेश सभा द्वारा महासभा को भवन निर्माण के

लिए लगभग 39 लाख रुपए की राशि दी जा चुकी है और इसके अतिरिक्त 1300 सदस्य महासभा के साथ जोड़ने का काम किया है और इसके लिए लगभग 7 लाख रुपए महासभा में जमा करवाए जा चुके हैं और गुजरात से आज तक 10 प्लेटिनम सदस्य बनाए गए हैं और पिछले लगभग ढाई वर्ष में प्रदेश सभा गुजरात द्वारा लगभग 55 लाख रुपए प्रदेश सभा द्वारा महासभा के खाते में जमा करवाए जा चुके हैं।

तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष सियाराम जांगिड ने जहां बेहतर व्यवस्था के लिए जहां सीकर जिला सभा का आभार व्यक्त किया वही दिल्ली के बांकनेर स्कूल को आर्थिक मदद देने के बारे में आश्वासन दिया कि प्रदेश सभा की तरफ से पूरी मदद की जायेगी और इसके अतिरिक्त आन्ध्र प्रदेश से भी शीघ्र ही एक नया प्रदेश अध्यक्ष बनाकर भेजा जाएगा।

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष धर्मपाल शर्मा ने कहा कि सतीमठ में 20 कमरे छात्रावास के लिए आगामी 4-5 महीनों में तैयार हो जाएंगे और इनका उपयोग समाज के होनहार छात्र युवा जो आई ए एस,आई पी एस,एम बी बी एस की तैयारी कर रहे हैं द्वारा किया जायेगा। इसमें नया बिजली मीटर महासभा के नाम से लगाया जा रहा है। उन्होंने प्रधान रामपाल शर्मा से अनुरोध किया कि बांकनेर के स्कूल जो बंद होने के कगार पर है उसको बचाने के लिए स्थानीय लोगों से बात करके इसकी दुर्दशा को सुधारने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

गोवा के प्रदेश अध्यक्ष भंवर लाल सुथार ने कहा कि वह बांकनेर स्कूल के बारे में इसके चेयरमैन सुरेन्द्र वत्स द्वारा उठाए गए ज्वलंत मुद्दे का समर्थन करता हूं और इस मामले में सभी को समर्थन देना चाहिए ताकि शिक्षा के मन्दिर को गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने में सक्षम बनाया जा सके।

महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष नानूराम जांगिड ने प्रधान रामपाल शर्मा के आदेश पर महासभा को मुण्डका भवन निर्माण के लिए 4 लाख रुपए देने की तथा महासभा का प्लैटिनम सदस्य बनने की घोषणा की और इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र में समाज के लिए बेहतर कार्य करने के लिए प्रदेश सभा को भी 51 लाख रुपए देने की घोषणा पहले ही की हुई है। उन्होंने सुझाव दिया कि महासभा की आगामी त्रैमासिक बैठक में समाज की भलाई के मुद्दों पर विचार विमर्श होना चाहिए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में समाज के जिन बच्चों ने 10-12 कक्षाओं में 85 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं उन सभी का सम्मान करते हुए उन्हें 1100-1100 रुपए प्रदान किए गए और इसके अतिरिक्त विधवा महिलाओं और जिसके परिवार में कोई भी कमाने वाला नहीं है उस परिवार को प्रदेश सभा द्वारा 11 हजार रुपए महीना देने का फैसला यवतमाल में हुई प्रदेश सभा की बैठक में लिया गया था और अब यह पैसे ऐसे परिवारों को देने भी शुरू कर दिए गए हैं।

कर्नाटक के प्रदेश अध्यक्ष जगत राम भदरेचा ने कहा कि समाज के उत्थान के लिए आज के इस युग में राजनीति जरूरी है और राजस्थान विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष और राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त रामगोपाल सुथार से इसका हुनर खीखना चाहिए और उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक पद की गरिमा का ध्यान रखते हुए उसका सम्मान किया जाना चाहिए।

पंजाब प्रदेश के अध्यक्ष गिरवर जांगिड ने सुझाव दिया कि समाज और राष्ट्र का पैसा बचाने के लिए सर्वसम्मति से चुनाव करवाने को अधिमान दिया जाना चाहिए। क्योंकि आज कल चुनाव इतना आसान नहीं है

इसमें लाखों रुपए खर्च हो जाते हैं और चुनाव सर्वसम्मति से करवाए जाने चाहिए। उन्होंने महासभा के प्रधान का आगामी चुनाव भी सर्वानुमति से करवाया जाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इस पैसे का सदुपयोग समाज कल्याण के कार्यो के लिए किया जा सकता है।

इस अवसर पर अतिथियों का सम्मान सीकर जिला अध्यक्ष हरिनारायण जांगिड, विश्वकर्मा कल्याण समिति सीकर के अध्यक्ष बनवारी लाल खंडेलसर और शंकरलाल लदोया द्वारा उन्हें साफा पहनाकर और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। सीकर जिला सभा और विश्वकर्मा कल्याण समिति द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस भव्य और गरिमापूर्ण कार्यक्रम की सर्वत्र प्रशंसा हो रही है।

मंच का बेहतरीन ढंग से संचालन, महामंत्री सांवरमल जांगिड, कोर कमेटी के सदस्य सुरेन्द्र वत्स और सीकर जिला सभा के महामंत्री राधेश्याम मांडण ने किया और समारोह की क्रमबद्धता को निरन्तर बनाए रखते हुए इसकी गरिमा को चार चांद लगा दिए।

चेयरमैन लीलूराम जांगिड, अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष, अमरा राम जांगिड, महासभा के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राहुल शर्मा, महासभा के मिशन डेढ़ लाख सदस्य के प्रभारी रामजी लाल जांगिड, मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण शर्मा, पूर्व मुख्य चुनाव अधिकारी देवमणि शर्मा एवं पंजाब, हरियाणा, उतरप्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, गोवा, कर्नाटका, महराष्ट्र, तेलंगाना एवं दिल्ली प्रदेशाध्यक्ष तथा कोर कमेटी सदस्य मदन लाल जांगिड दिल्ली, बाबूलाल शर्मा गांधीनगर, विद्यासागर जांगिड, कार्यकारी प्रधान गजानंद शर्मा, महासचिव कैलाश शर्मा सालीवाले, प्रदेश उपाध्यक्ष सांवरमल लदोया, जिलासभा सीकर अध्यक्ष हरिनारायण जांगिड, कार्यकारी जिला अध्यक्ष बाबूलाल जांगिड़, महामंत्री राधेश्याम मांडण, श्री विश्वकर्मा कल्याण समिति सीकर के अध्यक्ष बनवारी लाल खण्डेलसर, जगदीश प्रसाद जांगिड़, लालचंद जांगिड सबलपुरा, जांगिड़ छात्रावास के पूर्व अध्यक्ष गंगाधर गोडिया, भंवरलाल चोयल, भंवरलाल सुटोट, विश्वनाथ पनलावा, रामकृपाल जांगिड, शिवदयाल भादवासी, मनोहर लाल लदोया, मखनलाल कोटडी, किशन लाल जांगिड़, नंदलाल जांगिड, हरिराम सनवाली हरिकिशन पिलानी, जिला सभा चूरू के अध्यक्ष नीरज रोलीवाल, भंवरलाल जांगिड, जांगिड विकास समिति झुंझुनू के अध्यक्ष जयराज बरनेला, जगदीश प्रसाद बड़ागांव, सुभाष चंद्र परसरामपुरा, बजरंग लाल बसावा, बद्री प्रसाद BDO, गोपी राम जांगिड लालासी, महासभा कोर कमेटी के सदस्य गुड़गांव के लक्ष्मी नारायण शर्मा, कानूनी सलाहकार समिति के सदस्य एम एल जांगिड, सीता राम बरवाडीया, महासभा संरक्षक सोहन लाल शर्मा, समालखा के राजेन्द्र शर्मा, महाराष्ट्र के पूर्व अध्यक्ष रोहिताश जांगिड, मध्य प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष प्रभु दयाल दहमण, मध्य प्रदेश विश्वकर्मा कल्याण बोर्ड के सदस्य राजेश शर्मा, व चूरू से सीता राम जांगिड, कर्नाटक के पूर्व अध्यक्ष गिरधारी लाल जांगिड, अहमदाबाद के महावीर जांगिड, गुजरात से देवकरण, कोर कमेटी उच्च स्तरीय समिति और अनेक जिला अध्यक्ष, तहसील अध्यक्ष और कार्यकारिणी के सदस्यों सहित सहित भारी संख्या में मातृशक्ति और युवा तथा स्कूली बच्चे उपस्थित थे।

महामंत्री सीकर जिला सभा, राधेश्याम मांडण
और सम्पादक रामभगत शर्मा।

सरकार द्वारा पुरस्कृत एवं सम्मानित व्यक्तित्व.. युवाओं के प्रेरणा स्रोत....महासभा के विशाल नभ मे देदीप्यमान सितारे के रूप में सुशोभित...जांगिड ब्राह्मण समाज के गौरव...

मध्य प्रदेश के अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला को सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष का पुरस्कार

जो व्यक्ति अपने निजि हितों का परित्याग करके नि:स्वार्थ भाव से समाज सेवा कार्य करता है ऐसे महानुभाव के समाज सेवा रुपी यज्ञ को शिरोधार्य करते हुए, समाज के प्रति समर्पित और शालीनता तथा विनम्रता की प्रतिमूर्ति, मध्य प्रदेश के अध्यक्ष प्रभुदयाल बरनेला को 23 जून को सीकर में महासभा की कार्यकारिणी की आठवीं बैठक में वर्ष 2023 के लिए सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष का पुरस्कार, अभिनंदन सह प्रशस्ति पत्र एंव उत्कृष्ट प्रदेश सभा अवार्ड प्रदान किया गया।

राजस्थान के विकास और स्वशासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा, मध्यप्रदेश के अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला को उनके समाज के प्रति अनन्य योगदान को देखते हुए महासभा की तरफ से उत्कृष्ट प्रदेश सभा अवार्ड देकर सम्मानित करते हुए

यह पुरस्कार प्रभु दयाल बरनेला (जांगिड) को राजस्थान प्रदेश के नगर विकास और स्वशासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा, महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और श्री विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार तथा महामंत्री सांवरमल जांगिड द्वारा संयुक्त रूप से दिया गया। इससे पहले महासभा द्वारा यह पुरस्कार राजस्थान प्रदेश के तत्कालीन अध्यक्ष संजय हर्षवाल को दिया गया था।

'समाज सेवा ही सबसे बड़ा यज्ञ है' की भावना को शिरोधार्य करते हुए समाज में विशिष्ट मुकाम हासिल करने वाले कर्मशील एवं सेवाभावी व्यक्तित्व के धनी, मृदुभाषी और शालीनता की प्रतिमूर्ति मिलनसार, परोपकारी, उत्कृष्ट एवं वरिष्ठ समाजसेवी प्रभु दयाल बरनेला को समाज के प्रति समर्पण और अनवरत सेवा को ध्यान में रखते हुए यह पुरस्कार दिया गया है। प्रभु दयाल बरनेला की जन्मभूमि ग्राम दुधवा जिला सीकर जिले में सुवालाल जांगिड के धर पैदा हुए और इन्होने अपनी कर्मभूमि इन्दौर मध्य प्रदेश को बनाया है। यहां साधारण परिवार में जन्मे एक 'बिरले व्यक्तित्व' के धनी हैं।

समाज सेवा के साथ ही अपने व्यवसाय को भी ऊंचाइयों तक पहुंचाया है और वर्तमान में आपके द्वारा देवास में, डेल्टा कोच बिल्डर देवास में बस बॉडी के निर्माण का कार्य बड़ी दक्षता और सफलतापूर्वक तरीके से संचालन किया जा रहा है। आपके ज्येष्ठ पुत्र मध्य प्रदेश सरकार में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी है और कनिष्ठ पुत्र उच्च शिक्षित होने के साथ-साथ व्यवसायरत हैं तथा पुत्री अमेरिका में आर्किटेक्ट के कार्य में संलग्न है जो इस बात का द्योतक है कि अपने बच्चों को उच्च शिक्षित और संस्कारी बनाया है।

समाज सेवा में भी प्रभु दयाल बरनेला की अभिरुचि प्रारंभ से ही रही है और इसका यह प्रमाण है कि उन्हें श्री विश्वकर्मा मंदिर दांता के अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया और इसके उपरांत इस क्रम में प्रदेश सभा मध्य प्रदेश के कोषाध्यक्ष पद पर मनोनीत हुए और श्रेष्ठ से श्रेष्ठतम कार्य किया, जिसके कारण लगातार दूसरी बार प्रदेश सभा मध्य प्रदेश के निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित हुए जो इनकी लोकप्रियता का प्रमाण है और प्रदेश मे महिला एवं युवा प्रकोष्ठ के गठन के साथ-साथ सभी जिलाध्यक्षों का निर्विरोध निर्वाचन करवाया गया।

महासभा का सन् 2012 में 44वां अधिवेशन इंदौर में तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप शर्मा के नेतृत्व में

इंदौर में आयोजित हुआ जिसमें सक्रिय योगदान रहा। समाजोत्थान के कार्यों में अनवरत रूप से प्रयासरत हैं जो समाज और प्रदेश के लिए सराहनीय एवं अनुकरणीय है। महासभा के प्रति प्रभु दयाल बरनेला का विशेष लगाव है और वह महासभा में प्लेटिनम, गोल्ड, रजत, विशेष सम्पोषक, सम्पोषक तथा संरक्षक जैसे हजारों-हजार सदस्य बनाकर महासभा की सदस्यता विस्तार में अविस्मरणीय एवं अनुकरणीय सहयोग और योगदान दे रहे हैं और उनकी समाज के प्रति यह कर्तव्यपरायणता ही उनकी विशेष पहचान है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा, मध्यप्रदेश के अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला को समाज के प्रति उनकी समर्पण की भावना और योगदान, को देखते हुए महासभा की तरफ से उत्कृष्ट प्रदेश सभा अवार्ड देकर सम्मानित करते हुए।

जांगिड ब्राह्मण समाज के साथ ही इन्होंने पंचायत समिति दांता रामगढ़ जिला सीकर, पंचायत समिति वार्ड नंबर 31 से भारी मतों से निर्वाचित होकर ग्राम विकास में सहयोग देने के साथ ही मध्य प्रदेश की प्रसिद्ध लोहा मंडी इंदौर की व्यापारी एसोसिएशन में सक्रिय भागीदारी निभाकर उसे हिमालय सी ऊंचाइयां प्रदान की है। प्रभु दयाल बरनेला की लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए ही इसी महीने जून में इनको **पिछड़ा वर्ग महापंचायत मध्य प्रदेश की कार्यकारिणी में वरिष्ठ सलाहकार के पद पर मनोनीत किया है। जो इस समाज के लिए गर्व का विषय है।**

बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी प्रभु दयाल बरनेला को सरकार के साक्षरता अभियान में विशेष कार्य योगदान के लिए जिला कलेक्टर इंदौर एवं अयोध्या विवाद पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के आदेश के संदर्भ में पुलिस के साथ कानून व्यवस्था में सहयोग के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय इंदौर द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। 'चरैवेति-चरैवेति' के सिद्धांत का जीवन में पालन करते हुए अविरल, अथक एवं निश्चल सेवा भाव से समाज सेवार्थ आप के योगदान की हम भूरि-भूरि प्रशंसा करते हैं। सेवा का कोई भी कार्य हो आपकी सहभागिता एवं सक्रियता सराहनीय होकर मानव मूल्यों की खातिर सहानुभूति एवं हमदर्दी का आपका कर्तव्य बोध अनुकरणीय है तथा आपका कर्मशील व्यक्तित्व व्यापक एवं दूसरों के लिए प्रेरणादायी है।

महासभा को सशक्त करने, नि:स्वार्थ सेवा और बंधुत्व भाव, समर्पण, सहयोग एवं सक्रिय सहभागिता के कार्यों की सराहना जितनी की जाए वह कम है। मन के आत्मीय भावों स अभिनंदन करते हुए है प्रदेश सभा मध्य प्रदेश को उल्लेखनीय कार्यों के लिए सत्र 2023-24 का 'उत्कृष्ट प्रदेश सभा अवार्ड' सहर्ष प्रदान किया गया है । यह 'अभिनंदन सह प्रशस्ति पत्र' एवं 'उत्कृष्ट प्रदेश सभा अवार्ड' आपको प्रदान करते हुए समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और महामंत्री सांवरमल जांगिड ने प्रभु दयाल बरनेला को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा है कि इनके विस्तृत और दीर्घ अनुभव का लाभ समाज के सभी लोगों को मिलता रहेगा। इसी मनस्कामना के साथ आपको यह सम्मान दिया जा रहा है । भगवान श्री विश्वकर्मा आपको सभी प्रकार से शक्ति संपन्न करें और आपके शतायु एवं स्वस्थ जीवन की मंगल कामना करते हैं ताकि इसी परहित की भावना से समाज की सेवा करते रहें।

महामंत्री महासभा, सांवरमल जांगिड

इन्दौर में 9 जून को जांगिड प्रीमियर क्रिकेट लीग और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

मध्य प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से जांगिड समाज के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से जोड़कर पात्र लोगों को सरकार की क्रांतिकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा ताकि इन योजनाओं का लाभ उठाकर इन लोगों के जीवन स्तर में क्रांतिकारी बदलाव आ सकें।

इन्दौर में एक से आयोजित जांगिड प्रीमियर क्रिकेट लीग में भाग लेने वाले खिलाड़ी और विजेता टीम को ट्राफी प्रदान की गई।

यह उद्‌गार सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि राजेश विश्वकर्मा ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। वह मध्य प्रदेश जांगिड ब्राह्मण प्रदेश सभा द्वारा आयोजित जांगिड क्रिकेट लीग और सम्मान समारोह को 9 जून को सम्बोधित कर रहे थे। इस स्वागत समारोह का आयोजन प्रदेश सभा द्वारा श्री विश्वकर्मा मंदिर पटेल नगर इंदौर में 9 जून को किया गया था। **जांगिड प्रीमियर लीग का आयोजन मध्य प्रदेश के युवा प्रकोष्ठ द्वारा किया गया था और प्रतियोगिता में जांगिड सुपर किंग्स विजेता रही जबकि जांगिड महाराजा फर्स्ट रनर-अप रही। इसके साथ ही बॉलर अनमोल जांगिड मैन आफ द टूर्नामेंट और बैट्समैन राहुल शर्मा मैन आफ टूर्नामेंट तथा हिमांशु शर्मा फाईनल में मैन आफ द मैच चुना गया।**

राजेश विश्वकर्मा ने अपने ओजस्वी भाषण में कहा कि मैं **मध्य प्रदेश में समस्त पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए बड़ी तल्लीनता और तन्मयता पूर्वक तरीके से अहर्निश कार्य कर रहा हूं। मध्य प्रदेश सरकार ने उनको विश्वकर्मा कल्याण बोर्ड का सदस्य मनोनीत कर जो दायित्व सौंपा है उसको पूरा करने का सदैव ही भरसक प्रयास रहेगा ताकि सरकार की समस्त योजनाओं का लाभ समस्त पिछड़े वर्गों के लोगों को मिल सके।** उन्होंने कहा कि वह प्रदेश के प्रत्येक जिले में जाकर सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करके लोगों को जागरूक कर रहे हैं ताकि इन योजनाओं का लाभ पिछड़े वर्गों के अधिक से अधिक लोगों को मिल सके।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि विश्वकर्मा कल्याण बोर्ड का सदस्य नियुक्त होने के बाद आज पहली बार उन्हें अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण प्रदेश सभा मध्य प्रदेश के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रुप में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है और इस सहृदयता के लिए मैं प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला एवं समस्त समाज बंधुओ का हृदय की गहराइयों से बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं।

मध्य प्रदेश सभा के अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला ने अपने उद्‌बोधन में सभी जांगिड प्रीमियर लीग खिलाड़ियों एवं प्रदेश दूर-दराज से पधारे हुए सभी जिला अध्यक्षों एवं समाज बंधुओ मातृशक्ति एवं युवा शक्ति का सम्मान समारोह में पधारने के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से, जहां युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा वहीं समाज की प्रतिभाओं का सम्मान करने से भविष्य में वह

समाज की प्रगति के लिए और अधिक ऊर्जा के साथ अपने दायित्व का निर्वहन कर सकेंगे।

इस कार्यक्रम के संयोजक इंदौर के, प्रदेश सभा के महामंत्री और सम्मान समारोह के संयोजक अनिल शर्मा ने प्रदेश सभा के इस स्तुत्य प्रयास की सराहना की। अनिल शर्मा ने श्री राम मंदिर अहिल्यापुरा के निर्माण के लिए एक लाख 21 हजार रुपए दान स्वरूप देने की घोषणा की और इसका चेक मंदिर अध्यक्ष को प्रदान किया गया और इसके साथ ही बरड़वा उज्जैन के विष्णु शर्मा द्वारा भी श्री विश्वकर्मा मंदिर पटेल नगर को 1 लाख 51 हजार रुपए की राशि मंदिर अध्यक्ष को प्रदान की गई और इससे पहले भी विष्णु शर्मा द्वारा महासभा के भवन निर्माण, मंदिर निर्माण और आर्थिक रूप कमजोर समाज बंधुओं की कई बार मदद की गई है। उपस्थित सभी समाज बंधुओ ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ इन दोनों भामाशाहों का सम्मान किया।

मध्य प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला ने कहा कि इस समारोह में इस बार गर्मी के भीष्ण प्रकोप को देखते हुए पर्यावरण हित के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को एक पेड़ लगाने का संकल्प लेने की अपील की गई और इसके साथ ही समाज में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे लाने के लिए मध्यप्रदेश सभा द्वारा समाज के भामाशाहों को साथ लेकर तन-मन, और धन से सहयोग करने की मनोयोग पूर्ण ढंग से अपील की गई तथा इस आयोजन में विशेष कर महिला शक्ति भारी संख्या में उपस्थित होने पर महिला शक्ति का आभार व्यक्त किया गया।

मध्य प्रदेश सभा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रतनलाल लाडवा ने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस प्रकार से इस समारोह में समाज की एकता और आपसी भाईचारा परिलक्षित हुआ है उसके लिए आप सभी बधाई के पात्र है। उन्होंने आशा और विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि उम्मीद है कि भविष्य में भी सभी समाज बंधुओं का इसी प्रकार निरन्तर सहयोग मिलता रहेगा।

इस सम्मान समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि, मध्य प्रदेश के समस्त जिला अध्यक्षों, वरिष्ठजनो, मातृशक्ति के साथ-साथ समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों को मोतियों की माला और शाल ओढ़ाकर स्वागत किया गया इसके साथ ही पंडाल में उपस्थित सभी समाज बंधुओं को मोतियों की माला पहनाकर उनका भी भव्य तरीके से मान सम्मान किया गया।

इस अवसर पर समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, मध्य प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष गीता शर्मा, महामंत्री रीटा शर्मा, प्रदेश के जिला अध्यक्ष महावीर प्रसाद शर्मा भोपाल, मुकेश शर्मा धार, भारत खंडेलवाल देवास, रामस्वरूप विश्वकर्मा हरदा, मिश्रीलाल विश्वकर्मा सीहोर सुभाष शर्मा उज्जैन, वीरेंद्र शर्मा इंदौर, त्रिलोक विश्वकर्मा शाजापुर, दीनदयाल जांगिड़ के प्रतिनिधि गिरधारी लाल जांगिड़ खरगोन, दिनेश जांगिड़ बड़वानी, भारतीय जनता पार्टी विधानसभा एक के मंडल अध्यक्ष कपिल शर्मा, पूर्व महामंत्री राजु रावत, पूर्व जिला अध्यक्ष इंदौर के मातादीन बरनेला और ललित बिराणिया, महासभा के उपप्रधान छगनलाल जोपिंग हाटपिपल्या, लव कुश मंडल विधानसभा एक मंडल अध्यक्ष संगीता कश्यप, वरिष्ठ समाजसेवी बालू राम शर्मा, जी एन टी, राजेंद्र बिछायति अध्यक्ष श्री राम मंदिर अहिल्यापुरा, युवा प्रकोष्ठ मध्यप्रदेश के पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र आसलिया एवं भारी संख्या में समाज बंधु एवं मातृशक्ति उपस्थित थीं।

स्वादिष्ट भोजन प्रसादी की बेहतरीन भव्य और सुंदर व्यवस्था प्रदेश सभा के महामंत्री अनिल शर्मा द्वारा की गई थी।

प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला

जिला सभा शाहपुरा का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

राजस्थान प्रदेश के अध्यक्ष घनश्याम शर्मा पंवार ने युवाओं का आह्वान किया कि आज के इस आधुनिक युग में जहां नई टैक्नोलॉजी और डिजिटल युग का सूत्रपात हुआ है और इन सभी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए ही प्रतिस्पर्धा के इस युग में अपना कैरियर भविष्य बनाने पर ध्यान दें और उन्होंने सुझाव दिया कि कैरियर और राजनीति साथ-साथ नहीं चल सकते हैं और यह निर्णय युवाओं को अपने विवेक से लेना होगा किसी के दबाव में आकर नहीं।

जिलासभा शाहपुरा का शपथ ग्रहण समारोह

प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा पंवार ने यह उदगार जिला सभा शाहपुरा द्वारा आयोजित शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने जिला सभा कार्यकारिणी के सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ भी दिलवाई।

उपस्थित महानूभावों से अनुरोध किया कि आज इस बदलते हुए परिवेश में अपनी बहुओं और लड़कियों के साथ समान व्यवहार करें और उनमें कोई भी किसी भी प्रकार का भेदभाव न करें, क्योंकि आज समय परिवर्तन शील है और हम किसी से जो अपेक्षाएं रखते हैं। वह भी हमारे से वही अपेक्षा रखते हैं और इन सभी विकल्पों पर विचार करते हुए बहु और बेटी को समानता का दर्जा देने के साथ ही उनको बेहतर संस्कार भी प्रदान करें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ ही आपसी सांमजस्य बनाए रखते हुए समाज के संगठन को मजबूत करने की दिशा में स्तुत्य प्रयास करें।

प्रदेश सभा के पूर्व अध्यक्ष संजय हर्षवाल ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि समाज की प्रगति और विकास का मूल मंत्र समझाते हुए कहा कि आज का युवा वर्ग में धैर्य और संयम की कमी है और यही कारण है कि आज परिवारों में विघटन हो रहा है और यह सब पाश्चात्य सभ्यता और संस्कृति का दुष्प्रभाव है। उन्होंने सुझाव दिया है अपने माता-पिता और परिवार के विस्तृत अनुभव का लाभ उठाते हुए उनके सुझावों को शिरोधार्य करते हुए जीवन यापन करना चाहिए। क्योंकि माता-पिता कभी भी अपने बच्चों का अहित नहीं चाहते हैं और कई बार युवा अपने परिवार की आर्थिक परिस्थितियों का वास्तविक आकलन किए बिना जल्दबाजी में गलत निर्णय ले बैठते हैं और जिसके लिए बाद में पश्चाताप की अग्नि में जलना पड़ता है। उन्होंने आह्वान किया और सुझाव दिया कि महिलाओं और युवाओं को समाज के विकास में बुजुर्गों के विस्तृत अनुभव का उपयोग करते हुए आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए।

प्रदेश सभा के कार्यकारी अध्यक्ष गजानंद जांगिड ने कहा कि समाज के विकास की परिकल्पना को

मूर्त रूप देने के लिए सभी को एकजुट होकर प्रयास करने होंगे तभी सार्थक परिणाम सामने आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संजय हर्षवाल की कार्यकारिणी ने समाज के युवाओं और महिलाओं तथा गरीबों के लिए जिन योजनाओं का श्रीगणेश किया था उनको पूरी निष्ठापूर्वक लागू करते हुए समाज को आगे बढ़ाने का काम किया जायेगा।

कार्यक्रम के स्वागत अध्यक्ष जिला अध्यक्ष मिठु लाल जांगिड ने भी समाज में आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आज केवल वही समाज प्रगति कर सकता है जो संगठन की एकता के बल पर राजनीति में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर लेता है।

इस आयोजन में जिला समिति कार्यकारिणी के सदस्यों तथा विभिन्न तहसीलों में तहसील अध्यक्ष नियुक्त किए गए तथा उन सभी को भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। प्रोफेसर डॉ. रेनू जांगिड़ ने महिलाओं ने समाज बंधुओ और युवाओं का आह्वान किया कि जीवन में सफलता हासिल करने का एक मात्र उपाय है अपने बच्चों को उच्चतर शिक्षा दिलवाना क्योंकि प्रगति के रास्ते शिक्षा के माध्यम से ही आगे निकलते हैं। उन्होंने कहा कि समाज में लड़कियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए और मुझे खुशी है कि आज समाज में चेतना आई है और अभी हिल ही में जो राजस्थान प्रदेश में बोर्ड की 12वीं और 10वीं कक्षाओं के परिणाम आए हैं उनमें लड़कियों ने बाजी मारी है। उन्होंने समाज एवं परिवार के सर्वांगीण विकास के बिन्दुओं पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला और आवश्यक बिंदुओं को विस्तार से समझाया।

इस कार्यक्रम की शोभा द्विगुणित करने वालों में महासभा के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राहुल शर्मा, मुख्य चुनाव प्रभारी राजस्थान, बसन्त गैपाल शर्मा, महासभा के मिशन डेढ़ लाख सदस्य के राष्ट्रीय प्रभारी, रामजीलाल जांगिड, कार्यकारी अभियंता मनोहर जांगिड, योगेश कड़वानिया, जयपुर से सचिन हर्षवाल, महासभा के उप प्रधान, सोहनलाल जांगिड, पूर्व जिला अध्यक्ष नागौर, डॉ. रेणु जांगिड प्रोफेसर राजकीय महाविद्यालय अजमेर, संपादक दीप विश्वकर्मा हरिराम जांगिड, जिला अध्यक्ष केकड़ी दुर्गा लाल आमेरिया, जिला अध्यक्ष ब्यावर ब्रह्मदेव शर्मा, जांगिड़ समाज विजयनगर के अध्यक्ष रामलाल कुलरिया, प्रदेश संगठन मंत्री राजेश आसलिया, जिला कोषाध्यक्ष ब्यावर सुनील मांकड़, प्रदेश उपाध्यक्ष कमल गोठडीवाल और मोहन लदोया, छात्रावास समिति भीलवाड़ा के अध्यक्ष जयकिशन जांगिड, कैलाश फुलिया कलां प्रदेश उपाध्यक्ष, विष्णु प्रकाश असालिया पूर्व शाखा सभा अध्यक्ष विजयनगर, ओम प्रकाश पालडिया प्रदेश उपाध्यक्ष, समाज सेवी कैलाश जांगिड, प्रदेश संगठन मंत्री दिनेश सुथार और परमेश्वर कींजा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कार्यक्रम का मंच संचालन धर्मवीर बाँस तथा शाहपुरा के अरविंद जांगिड ने किया और शाहपुरा के जिला अध्यक्ष मिट्ठू लाल जांगिड ने सभी का आभार व्यक्त किया करते हुए प्रदेश के कौने कौने से आए गणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त करते हुए उन को सम्मानित भी किया और कार्यकारिणी के सभी सदस्यों को समाज हित में कार्य करने के संकल्प के साथ आगे बढ़ने का आह्वान भी किया।

घनश्याम शर्मा पंवार, प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान।

श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति का शपथ ग्रहण समारोह 19 मई को आयोजित।

जांगिड और सुथार समाज की प्रगति का मूलाधार है शिक्षा क्योंकि शिक्षा, ही एक मात्र ऐसा साधन है जो प्रतिस्पर्धा के इस डिजिटल युग में एक क्रांतिकारी कदम साबित हो सकती है और शिक्षा के क्षेत्र में गरीब और प्रतिभावान बच्चों की समाज द्वारा मिलकर सहायता करने की महत्ती आवश्यकता है ताकि यह समाज प्रगति और उन्नति और विकास के मामले में अग्रसर हो सके।

श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति का शपथ ग्रहण समारोह

यह उदगार 19 मई को श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति मानसरोवर जयपुर की नवगठित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि राजस्थान प्रदेश सभा के अध्यक्ष घनश्याम शर्मा ने व्यक्त किए।

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सभा द्वारा पिछले महीने 5 मई को ही इसकी कार्यकारिणी द्वारा शपथ ग्रहण की गई है और मैं विश्वास दिलाता हूं कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संजय हर्षवाल द्वारा समाज के गरीब और प्रतिभावान बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए जो भी योजनाएं समाज हित को ध्यान में रखते हुए लागू की गई थी, उन सभी योजनाओं को न केवल प्रभावशाली ढंग से लागू किया जायेगा अपितु उनको और अधिक सशक्त और जन लोकप्रिय भी बनाया जाएगा ताकि समाज के अधिक से अधिक बच्चों को इस योजना का भरपूर लाभ मिल सके। उन्होंने उपाध्यक्ष पद की शपथ दिलवाई।

राजस्थान प्रदेश सभा के पूर्व अध्यक्ष संजय हर्षवाल ने संगठन मंत्री को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाते हुए कहा कि श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति समाज के कर्मचारियों के कल्याण के लिए पूर्ण रूप से समर्पित है और समाज के जिन कर्मचारियों के साथ अन्याय होता है, उनको न्याय दिलवाने के साथ ही यह समिति समाज के कर्मचारियों के हितों को सुरक्षित रखने के लिए भी पिछले अनेक वर्षो से अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है और मुझे आशा है कि इसके नव निर्वाचित अध्यक्ष बृज किशोर शर्मा के मार्ग दर्शन में यह समिति समाज सेवा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करेगी। मैं इस समिति के कार्यकाल की सफलता के लिए अग्रिम बधाई देता हूं।

पूर्व अध्यक्ष संजय हर्षवाल द्वारा कहा कि समाज द्वारा सरकार से कॉलेज एवं अन्य शिक्षण संस्थानों के लिए ली जाने वाली जमीन के लिए अधिक से अधिक दानराशि प्रदेश सभा राजस्थान को देने की अपील की गई और इसके साथ ही समिति को अपनी तरफ से एक माईक सैट भी दान में देने की घोषणा की और इसके साथ ही कर्मचारी समिति के परिसर में छात्रों के लिए ऊपर वाली मंजिल पर चार कमरों का निर्माण करने का बहूमूल्य सुझाव भी दिया।

इस समारोह की अध्यक्षता करते हुए, समिति के संस्थापक अध्यक्ष सूरज मल केडवाल ने संयुक्त मंत्री

पद के सदस्यों को शपथ दिलाई और कहा कि उन्हें आज इस बात की सबसे बड़ी खुशी है कि जो श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति नामक जो पौधा लगाया था, आज वह एक वटवृक्ष का रुप धारण कर चुका है और इस सफर में जिन समाज के कर्मचारियों ने साथ दिया और आगे बढ़ाने में मदद की उन सभी का मैं इस मंच से हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि मैं अपने अनुभव के आधार पर यह स्पष्ट रूप से कह सकता हूं कि सभी को सभी प्रकार से खुश तो नहीं रखा जा सकता है लेकिन एक बात अवश्य है कि अपने सामर्थ्य के अनुसार समाज के उन कर्मचारियों की तथा मदद करने का प्रयास किया गया ताकि उसकी वेदना को कुछ हद तक कम किया जा सके। उन्होंने समिति के संविधान के अनुसार एवं आम सभा द्वारा लिए गए निर्णयों का उचित ढंग से पालन करते हुए कार्यकारिणी के सदस्यों को उसके अनुसार कार्य करना चाहिए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि संविधान में ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए कि कोई भी अध्यक्ष अपनी मनमानी नहीं अपितु कर सके।

समिति के अध्यक्ष बृज किशोर शर्मा, उपाध्यक्ष त्रिलोक चन्द शर्मा, संयुक्त मंत्री प्रेमनारायण शर्मा एवं संगठन मंत्री सचिदानन्द हर्षवाल के साथ सभी मुख्य अतिथियों एवं जयपुर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के करीब 22 अध्यक्षों और महामंत्री सहित सभी को दुपट्टा पहनाकर और स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया गया और इसके अतिरिक्त कर्मचारी समिति के कर्मठ कार्यकर्ता ओम प्रकाश मोरीवाल, कैलाश दायमा, छीतरमल सिराठियों तथा प्रवीण जिठावा को भी इस अवसर पर सम्मानित किया।

राजस्थान के चुनाव अधिकारी आर डी शर्मा ने समिति के कार्यकारिणी के सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई और सुझाव दिया कि समिति में महिलाओ को उचित प्रतिनिधित्व देते हुए उन्हें आगे लाने का प्रयास किया जाना चाहिए और इसके साथ ही विशेष रूप से आज के इस आधुनिक युग में लडकियों की शिक्षा पर भी समाज की सभी संस्थाओं द्वारा स्तुत्य प्रयास करने पर विशेष रूप से बल दिया ।

इस समारोह में कोषाध्यक्ष कैलाश पंवार, उपाध्यक्ष त्रिलोक चन्द एवं सुधीर डेरोलिया संयुक्त मंत्री प्रेमनारायण शर्मा, युवा संगठन मंत्री मुकेश कुमार जांगिड एवं वयोवृद्ध कार्यकर्ता डाल चन्द धामा ने भी समारोह को सफल बनानें में अपनाअतिथि अमूल्य योगदान देकर समिति को गौरवान्वित किया । विशिष्ट अतिथि पश्चिम बंगाल के पूर्व अध्यक्ष सुशील कुमार शर्मा ने प्रचार मंत्री पद की शपथ दिलवाई।

समिति के महामंत्री प्रशांत शर्मा ने समारोह को सम्बोधित करते हुए सभी आगंतुक मेहमानों का हृदय की गहराइयों से हार्दिक आभार व्यक्त किया और आश्वासन दिलाया की यह समिति जनभावनाओं के अनुसार कार्य करते हुए सभी के सहयोग से कर्मचारियों के कल्याण के लिए सदैव ही तत्पर रहेंगी।

मंच का संचालन बेहतरीन और बड़े ही मनोयोग पूर्वक तरीके से केन्द्रीय विद्यालय से सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य एवं उपाध्यक्ष आर पी शर्मा ने किया। रामनिवास जांगिड ने सभी आगंतुक मेहमानों का हृदय से आभार व्यक्त किया। **अध्यक्ष विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति, बृज किशोर शर्मा, जयपुर।**

गांव पेटवाड़ जिला हिसार के विवेक जांगिड भारतीय सेना मे लेफ्टिनेंट बने।

जीवन में सफलता का एक ही मूल मंत्र और सिद्धांत है कि जो साधक अपना लक्ष्य निर्धारित करके उसे हासिल करने के लिए रास्ते में आने वाली सभी कठिनाइयों का दृढ़ता पूर्वक सामना करते हुए अपने गंतव्य की और निरन्तर अग्रसर रहता है और आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ परिश्रम करता है तो वह अपने गंतव्य को हासिल करके सफलता की नई इबारत अवश्य ही लिखता है और ऐसा ही चमत्कार किया है, गांव पेटवाड़ जिला हिसार के रहने वाले और एक ग्रामीण पृष्ठभूमि में पैदा हुए विवेक जांगिड ने, जिसने भारतीय सेना में लैफ्टीनैन्ट बनकर न केवल अपने माता–पिता अपितु गांव, समाज और देश का नाम भी गौरवान्वित किया है।

विवेक जांगिड भारतीय सेना में लैफ्टीनैन्ट बनने के उपरांत अपने परिवार के सदस्यों के साथ

विवेक जांगिड ने बताया कि उनकी ट्रेनिंग ऑफिसर ट्रेनिंग एकेडमी बिहार के गया 8 जून 2024 को ही पूरी हुई है और यहां आयोजित की गई पासिंग आउट परेड में मेरे दादा चंद्र जांगिड और पिता राजकुमार जांगिड और मेरी मां ने मेरा उत्साहवर्धन किया और आशीर्वाद दिया है। अपनी सफलता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यद्यपि मेरा जन्म एक ग्रामीण पृष्ठभूमि में हुआ था और उस समय गांव में पढ़ने की इतनी अधिक सुविधाएं भी नहीं थी। लेकिन मैं जिस समय सेना की ड्रेस पहने हुए किसी नौजवान को देखता था, तो मेरा सीना गर्व से चौड़ा हो जाता था और मैंने भी निश्चय किया कि एक दिन वह सेना भर्ती होकर देश की सीमाओं की रक्षा करेगा और इस दिशा में मैंने प्रयास शुरू कर दिए और मैं एक सिपाही सैनिक के तौर पर सन् 2011 में सेना में भर्ती हो गया।

विवेक जांगिड ने कहा कि भारतीय सेना में कमीशन के माध्यम से लैफ्टीनैन्ट बनने का यह सौभाग्य और उपलब्धि मुझे माता–पिता के आशीर्वाद और भगवान की अनुकम्पा से ही प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि वह सन 2011 में सेना मे एक सैनिक के रूप में भर्ती हुए लेकिन मेरे मन में अधिकारी बनने की टीस मुझे सदैव ही सालती रही और मैंने सैनिक के पद पर कार्य करते हुए खेलों में अपना भाग्य आजमाना शुरू किया और सेना में खेलते हुए अपने पराक्रम और खेल प्रतिभा का परिचय देते हुए, खेलों में अनेक गोल्ड मेडल प्राप्त किए, लेकिन मेरा निशाना तो सेना में लैफ्टीनैन्ट और उच्च अधिकारी बनकर अपने माता–पिता के सपनों को साकार करना था और इस दिशा में निरन्तर प्रयास जारी रहे।

विवेक के पिता राजकुमार जांगिड ने कहा कि जहां चाह है वहां राह है और यह सत्य भी है। और विवेक के बारे में यह उक्ति सत्य सिद्ध और चरितार्थ हुई है। विवेक अक्सर मुझे कहते रहते थे कि पिता जी एक दिन सेना में लैफ्टीनैन्ट बनकर मैं आपको सपनों को पूरा करने का प्रयास करूंगा और मुझे खुशी कि उसने भगवान की अनुकम्पा और कठोर परिश्रम और पुरुषार्थ के माध्यम से अपना वायदा पूरा किया और उसने जो संकल्प लिया था वह 12 साल की तपस्या के बाद पूरा हुआ है।

राजकुमार जांगिड ने कहा कि सेना में लेफ्टिनेंट बनने के लिए ही विवेक ने अपनी ड्यूटी निष्ठा पूर्वक करने के साथ–साथ ही अपनी पढ़ाई भी निरन्तर जारी रखी और परमात्मा ने सेना में लैफ्टीनैन्ट बनने की उनकी यह इच्छा भी पूरी कर दी है। उन्होंने लेफ्टिनेंट के पद लिए निर्धारित परीक्षा पास करके और साक्षात्कार में सफल होने के साथ–साथ सेना मे अधिकारी बन कर, उसने लैफ्टीनैन्ट के रूप में अपनी ट्रेनिंग पूरी करके और 8 जून 2024 को पासिंग आउट परेड के बाद विधिवत रूप से सपनों को साकार करने के साथ ही सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर शामिल हो गया है और पूरे परिवार ने लेफ्टिनेंट विवेक की पास आउट परेड मे शामिल होकर इस खुशी के पल को अपनी आँखों से देख कर जिस असीम आनन्द की अनुभूति हुई है उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है और उसका शब्दों में भी उल्लेख नहीं किया जा सकता है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने विवेक जांगिड के भारतीय सेना में लैफ्टीनैन्ट के पद पर आसीन होने पर बधाई देते हुए कहा कि वह दूसरे युवाओं के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण और मिसाल बन गए हैं, जिन्होंने अपनी ग्रामीण पारिवारिक पृष्ठभूमि से निकल कर अपनी मेहनत और परिश्रम के बल पर अपना रास्ता स्वयं ही तैयार किया और वह आज के युवाओं के लिए एक प्रेरणा भी बन गए हैं कि रास्ता चाहे कितना भी कठिन हो, लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति है और आगे बढ़ने की जिजीविषा है तो उसका रास्ता कोई भी नहीं रोक सकता है।

मास्टर बलजीत जांगिड, कुरुक्षेत्र।

गुजरात प्रदेश सभा की रिपोर्ट

जिला सभा बडौदा का शपथ ग्रहण समारोह....

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, प्रदेश सभा गुजरात के तत्वावधान में गायकवाड़ नगरी बडौदा के प्रांगण में बडौदा जिला अध्यक्ष शंकरलाल एवं 51 सदस्य की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह एवं प्रदेश सभा कि चौथी त्रैमासिक मीटिंग का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ ।

अ.भा.जां.ब्राह्मण महासभा, प्रदेशसभा गुजरात के प्रदेशाध्यक्ष कैलाशचन्द्र जांगिड, पूर्व महासभा प्रधान एंव पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जी.ऐम. जागिड बोरसद, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष द्वारका प्रसाद वापी, सहित उपस्थित महासभा व प्रदेशसभा के पदाधिकारियों एवं समाज के वरिष्ठ महानुभावों की उपस्थित में श्री विश्वकर्मा जी को माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर व आरती करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया ।

सर्वप्रथम कार्यक्रम में उपस्थित सभी मंचासीन अतिथियों व गुजरात एवं दूर-दूर से पधारे गुजरात के समाज बंधुओं का यथा योग्य सम्मान माला एवं स्मृति चिह्न भेंट किया गया। तत्पश्चात् जिलासभा बडौदा के जिला अध्यक्ष व कार्यकारिणी को प्रदेशाध्यक्ष द्वारा पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। सभी उपस्थित महानुभावों ने भी उनको अभिनंदन देते हुए शुभकामनाएँ प्रेषित की। शपथग्रहण के पश्चात प्रदेशसभा की चौथी त्रैमासिक सभा का शुभारम्भ प्रदेशसभा अध्यक्ष कैलाश चंद्र जांगिड की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

त्रैमासिक मीटिंग का एजेंडा अनुरूप संचालन प्रदेश सभा महामंत्री मानाराम सुथार ने उपस्थित जिला अध्यक्षों एवं नवगठित कार्यकरिणी की चौथी त्रैमासिक मिटिंग में पधारे सभी सदस्यो का स्वागत व अभिनन्दन करते हुए निम्नलिखित विषयों पर विचार विमर्श कर सर्वसम्मति से निर्णय लिए गए ।

-बडौदा जिला सभा के महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवी हरीश कुमार जांगिड बडौदा को सर्व सम्मति से नियुक्त किये गये।

बाद महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष सहित 6 महिलाओं की कार्यकारिणी की शपथ ग्रहण करवाया गया ।

-पिछले तीन महीनों में जिन शाखा सभाओं, तहसील सभाओं व जिला सभाओं का गठन प्रदेशसभा द्वारा हुआ उसकी सम्पूर्ण जानकारी उपस्थित सभा को दी गई जिसका सभी ने करतल ध्वनि से अनुमोदन किया।

-गांधीनगर जिला सभा का कार्यकाल पूर्ण होने पर जल्द ही अधिसूचना जारी करने का निर्णय लिया गया ।

-नर्मदा जिला सभा के जिला अध्यक्ष मनोनीत करने का भी विचार विमर्श किया बाद जल्द ही अधिसूचना जारी की जाएगी तथा प्रदेशसभा का लेखा-जोखा व बैंक स्टेटमेंट सभा के सामने सुनाया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन बहुत ही प्रभावशाली तरीके से रामकिशोर जागिड ने संचालन किया । उपस्थित अतिथियों में से सर्व श्री जी.एम.जी जांगिड, कैलाशजी जांगिड सूरत, जठाशंकर दमन एकलिंग सूरत, पोपट भाई डीसा, आदि ने प्रसंगोचित उद्‌बोधन देते हुए समाज को संगठित रहने गुजरात में एक सुसंगठित व मजबूत समाज खड़ा करके बच्चों की उच्च शिक्षा व व्यवसायिक प्रशिक्षण की ओर अग्रसर होने का संदेश दिया, साथ ही महासभा पत्रिका नही मिलने पर चर्चा विमर्श किया, तथा बडौदा जिला सभा जांगिड समाज द्वारा आयोजित सुव्यवस्थित कार्यक्रम की प्रशंसा की।

प्रदेश सभा चौथी त्रैमासिक मीटिंग में उपस्थित रहे संरक्षक, प्रदेश अध्यक्ष, महामन्त्री, कोषाध्यक्ष, चुनाव अधिकारी, उपाध्यक्ष, मंत्री, संगठन मंत्री, प्रचार मंत्री, एवं जिला अध्यक्ष सहित 38 सदस्यों एवं समाज के वरिष्ठ व युवाओं, मातृशक्ति के रुप माताओं की उपस्थित में प्रदेश सभा कार्यकारिणी की चौथी त्रैमासिक मीटिंग समापन्न किया।

धन्यवाद प्रस्ताव में शंकरलाल, मदन लाल और समाज के सभी अग्रणीयो ने आगंतुकों को आभार व्यक्त करते हुए सभी मेहमानों को भोजन के लिए आमंत्रित किया तथा कार्यक्रम के समापन्न किया गया । धन्यवाद

मानाराम सुथार
गुजरात प्रदेश सभा (महामंत्री)

कैलाशचंद्र जांगिड
(प्रदेशाध्यक्ष गुजरात)

दिनेश जांगिड कनिष्ठ कानूनी अधिकारी बने।

इस जीवन में आशातीत सफलता हासिल करने का केवल मात्र एक ही मूल मंत्र है और वह है सत्य निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करते हुए आगे बढ़ना और रास्ते में आने वाली सभी बाधाओं का साहस पूर्वक सामना करते हुए अपने लक्ष्य की और निरन्तर अग्रसर रहना और अपनी सफलता का उल्लेख करते हुए हाल ही में राजस्थान लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित हुए कनिष्ठ कानूनी अधिकारी दिनेश जांगिड ने यह विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मेरे पिता सूरजमल जांगिड का एक ही सपना था कि वह अपने पुत्र को एक सरकारी अधिकारी के रूप में देखना चाहते थे और परमात्मा की अनुकम्पा से आज उनका यह सपना पूरा हो गया है।

दिनेश जांगिड ने कहा कि उनका जन्म ग्राम वाटिका, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर में पिता सूरजमल जांगिड के घर हुआ और मेरी प्रारंभिक शिक्षा गांव के विभिन्न स्कूलों से ही हुई और उसके पश्चात उच्चतर शिक्षा हासिल करने के लिए उन्होंने जयपुर की और रुख किया और जयपुर के एस एस जैन सुबोध कॉलेज से बी कॉम की कक्षा पास की और बी कॉम में बेहतर अंक हासिल किए और पूरे कॉलेज में मैंने थर्ड रैंक हासिल की और इसका परिणाम यह हुआ कि मुझे आगे पढ़ाई करने के लिए काफी प्रोत्साहन मिला और मेरी मनस्कामना थी कि मैं एक अधिवक्ता ऐडवोकेट बन कर जुडिशल सर्विसेस पास करके एक न्यायाधीश बनना चाहता था और इसीलिए मैंने कानून की पढ़ाई करने का लक्ष्य निर्धारित किया और विधि के क्षेत्र में अपना करियर बनाने में रुचि होने के कारण ही बी कॉम पास करते ही एसएस जैन सुबोध लॉ कॉलेज में एल एल बी में एडमिशन ले लिया।

एल एल बी की डिग्री हासिल करने के पश्चात् मैंने वकालत शुरू कर दी और उसके साथ ही राजस्थान न्यायायिक परीक्षा की तैयारी भी शुरू कर दी क्योंकि मेरे पिता का सपना था कि उनका बेटा सरकारी सेवा में जाए इसलिए मैंने पिता सूरजमल जांगिड को निराश नहीं किया और उसके बाद यह निर्णय लिया कि क्यों ना एक बार न्यायिक सेवा और सरकारी सेवा में भाग्य आजमाया जाए। एल एल बी पास करने के उपरांत मैंने स्वास्तिक लॉ एकैडमी जयपुर में कोचिंग लेनी शुरु कर दी और अपना निर्धारित लक्ष्य हासिल करने के लिए अध्ययन प्रारंभ कर दिया।

इस कड़ी में पहली बार सन् 2021 में राजस्थान न्यायिक सेवा की परीक्षा दी और जिसमें प्रारंभिक परीक्षा पास करने के बाद संयोगवश मुख्य परीक्षा पास नहीं हो सकी और इसका सबसे बड़ा नुकसान मुझे यह हुआ कि मेरी हिम्मत और हौसला टूट गया और दुख भी हुआ, लेकिन मैं आभार व्यक्त करता हूं मेरे पिता जी और समस्त परिवार का, जिन्होंने मेरी पीड़ा और वेदना को महसूस करते हुए मेरा ढांढस और एक प्रकार से बहुत अधिक हिम्मत प्रदान की और मेरा निरंतर हौसला और ढांढस बंधाया कि जीवन में मेहनत का कोई भी सानी नहीं है। उन्होंने सभी ने एक स्वर में कहा कि आपका काम है भगवान पर भरोसा और विश्वास रखते हुए प्रयास करना और मैंने एक बार फिर उनके आदेश को शिरोधार्य करते हुए दिल लगाकर अपना अध्ययन शुरू किया और मुझे खुशी है कि हर परिस्थिति मुझे अपने परिवार का साथ मिला और वर्ष 2023 में जिस समय कनिष्ठ कानूनी अधिकारी की वैकेंसी आई तो मुझे उम्मीद हुई कि इस बार सरकारी नौकरी अवश्य ही मिल सकती है क्योंकि मुझे आत्मविश्वास था। फिर मैंने अधिक तल्लीनता से मन लगाकर मेहनत करनी शुरू

कर दी और सभी के सहयोग और प्रोत्साहन के कारण मुझे इस परीक्षा में 47 वीं रैंक हासिल हुई। मैं अपनी सफलता का श्रेय पूरी तरह अपने परिवार को देना चाहता हूं और इसमें भी मेरे पिताजी का योगदान सबसे अधिक रहा है और सच कहूं तो, यह सपना मेरा कभी नहीं था, क्योंकि यह सपना तो मेरे पिता का था और इसी से मुझे ताकत मिली, जिसको मैं पूरा करने में सक्षम हो सका। मैं अपनी सफलता विशेष रूप से अपने माता-पिता को समर्पित करता हूं। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे सभी प्रतियोगियों से कहा कि आप समर्पित भाव से बिना किसी नतीजे की चिंता किए अपने संघर्ष को जारी रखें और विश्वास के साथ आगे बढ़ते रहे, एक न एक दिन सफलता आपके अवश्य ही कदम चूमेगी, क्योंकि रात कितनी भी गहरी और अंधेरी क्यों ना हो वह सवेरा होने से नहीं रोक सकती है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने दिनेश जांगिड को बधाई देते हुए कहा कि जिस प्रकार से पहली बार परीक्षा में असफल होने के बावजूद भी अपने आत्मविश्वास को डगमगाने नहीं दिया और आखिर में सफलता हासिल करके माता पिता और समाज का नाम गौरवान्वित किया है। मैं आपके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

ऐडवोकेट ओमप्रकाश शर्मा जयपुर।

नजफगढ़ की रहने वाली 19 वर्षीय यज्ञा डेरोलिया जांगिड ने अमेरिका में रचा इतिहास।

भगवान किसी को खेल के क्षेत्र में ख्याति प्रदान करता है तो किसी को शिक्षा और किसी को अन्य क्षेत्रों में, लेकिन एक बात तो निश्चित है की सफलता का द्वार कड़ी मेहनत और कठोर परिश्रम से ही हासिल किया जा सकता है और अपनी अभूतपूर्व क्षमता और बुद्धि का उपयोग करते हुए यह सिद्ध करके दिखलाया है, 19 वर्षीय यज्ञा जांगिड ने जिन्होंने 21 मई से 1 जून तक अमेरिका के टैक्सास शहर में अन्तर्राष्ट्रीय पावर लिफ्टिंग फैडरेशन द्वारा आयोजित 2024 वर्ल्ड क्लासिक एण्ड इक्युपड बैंच प्रैस चौंपियनशिप प्रतियोगिता में यज्ञा जांगिड ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर 84 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक हासिल करके न केवल अपने माता-पिता का नाम गौरवान्वित किया है अपितु जांगिड समाज का नाम भी गौरवान्वित किया है। यज्ञा जांगिड ने अपनी प्रतिभा का जोहर दिखलाते हुए 19 वर्ष की अल्पायु में ही यह अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है और इतना ही नहीं पावर लिफ्टिंग बैंच प्रैस में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली प्रदेश की तरफ से सबसे छोटी आयु में यह अनुकरणीय उपलब्धि हासिल करके देश के सामने एक अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता (बैंच प्रैस) जो कि टैक्सास में आयोजित की गई थी उसमें, तीसरा स्थान हासिल करके कांस्य पदक हासिल किया है।

यज्ञा के पिता अनिल डेरोलिया ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में यज्ञा ने केवल

19 साल की उम्र में कांस्य पदक हासिल करके वह दिल्ली प्रदेश की पहली महिला खिलाडी बन गई है। जहां तक यज्ञा की खेल की पारिवारिक पृष्ठभूमि का प्रश्न है इस बारे में उल्लेखनीय है कि इस परिवार की खेलो के प्रति समर्पित भावना और अभिरुचि रही है जिसका उसे भरपूर लाभ भी मिला है। उन्होंने कहा कि वह अपने समय में क्रिकेट के बहुत अच्छे खिलाडी रहे हैं और इन्टर यूनिवर्सिटी तक क्रिकेट खेली है और इतना ही नहीं समकालीन रणजी और टेस्ट प्लेयर के खिलाड़ियों के साथ काफी क्रिकेट खेला है। इतना ही नहीं यज्ञा डेरोलिया के ताऊ विनोद कुमार डेरोलिया भी अपने समय में कॉलेज की हॉकी टीम के एक बेहतरीन खिलाडी रहे हैं।

यज्ञा की माता श्रीमती नीलम डेरोलिया जो धार्मिक विचारों से ओतप्रोत और आध्यात्मिक प्रवृत्ति की धनी हैं, ने कहा कि यज्ञा जांगिड मनोविज्ञान की द्वितीय वर्ष की छात्रा है और जहां तक उसको प्रशिक्षण देकर और पारंगत करने का प्रश्न है, यज्ञा ने पावर लिफ्टिंग का प्रशिक्षण रिंकू एवं साक्षी के मार्गदर्शन में अपनी 11 वीं कक्षा से ही प्रशिक्षण लेना प्रारम्भ कर दिया था और उसी के साकारात्मक परिणाम के रूप में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर इतनी छोटी आयु में कांस्य पदक हासिल किया है और इसके अतिरिक्त पिता अनिल डेरोलिया और ताऊ विनोद कुमार और देवमणि जांगिड एवं प्रमोद कुमार की प्रेरणा से ही आज यह मुकाम और अद्वितीय उपलब्धि हासिल की है और जांगिड समाज को ऐसी होनहार बेटी पर गर्व हैं। उन्होंने कहा कि यज्ञा 3 जून को अमेरिका से मैडल जीतकर लौटी है और समाज के लोगों ने दिल्ली अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर माला पहनाकर स्वागत किया और नजफगढ़ के अन्य समाज के लोगों का भी बधाई देने के लिए ताता लगा हुआ है।

यज्ञा डेरोलिया ने बताया कि अमेरिका के टैक्सास शहर में यह प्रतियोगिता 21 मई से लेकर 1 जून तक आयोजित की गई थी और इस प्रतियोगिता में लगभग 52 देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि मुझे जिस वेट कैटेगरी में कांस्य पदक हासिल हुआ है, उसमें पहला स्थान अमेरिका की खिलाड़ी को और दूसरा स्थान काजिक्सतान की खिलाड़ी को मिला है। उन्होंने इस प्रतियोगिता तक पहुंचाने में अपना अमूल्य योगदान देने वाले प्रशिक्षक रिंकु व साक्षी के साथ माता पिता और शुभचिंतकों का भी आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने अपना आशीर्वाद देकर मेरा हौसला बढ़ाया है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा, दिल्ली प्रदेश सभा के अध्यक्ष धर्मपाल शर्मा और महासचिव देवेन्द्र गौतम, श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज के अध्यक्ष गंगादीन जांगिड और महासचिव देशराज जांगिड, दिल्ली प्रदेश सभा के कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण खण्डेलवाल ने भी यज्ञा डेरोलिया को बधाई देते हुए कहा है कि उन्होंने इतनी कम आयु में यह अनुकरणीय उपलब्धि हासिल करके एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है और उससे स्पष्ट होता है वह भविष्य में बड़ी होकर और अधिक ख्याति हासिल करके देश और समाज का नाम भविष्य में भी गौरवान्वित करेगी। हम यज्ञा डेरोलिया के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करते हैं।

सम्पादक,

रामभगत शर्मा।

जांगिड - सुथार समाज के होनहार छात्र छात्राओं ने 12 वीं कक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करके समाज का नाम गौरवान्वित किया है।

यश जांगिड 98.20%
पुत्र मुकेश कुमार जांगिड

दीक्षा जांगिड 96.20%
पुत्री किशनलाल जांगिड
गांव-रसूलपुर, तह-खेतड़ी

दीविजा जांगिड 95.%
पुत्री देशराज जांगिड,सीदड़
तिगडाना, भिवानी

प्रधान रामपाल शर्मा ने अपनी ओर से तथा महासभा रुपी परिवार की तरफ से होनहार और प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की है।

प्रधान रामपाल शर्मा

धर्मपाल शर्मा को उत्तर प्रदेश सभा का मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है।

उत्तर प्रदेश में, प्रदेशसभा में चुनाव प्रक्रिया को सहज और समुचित ढंग से संचालन करने के लिए डाबका, शाक्यपूरी कंकर खेड़ा जिला मेरठ के धर्मपाल शर्मा को उत्तर प्रदेश का मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। उत्तर प्रदेशसभा के भविष्य में होने वाले सभी चुनाव सबंधित दायित्वों और कार्यो को भली-भांति सपन्न करवाने की जिम्मेदारी मुख्य चुनाव अधिकारी धर्मपाल शर्मा को दी गई है ।

उत्तर प्रदेश सभा के अध्यक्ष कुमार अशोक शर्मा ने कहा कि धर्मपाल शर्मा द्वारा समाजहित में किए गए सामाजिक कार्यो को देखते हुए यह महत्वपूर्ण दायित्व उन्हें सौंपा गया है। मुझे उम्मीद है कि धर्मपाल शर्मा मुख्य चुनाव अधिकारी के इस दायित्व का पूरी निष्ठा और ईमानदारी, और पारदर्शिता के साथ गरिमापूर्ण और निष्पक्ष ढंग से निर्वहन करते हुए निष्पक्ष ढंग से पूरा करते हुए अपने कार्य की अमिट छाप छोड़ने का स्तुत्य प्रयास करेंगे।

उत्तर प्रदेश अध्यक्ष,अशोक कुमार शर्मा।

पूजा जांगिड
सुपुत्री पूनमचन्द जांगिड
रेवाड़ी, GPA 9.60%
486/500, कक्षा 10वीं

जीवन में जब हम अपनी चिंता को आस्था में परिवर्तित कर देते हैं ,
तब ईश्वर भी हमारे संघर्ष को आशीर्वाद में परिवर्तित कर देते हैं...!!!

जांगिड - सुथार समाज के होनहार छात्र छात्राओं ने बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करके समाज का नाम गौरवान्वित किया है।

अजय जांगिड
सुपुत्र घिसूलाल जांगिड
हरनावां पट्टी 99.17%,

दिव्या जांगिड
सुपुत्री श्री कृष्ण जांगिड
बारलाबास, 99.17%

मेघा जांगिड
सुपुत्री शशिभूषण जांगिड
मेहंदवास, 98.67%

डोल्फी जांगिड
सुपुत्री अजय जांगिड
सीकर, 98.33%

प्रिया सुथार
सुपुत्री रामनिवास
चुरू, 98.33%

खुशबू जांगिड
सुपुत्री हंसराज जांगिड
अनूपगढ़, 96.33%

लक्षिता जांगिड
सुपुत्री राकेश जांगिड
अलवर, 96.00%

अंजलि सुथार
सुपुत्री राजेन्द्र सुथार
बालोतरा, 95.50%

युविका जांगिड
सुपुत्री रामकुंवार जांगिड
पीपाड़ शहर, 95.83%

सुखदेव सुथार
सुपुत्र केवलराम सुथार
जोधपुर, 95.67%

रिधिमा जांगिड
सुपुत्री रमेश जोपिंग
पाली, 95.17%

ललिता जांगिड
सुपुत्री श्रवण कुमार पीड़वा
मणिनगर, 94.50%

नंदिनी जांगिड
सुपुत्री विजय जांगिड
बालाजी का नाडा, 94.00%

अपना जांगिड
सुपुत्री हरिनारायण जांगिड
टोंक, 94.17%

यश कुमार जांगिड
सुपुत्र सुरेश कुमार जांगिड
सीकर, 93.67%

दीपिका जांगिड
सुपुत्री रामप्रताप जांगिड
हरनाथपुरा, 93.33%

गौरव जांगिड
सुपुत्र जसराज जांगिड
पाली, 93.33%

हर्षिता जांगिड
सुपुत्री केदारमल जांगिड
जयपुर, 93.50%

इशान जांगिड
सुपुत्र सुनील जांगिड
दौसा, 92.67%

देवराज सुथार
सुपुत्र राधेश्याम सुथार
रामदेवरा, 92.20%

माही जांगिड
सुपुत्री मनोजकुमार जांगिड
मकराना, 91.80%

भव्यता जांगिड
सुपुत्री प्रकाश जांगिड
पाली, 91.40%

मोतीलाल सुथार
सुपुत्र स्वरूपा सुथार
रामदेवरा, 91.20%

मुकुल जांगिड
सुपुत्र प्रेमराज जांगिड
जोहरीपुर, गाo, 90.60%

रानी सुथार
सुपुत्री राहुल सुथार
बीकानेर, 90.33%

प्रधान रामपाल शर्मा ने अपनी ओर से तथा महासभा रुपी परिवार की तरफ से होनहार और प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की है।

प्रधान रामपाल शर्मा

महान समाजसेवी व उद्योगपति नरसी कुलरिया का दुबई में भव्य स्वागत।

भारत के विश्व विख्यात उद्योगपति, इंटीरियर जगत के बादशाह, महान समाजसेवी और विनम्रता तथा सहृदयता की प्रतिमूर्ति नरसी कुलरिया ने अपने प्रेरणादाई संबोधन में जांगिड-सुथार समाज के लोगों को विश्वास दिलाया कि वह समाज की हर संभव सहयोग और सहायता करने के लिए सदैव ही तत्पर रहेंगे। वह दुबई में उनके सम्मान में 5 जून को इण्डिया क्लब दुबई में, राजस्थान फर्नीचर इंडस्ट्रीज व राजस्थान इंटीरियर इंजीनियरिंग सोल्यूशन दुबई के डायरेक्टर प्रदीप एवं मनीष जांगिड के सौजन्य से आयोजित समारोह में बोल रहे थे। उल्लेखनीय है कि नरसी कुलरिया दुबई सरकार द्वारा आयोजित इंडेक्स एग्जीबिशन देखने के लिए दुबई गए थे।

भामाशाह और इंटिरीयर जगत के बादशाह नरसी कुलरिया का 5 जून को विश्वकर्मा प्रोफेशनल एण्ड बिजनेस ग्रुप द्वारा दुबई में स्वागत किया गया।

नरसी कुलरिया ने कहा कि मुझे यहां दुबई की धरा पर दुबई सरकार द्वारा आयोजित प्रदर्शनी को देखने का शुभ अवसर मिला और आपने मुझे जो दुबई में जो असीम प्यार और सम्मान दिया है, उसकी मैंने कभी परिकल्पना भी नहीं की थी। दुबई पधारने पर संयुक्त राज्य अमिरात में विश्वकर्मा समाज की अग्रणी संस्था विश्वकर्मा प्रोफेशनल एंड बिजनेस ग्रुप द्वारा प्रदान किए गए विशिष्ट सम्मान को, शिरोधार्य करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं दुबई में नहीं, अपितु भारत में अपने परिवार के बीच हूं और यह आपके स्नेह और प्यार की ही ताकत का ही प्रतिफल है कि जिसने मुझे भाव विह्वल कर दिया है। उन्होंने कहा कि दुबई प्रवास के दौरान इंडिया क्लब में आयोजित समारोह में सम्मानित होकर मैं अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं और अपने समाज बंधुओं एवं श्री अमराराम तथा वी पी बी जी के समस्त पदाधिकारियों ने जो मान-सम्मान दिया है उसके लिए मैं हृदय से अपनी कृतज्ञता प्रकट करता हूं।

विश्वकर्मा प्रोफेशनल एण्ड बिजनेस ग्रुप के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए, नरसी कुलरिया ने कहा कि अमराराम चोयल ने अपने अथक परिश्रम और पुरुषार्थ के बल पर जो मुकाम हासिल किया है उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वह कम है। उन्होंने समाज की प्रगति को बढ़ावा देने के लिए आज से 20-25 साल पहले विदेशी धरा पर कदम रखा था और जो पेड़ उन्होंने उस समय लगाया था, अब उसने फल देना शुरू कर दिया है और मुझे उम्मीद है कि यह वटवृक्ष भविष्य में इस विदेशी धरा पर समाज के लोगों के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए ने कीर्तिमान स्थापित करेगा।

अमरा राम जांगिड ने नरसी कुलरिया का विश्वकर्मा प्रोफेशनल एण्ड बिजनेस ग्रुप की तरफ से भावभीना स्वागत करते हुए कहा कि आज संयुक्त राज्य अमिरात में यह संस्था न केवल समाज के लोगों के लिए कार्य कर रही है अपितु जो समाज या अन्य वर्ग के लोग यहां मुसीबत में फस जाते हैं ,तो यह संस्था आगे बढ़ कर ऐसे पीड़ित लोगों की हर संभव सहायता करती है और इस संस्था ने अब तक हजारों लोगों की

मुसीबत के समय में आगे बढ़ कर सहायता की है और मुसीबत के समय इस संस्था ने जो अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है उसकी सर्वत्र प्रशंसा हो रही है।

इसके साथ ही उन्होंने भारत से पधारे, नरसी कुलरिया, रामेश्वर लाल नागवा, चंपालाल भीखाराम भदरेचा, विरमाराम जोपिंग, किशनलाल ब्रह्म क्षत्रिय मस्कट, बाड़मेर के कालुराम कुलरिया, कैलाश कुंवारियां, हरुराम भदरेचा, पदमाराम पाखरवड, हैदराबाद के लोकेश जांगिड, नवलगढ़ के सुनील बबेरवाल का परिचय भी करवाया और विश्वकर्मा प्रोफेशनल एण्ड बिजनेस ग्रुप के पदाधिकारियों व राजस्थान फर्नीचर इंडस्ट्रीज के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रदीप व मनीष जांगिड ने राजस्थानी पगड़ी और माला पहनाकर इन सभी अतिथियों का भावनात्मक रूप से स्वागत किया। इसी प्रकार पूजा प्रदीप जांगिड तथा अंजू सुपुत्री अमरा राम जांगिड द्वारा भारत से पधारी हुई महिला अतिथियों का चुंदड़ी ओढ़ा कर भावभीना स्वागत किया गया।

नरसी कुलरिया

इसके साथ ही सभापति राधेश्याम जांगिड, उपसभापति गणेश बुढ़ल, उपसभापति लाला राम जोपिंग, सचिव पेंपाराम द्वारा भी नरसी कुलरिया का दुबई में स्वागत और सम्मान किया गया। विश्वकर्मा प्रोफेशनल एण्ड बिजनेस ग्रुप के सचिव पेम्पाराम सुथार ने बताया कि समाज रत्न नरसी कुलरिया के संक्षिप्त दुबई प्रवास के दौरान, विश्वकर्मा प्रोफेशनल एंड बिजनेस ग्रुप ने सभी समाज बंधुओं से स्नेह मिलन के लिए इंडिया क्लब दुबई में भव्य स्नेह मिलन व अतिथियों का स्वागत समारोह का आयोजन किया गया।

सम्मान समारोह में समाज के गणमान्य उद्योगपति दुबई से बिजनेस और कॉरपोरेट जगत के लोगो की उपस्थिति भी प्रशंसनीय रही ।वी पी बी जी के पूर्व अध्यक्ष कृष्ण कुमार ने सभी का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में दुबई के जाने माने उद्योगपति वीपीबीजी के उपाध्यक्ष मोहन भदरेचा, कोषाध्यक्ष प्रवीण कुमार, पुखराज शर्मा, मुकेश जोपिंग, सुरेंद्र बरड़वा, हजारीलाल, जितेंद्र जांगिड, हंसराज, राजेंद्र, भोमराम भदरेचा, जोगराम ,राजूराम हरियाणा, सवाई कुलरिया, जशराज जोपिंग, नरपत कुलरिया, जशराज आसदेव, नरपत बुढ़ड, गोविन्द जोपिंग, भीमाराम, नारायणदास, सुमेराराम, सवाई पिंगल, नर्सिंगराम, केवलराम, छुतराराम जोपिंग, अर्जुनराम बुढ़ड, पप्पूराम मॉंडन, हीरालाल जोपिंग, राजेंद्र, भरत जोपिंग, तुलछाराम, देवाराम कुलरिया, मनोहर कुलरिया, डॉ. मनोज, नगाराम, किशनाराम, पारस, गांधी, डॉ. रोमित पुरोहित, कवि सी ए नंदी मेहता की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अमरा राम जांगिड, दुबई।

हर किसी में अच्छाई खोजो और उससे कुछ सीखकर
अपने ज्ञान और अनुभव को बढ़ाओं।
समय, श्रम ही सफलता का स्त्रोत है

सादुलपुर शहर में 19 मई को आयोजित किया गया प्रतिभा सम्मान समारोह।

इस समारोह के मुख्य अतिथि विश्वकर्मा कौशल बोर्ड के अध्यक्ष और राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त रामगोपाल सुथार ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से समाज की प्रतिभाओं को जहां सम्मान मिलता है वहीं उनको आगे बढ़ने का भी सुअवसर प्राप्त होता है। उन्होंने शिक्षा की महत्ती आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आज जिन विद्यार्थियों को सम्मानित किया जा रहा है । भविष्य में इस डीजिटल युग में और अधिक चुनौतियां आने वाली है, लेकिन मुझे विश्वास है कि जिस प्रकार से अथक प्रयास और आत्मविश्वास के साथ आपने अपनी कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए बेहतर अंक हासिल किए हैं और भविष्य में भी इसी प्रकार से भगवान पर भरोसा और विश्वास रखते हुए उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करेंगे। मैं सभी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं। उन्होंने आह्वान किया कि समाज के जरुरतमंदों की यथासंभव सहायता प्रदान करने का प्रयास करें और आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखते हुए संगठन को मजबूत करने में मदद करें, क्योंकि संगठन के आधार पर ही राजनैतिक ताकत हासिल की जा सकती है। उन्होंने आश्वासन दिया बच्चों की सुविधा के लिए अगर सभा द्वारा छात्रावास बनाया जायेगा तो वह इसमें यथासंभव आर्थिक सहयोग प्रदान करेंगे।

सादुलपुर की श्री विश्वकर्मा धर्मशाला में अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा की उप शाखा द्वारा राजगढ़ द्वारा 19 मई को आयोजित इस प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। तहसील अध्यक्ष विनोद जांगिड ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि यह प्रतिभा सम्मान समारोह आज यहां सम्मानित किए जा रहे विधार्थियों और उत्कृष्ट कर्मचारियों को इस बात की याद दिलाता है कि परिश्रम का जीवन में कोई भी सानी नहीं है और इस परिश्रम के रूप में जो आज यहां सम्मान किया जा रहा है। यह सम्मान एक दीपक की लौ की तरह जीवन के अग्निपथ पर बढ़ने के लिए एक प्रेरणा के रूप में सदैव ही आपको अभिप्रेरित करता रहेगा। विनोद जांगिड ने कहा कि इस कार्यक्रम में समाज के होनहार, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है ऐसे 55 उत्कृष्ट प्रतिभाओं का सम्मान करते हुए उनको जीवन में इसी प्रकार से आगे बढ़ने के लिए संकल्प लेने का आह्वान करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया गया है। सम्मानित होने वाली समाज की उत्कृष्ट प्रतिभाओं में 10वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थी, जिनमें कला, विज्ञान और वाणिज्य वर्ग के उत्कृष्ट विद्यार्थी शामिल थे और इसके अतिरिक्त नवनियुक्त सरकारी कर्मचारियों, विभिन्न खेलों और विभिन्न विभागों के उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओ का सम्मान किया गया।

महामंत्री सुरेश जांगिड ने प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि यह आपके जीवन की शुरुआत है और अगर श्री गणेश अच्छा हो तो अन्त भी बेहतर ही होगा। उन्होने कहा कि यह छोटा सा प्रयास इस शाखा सभा द्वारा किया गया है और इस यज्ञ प्रयास में जिन समाज बंधुओं ने आहूति डाली है उन सभी का आभार और आपके द्वारा दिए गए सहयोग के कारण ही यह समारोह अपनी अमिट छाप छोड़ने में सफल रहा है। तारानगर के विशिष्ट अतिथि राकेश जांगिड ने समाज की प्रतिभाओं और जरूरतमंदों को हर संभव सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि यद्यपि आज समाज में चेतना जागृत हुई है और यह सम्मान समारोह इसका ज्वलंत उदाहरण है, लेकिन मंजिल अभी बहुत दूर है और सभी मिलकर और संगठित होकर एक-दूसरे की सहायता का संकल्प लें तभी यह समाज आगे बढ़ने में कामयाब हो सकता है। इस अवसर पर बसंत जांगिड, और जिला अध्यक्ष अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा चूरू नीरज रोलीवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस कार्यक्रम में समाज के बड़ी संख्या में लोग और मातृशक्ति उपस्थित रही और एक प्रकार से सभी ने मिलकर इसे सफल बनाने में कोई भी कोर कसर बाकी नहीं रखी। अंत में तहसील अध्यक्ष विनोद कुमार ने सभी का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए सभी का इस गरिमामय समारोह को सफल बनाने के लिए हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त किया और धन्यवाद ज्ञापित किया।

अंकित बावारिया युवा अध्यक्ष युवा, तहसील सभा राजगढ़ चुरु।

महिला प्रकोष्ठ तथा जांगिड सेवा समिति सुजानगढ द्वारा 26 मई को ‘नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम’ आयोजित किया गया।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष वर्तमान में इंदौर की रहने वाली मधु शर्मा को बनाया गया है और उन्होंने देश के कोने-कोने में प्रदेश सभा और जिला सभा स्तर पर जो महिला प्रकोष्ठों की स्थापना की है, इसका परिणाम यह हुआ है कि आज समाज की महिलाएं अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग और जागरूक हुई हैं और इसका ज्वलंत उदाहरण है सुजानगढ की महिलाएं, जिन्होंने पहली बार 26 मई को अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के अन्तर्गत जिला सभा चूरू की महिला प्रकोष्ठ एवं जांगिड सेवा समिति सुजानगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में जांगिड भवन सुजानगढ़ में ‘नारी शक्ति वंदन’ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया और यह ऐतिहासिक कार्यक्रम, केवल मात्र चूरू जिले का ही नहीं अपितु पूरे राजस्थान प्रदेश का एक ऐतिहासिक, अनूठा एवं अद्वितीय कार्यक्रम था और इस कार्यक्रम की सर्वत्र भूरि-भूरि प्रशंसा हो रही है।

मैं इस पहले कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा (जिला सभा) चूरू की महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष श्रीमती पूजा जांगिड को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देना चाहता हूं, जिनकी महिलाओं के प्रति सकारात्मक सोच ने समाज की प्रतिभावान महिलाओं को एक मंच पर लाकर एकत्रित कर दिया और विभिन्न क्षेत्रों में समाज का परचम लहराने वाली प्रतिभावान महिलाओं को सम्मानित करते हुए उन्हें जीवन में इसी प्रकार से अग्रसर रहने की प्रेरणा दी गई और इसके साथ ही चुनौतियों का दक्षतापूर्ण तरीके से मुकाबला करने के लिए भी आह्वान किया गया।

इस भव्य और दिव्य कार्यक्रम की मुख्य अतिथि हिसार हरियाणा की रहने वाली, इंटरनेशनल बॉक्सर पिंकी जांगिड थी और इस कार्यक्रम की अध्यक्षता, श्री कल्याण महाविद्यालय सीकर की पूर्व प्राचार्य व समाजसेवी डॉक्टर मधु जांगिड द्वारा की गई थी।

पिंकी जांगिड, जिन्होंने बाक्सिंग में अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीता है और एक बार तो वर्ल्ड चैंपियन मेरीकॉम को भी हराया था, लेकिन अपरिहार्य कारणों से उसका चयन वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए नहीं हो सका और आजकल वह भारत सरकार के आयकर विभाग में एक आयकर अधिकारी के रूप में कार्यरत है। उन्होंने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि समाज की बच्चियों के लिए बहुओं के लिए माता-पिता और सास- ससुर को शादी के पश्चात भी उनका भविष्य बनाने में अपना भरपूर सहयोग प्रदान करना चाहिए और उनको केवल चूल्हे चौके तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए।

पिंकी जांगिड ने स्पष्ट रूप से कहा कि नारी में प्रतिभा और असीम शक्ति है उसका लाभ उठा कर जीवन में आगे बढ़ने के लिए जो कुछ भी वह अपना भविष्य उज्ज्वल बनाने के लिए करना चाहती हैं, शादी के बाद भी उनकी ढाल बनकर और कंधे से कंधा मिलाकर लक्ष्य प्राप्ति में उनको तन मन और धन से भरपूर सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के इस आधुनिक डिजिटल युग में बेटियां, इंजीनियर, डॉ.,सी ए और एम बी ए सहित जिस भी क्षेत्र में अपना कैरियर बनाना चाहती हैं, उसके लिए उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि मुझे भी एथलीट बनने के समय अनेकों कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन सभी कठिनाइयों का मैंने दृढ़तापूर्वक मुकाबला करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक खेलने का सुअवसर प्राप्त हुआ और स्वर्ण पदक भी जीता। उन्होंने जोर देकर कहा कि जीवन में किसी भी क्षेत्र में

सफलता हासिल करने के लिए परिश्रम सबसे पहली सीढ़ी है और उसके बाद भाग्य भी अंहम भूमिका अदा करता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को कभी भी उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए और जिस भी क्षेत्र में वह काम करना चाहती हैं, उसमें सत्यनिष्ठा और ईमानदारी से कार्य करते हुए आगे बढ़ने का प्रयास करें और यह निश्चित है कि एक दिन सफलता अवश्य ही आपके कदम चूमेगी।

कार्यक्रम संयोजिका डॉक्टर नीलम जांगिड ने स्पष्ट रूप से कहा कि आज हमें नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम आयोजित करने की जरूरत इसलिए महसूस हुई कि जो हमारे परिवार के आदरणीय महानुभाव हैं और जिन्होंने घर की नींव की तरह परोक्षरूप से हमें बड़ा करने एवम् ऊंचाईयां हासिल करने में में भरपूर सहयोग दिया है उनके प्रति अपना सम्मान देने तथा एवं उनका ऋण चुकाने के लिए एक छोटा सा प्रयास सम्मान समारोह आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह समारोह वास्तव में उन संघर्षशील महिलाओं का जीवन परिचय समाज की अन्य महिलाओं के सम्मुख एक एक आदर्श प्रस्तुत करने के लिए तथा अन्य महिलाओं और बालिकाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। उन्होंने सुजानगढ़ की जांगिड ब्राह्मण सेवा समिति को प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए कहा कि इस सम्मान की असली परीक्षा हकदार तो समिति के सम्माननीय सदस्य हैं। क्योंकि सन् 2018 में सबसे पहले इन्होंने ही शुरुआत करते हुए श्री विश्वकर्मा महिला मंच की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि अगर यह मंच उस समय नहीं बना होता तो शायद जिले की बाकी समाज बंधुओं को महिलाओं की योग्यताओं और उनके संघर्ष का आज पता नहीं चलता और यह मेरा सम्मान इनको सहर्ष समर्पित करती हूं। उन्होंने नारी शक्ति का अभिनंदन करते हुए कहा कि आज की नारी किसी परिचय का मोहताज नहीं है। चाहे देश की सीमाओं की सजग प्रहरी बनकर देश की सीमाओं रक्षा करनी हो या राजनीति का क्षेत्र हो या खेलों में अपने भाग्य को आजमाना हो, यह सब आधुनिक डिजिटल युग में एक नारी शक्ति ने करके दिखलाया है।

डॉ. मधु जांगिड ने कहा कि आज का युवा टैक्सटाइल डिजाइनर, इन्टीरियर डिजाइनर और आर्किटेक्चर एवं अन्य कई प्रकार के पारंपरिक लघु उद्योगों के माध्यम से भी धन उपार्जन किया जा सकता है। इस कार्यक्रम में शिक्षा, चिकित्सा, व्यवसाय, राजकीय सेवा, समाज सेवा, आर्थिक, सांस्कृतिक, पर्यावरण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 30 महिलाओं का स्मृति चिह्न व प्रशस्ति पत्र प्रदान करके उनको सम्मानित किया गया और इसी कार्यक्रम के दौरान प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर और मॉडल संगीता जांगिड एवं ऊर्मिला ने अपनी टीम के साथ अपना डिजाइनर कलेक्शन का रैंप पर कैटवॉक का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों की तालियां बजाने पर विवश कर दिया।

इस समारोह में उपस्थित महानुभावों ने अपने विचार व्यक्त करते हुऐ कहा कि यत्र नारी पूजन्ते-तत्र देवता वसन्ते। यह उक्ति महिलाओं ने अपने पुरुषार्थ और मेहनत से सिद्ध कर दी है कि आज की नारी पुरुषों से हर क्षेत्र में अग्रणी है। और उसे अपनी शक्ति का सृजनात्मक उपयोग करते हुए समाज उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए और मुझे यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि आज की नारी शक्ति ने प्रत्येक क्षेत्र में अपनी धूम मचा दी है और देश में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए संसद में एक कानून पास किया गया है ताकि राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ सके।

इस कार्यक्रम में डॉक्टर सत्यनारायण जांगिड, डॉक्टर अजय शर्मा, चूरु सभा के जिला अध्यक्ष नीरज रोलीवाल, ममता जांगिड, फूलादेवी जांगिड, कोमल जांगिड, अमिता जांगिड, ज्योति जांगिड, रचना जांगिड इस समारोह की शोभा को अपनी गरिमामयी उपस्थिति से द्विगुणित कर दिया। महिला शक्ति वंदन कार्यक्रम की उत्कृष्टता को देखते हुए और इस कार्यक्रम से प्रभावित होकर श्रीमती कंचन देवी शोभाचंद जायलवाल ने जांगिड भवन में एक वाटर कूलर भेंट किया ताकि गर्मियों के इस मौसम में प्यासे लोगों की प्यास को तृप्त किया जा सके। मंच का बड़े ही मनोयोग पूर्वक तरीके से सफल संचालन डॉक्टर नीलम जांगिड एवं ललिता झिन्टावा ने संयुक्त रूप से किया और कार्यक्रम की निरंतरता को अबाध गति से बनाए रखा गया ।

सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी ओम प्रकाश जांगिड, रतनगढ़ जिला चूरु।

प्रभु दयाल बरनेला को वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त किया गया है

सदाशयता और विनम्रता की प्रतिमूर्ति, समाज सेवा के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित और शालीनता के प्रतीक तथा मध्य प्रदेश जांगिड ब्राह्मण प्रदेश सभा के लगातार दूसरी बार अध्यक्ष बने प्रभु दयाल बरनेला को, मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग महापंचायत का वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त किया गया है।

महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड ने प्रभु दयाल बरनेला को महासभा रुपी परिवार की तरफ से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कि वह कर्मनिष्ठ व्यक्तित्व के धनी हैं और उन्होंने समाज सेवा की नि:स्वार्थ भाव से शिरोधार्य करते हुए ही अपने प्रदेश में समाज में विशिष्ट स्थान हासिल किया है और उन्होंने लगातार दूसरी बार मध्य प्रदेश का निर्विरोध अध्यक्ष बन कर यह सिद्ध कर दिया कि समाज को एकजुट करना है तो अपने स्वार्थ का परित्याग करके सबको एक साथ लेकर चलना होगा। आपसे आशा और उम्मीद है कि एक अनुभवी व्यक्तित्व के धनी होने के साथ-साथ विश्वकर्मा पंचायत के वरिष्ठ सलाहकार के पद पर आसीन रहते हुए अपने बहुमूल्य सुझाव देकर इस कड़ी को और अधिक मजबूत करते हुए अपने दायित्व का भली-भांति निर्वहन करेंगे।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा, पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और रविशंकर शर्मा तथा सभी प्रदेशों के अध्यक्ष, कोर कमेटी के सदस्यों, कानूनी सलाहकार समिति के सदस्यों और कार्यकारिणी के सदस्यों और सीकर जिला सभा के महामंत्री राधेश्याम माडण ने भी प्रभु दयाल बरनेला को बधाई देते हुए कहा है कि आशा है कि वह मध्यप्रदेश में जांगिड समाज को पिछड़े वर्गो की श्रेणी में शामिल करवाने की राज्य सरकार को पैरवी करने के साथ ही, समाज को मध्य प्रदेश में राजनैतिक रूप से हिस्सेदारी दिलवाने के साथ ही समाज कल्याण की योजनाओं को प्रत्येक स्तर पर लागू करने के लिए हमेशा ही सकारात्मक सोच के साथ उनकी पैरवी करते रहेंगे और समाज की आशाओं पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेंगे।

पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला।

विवान जांगिड ने राष्ट्रीय कुडो प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया।

जीवन में सफलता हासिल करने की कोई आयु सीमा नहीं होती है और फिर चाहे वह खेल का क्षेत्र हो या पढ़ाई का या अन्य कोई क्षेत्र, यह उस बच्चे की असीम प्रतिभा और योग्यता पर निर्भर करता है और गुजरात प्रदेश के विवान जांगिड ने 25 से 31 मई तक सोलन हिमाचल प्रदेश में आयोजित दूसरी राष्ट्रीय कुडो चैंपियनशिप प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल करके यह सिद्ध कर दिया है।

विवान के पिता मनीष लूंजा ने बताया कि विवान ने यह प्रतियोगिता अन्डर 10 कैटैगरी में 31 किलो ग्राम भार प्रतियोगिता में जीती है और समाज का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि अगर कोई बच्चा किसी भी प्रतियोगिता किसी भी क्षेत्र में कोई विशेष उपलब्धि हासिल करता है तो उससे उस बच्चे-का आत्म विश्वास तो बढ़ता ही है और इसके साथ-साथ परिवार का एवं समाज का नाम भी रोशन होता है और ऐसी उपलब्धि पर सभी को गर्व की अनुभूति होती है।

विवान के दादा, समाज में जागृति की ज्योति जलाने वाले और विनम्रता की प्रतिमूर्ति नारायण लूंजा ने कहा कि विवान की इस खेल के माध्यम से इतनी अल्पायु में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हुई है वह गर्व का विषय है और आशा है कि भविष्य में वह अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी खेल के माध्यम से अपनी विशेष पहचान बनाने का स्तुत्य प्रयास करेगा।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश शर्मा ने विवान को बधाई देते हुए कहा है कि यह उसकी सफलता, खेल के प्रति समर्पण और अनवरत साधना तथा माता-पिता द्वारा दिया गया मार्ग दर्शन ही है, जिसने उसे कामयाबी तक पहुंचाया है और वह जीवन में निरंतर इसी प्रकार से अनवरत रूप से प्रगति करता रहे। इसी मनस्कामना के साथ ईश्वर से हम उसकी सफलता की मनस्कामना करते हैं। **गुजरात प्रदेश अध्यक्ष, कैलाश शर्मा**

सन्त शिरोमणि और उदात्त मानवीय मूल्यों की प्रतिमूर्ति स्वामी कल्याण देव।

मानवता के सच्चे पुजारी, स्पष्टवादी और भौतिकवादी सांसारिक जीवन से लाखों कोस दूर मानवीय संवेदनाओं के संवाहक और पदमश्री तथा पदम भूषण सम्मान से विभूषित, महान वीतरागी और सन्त शिरोमणी और शिक्षा जगत में शिक्षा की लो प्रज्ज्वलित करने वाले शिक्षा महर्षि के नाम से विख्यात स्वामी कल्याण देव सच्चे अर्थो में एक दैवीय शक्ति से परिपूर्ण थे।

ऐसे सन्त परम्परा के महान संवाहक सन्त शिरोमणि स्वामी कल्याण देव के जीवन की गहराइयों को समझ पाना बड़ा ही दुष्कर कार्य है वह मानवीय मूल्यों को आत्मसात करते हुए मानवता के कल्याण के लिए जीवन पर्यन्त ईमानदारी और सच्चाई के साथ कार्य करते रहे और यही आत्मीयता के गुणों के कारण ही वह कल्याण देव कहलाए। उन्होंने अध्यात्म की खोज में 10 वर्ष की आयु में उस समय घर बार छोड़ दिया, जिस समय बच्चा अध्यात्म के बारे में क, ख और ग तक नहीं जानता है और शायद यह उनके पूर्व जन्मों के संस्कारों के कारण ही था कि उनको अध्यात्म का रास्ता सहज रूप से ही धारण कर लिया और इसी अध्यात्म का ही यह परिणाम था कि वह 129 वर्ष तक इस मनुष्य रूप रहकर अपने अन्तिम समय तक भी वह अध्यात्म और शिक्षा की अलख जगाते रहे।

स्वामी कल्याण देव धर्म परायण होने के साथ साथ ही उन्होंने निःस्वार्थ भाव से समाज और मानवता की सेवा की और आज उसका नाम संन्त शिरोमणि महात्माओं की श्रेणी में स्वर्ण अक्षरों में लिखा हुआ है। ऐसा माना जाता है कि उनका जन्म 21 जून 1876 में पिता फेरुदत्त जांगिड और माता श्रीमती भोई देवी के घर जिला बागपत के गांव कोताना में एक किसान परिवार में हुआ । लेकिन बचपन से ही धार्मिक प्रवृत्ति के होने के कारण ही उनकी परमात्मा में अगाध श्रद्धा और आस्था थी और अपनी आध्यात्मिकता की इसी प्यास को बुझाने के लिए ही वह केवल मात्र 10 वर्ष की आयु में उन्होंने घर बार छोड़ दिया और सन् 1900 में ऋषिकेश में स्वामी पूर्णदेव से दीक्षा लेकर वह हिमालय में तप एवं अध्ययन करने चले गये। सन 1902 में राजस्थान में खेतड़ी नरेश के बगीचे में उनकी स्वामी विवेकानन्द से मुलाकात हुई और विवेकानन्द ने उन्हें पूजा-पाठ के साथ साथ निर्धनों की सेवा करने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया और यही कारण था कि इस मुलाकात के पश्चात् स्वामी कल्याणदेव के जीवन की दिशा ही पूर्ण रूप से ही बदल गयी।

सन् 1915 में स्वामी कल्याण देव कीमहात्मा गांधी से मुलाकात हुई और उसके स्वामी जी ने स्वाधीनता संग्राम के साथ ही हिन्दी और खादी के प्रचार तथा प्रसार की अलख जगाने के साथ ही अछूतो के कल्याण के लिए भी कार्य करना शुरू कर और उनके लिए शिक्षा की समुचित व्यवस्था करने की दिशा में स्तुत्य प्रयास करना शुरू कर दिया और शिक्षा के विस्तार करने का संकल्प लेकर इसे अपने जीवन का प्रमुख लक्ष्य ही बना लिया और स्वामी जी ने मुजफ्फरनगर जिले में गंगा तट पर बसे तीर्थस्थान शुकताल को अपनी गतिविधियों का केन्द्र बनाया और ऐसा माना जाता है कि यह वही पवित्र स्थान है, जहाँ पर मुनि शुकदेव ने राजा परीक्षित को वटवृक्ष के नीचे पहली बार भागवत की कथा सुनायी थी और वह वटवृक्ष आज भी उसकी साक्षी दे रहा है और इस स्थान का जीर्णोद्धार करके इसे देश के 68 वें प्रसिद्ध तीर्थ स्थल के रूप में एक विशेष पहचान दिलवाई और कुछ श्रद्धालु तो स्वामी जी को मुनि शुकदेव का अंशावतार मानने लगे हैं।

सच्चाई और सरलता तथा सादगी के प्रतीक स्वामी जी का आशीर्वाद देश की अनेक बुद्धिजीवी और महान विभूतियों को मिला, जिनमें भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, पूर्व राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी, डाक्टर

शंकर दयाल शर्मा, के आर नारायणन और पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू, इन्दिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी और गुलजारीलाल नन्दा से लेकर, अनेक राज्यपाल और मुख्य मंत्रियों तथा राजनेता शामिल हैं और वह सभी से समान भाव से मिलते थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में लगभग 400 से भी अधिक शिक्षा संस्थाओं, पाठशालाओं स्कूलों और कालेजों तथा तकनीकी व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करके एक अद्वितीय कीर्तिमान स्थापित किया जो आज लाखों बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनाने के कार्य में लगे हुए हैं।

उच्च विचारों से ओतप्रोत और सादा जीवन व्यतीत करने वाले स्वामी जी खादी के मोटे भगवा वस्त्र ही पहनते थे। उनके समर्पित भाव को देखते हुए ही इस महान सन्त को सन् 1992 में पद्मश्री तथा सन् 2000 में पद्मभूषण पुरस्कार प्रदान करके उनकी सेवाओं का सम्मान किया गया। **पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने स्वामी कल्याण देव को तीन सदियों के द्रष्टा सन्त कहा था। मानवता के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध स्वामी जी का बहुआयामी व्यक्तित्व था, जिन्होंने अपने सद्कर्मों के माध्यम से इस संसार में अपनी विशेष पहचान बनाई।** निष्काम, कर्मयोगी, तप, त्याग और सेवा की साक्षात प्रतिमूर्ति ने अपने 129 वर्ष के जीवनकाल में 100 वर्ष नि:स्वार्थ भाव से जनसेवा के लिए समर्पित कर दिए। स्वामी कल्याणदेव जी को उनके सामाजिक कार्यो के लिये तत्कालीन राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी ने 20 मार्च 1982 में 'पदमश्री' से सम्मानित किया। इसके बाद 17 अगस्त 1994 को गुलजारी लाल नन्दा फाउंडेशन की ओर से तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ0 शंकर दयाल शर्मा ने उन्हें नैतिक पुरूस्कार से सम्मानित किया। 30 मार्च 2000 को तत्कालीन राष्ट्रपति के0आर0 नरायणन द्वारा उन्हें 'पद्मभूषण' देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के दीक्षांत समारोह में उन्हें 23 जून 2002 को तत्कालीन राज्यपाल विष्णुकांत शास्त्री ने उनको डी-लिट की मानद उपाधि प्रदान की थी और 1980 के दशक के उत्तरार्ध में भावी प्रधान मंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह अपनी पत्नी के साथ शुकताल में प्रार्थना करने आए और स्वमी कल्याणदेव ने उन्हे आशीर्वाद दिया था जिससे आगे चलकर वह देश के प्रधान मंत्री बने।

स्वामी कल्याण देव ने कहा कि **उन्हें मानवता की सेवा करने की प्रेरणा सन् 1893 में स्वामी विवेकानंद से मिली और उन्होंने मुझे से कहा था कि ''यदि आप भगवान को देखना चाहते हैं, तो गरीबों की झोपड़ी में जाएं और यदि आप भगवान को प्राप्त करना चाहते हैं, तो सेवा करें।'' गरीब, असहाय, दलित और दुखी। इन सभी की सेवा करने के बारे में स्वामी कल्याणदेव ने कहा कि गरीबों की सेवा के माध्यम से भगवान को प्राप्त करने का मंत्र उन्हें स्वामी विवेकानंद से ही प्राप्त हुआ था।** वह सच्चाई के परम पुजारी थे और उनका मानना था कि **सभी में भगवान बसता है और लोक कल्याण ही परमात्मा की सच्ची उपासना है और राम नाम भजना तभी सार्थक होता है जिस समय राम के गुणों को अपने भीतर आत्मसात किया जाए।** स्वामी कल्याण देव एक भारतीय मूल के तपस्वी थे, जिन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका में उनके कार्यो के लिए भारत के तीसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म सम्मान से सम्मानित किया गया था।

संयोगवश मुझे उनसे मिलने का मौका मिला और मैंने अपनी जिंदगी में इतना साधारण और सच्चा और वैराग्य तथा वह दिखावे में विश्वास नहीं रखते थे और भगवान ने उनको जग कल्याण के लिए ही भेजा था। वह हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला की धर्मपत्नी के गुरु थे और 129 वर्ष तक लोककल्याण की भावना से कार्य करते हुए इतिहास में अमर हो गए। ऐसी महान विभूति को मैं शत् शत् नमन करता हूं और मेरा समाज के लोगों से विनम्र करबद्ध प्रार्थना है कि उनके द्वारा दया, करुणा, आत्मीयता और गरीबों का उत्थान और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जो महायज्ञ उन्होंने शुरू किया था, उसको आगे बढ़ाने में भरपूर सहयोग प्रदान करें।

*****

पी एल शास्त्री, गुरुग्राम।

देश में एक मात्र जांगिड बैंक अजमेर में दी जाँगिड ब्राह्मण को ओपरेटिव क्रेडिट एण्ड सेविंग्स सोसायटी लि. अजमेर के चुनाव सम्पन्न।

बैंक के संस्थापक
पं. श्री बिहारी लाल शर्मा, खरनाल्या

बैंक के संस्थापक
पं. श्री मोतीलाल शर्मा, घूगरिया

जीवन में कई लोगों को भगवान अवसर प्रदान करता है और ऐसी महान विभूतियां अपने विवेक और बुद्धि से निर्णय लेते हुए ऐसे फैसले कर जाते हैं, जिनको दुनिया हमेशा ही याद रखती है और ऐसा ही एक ऐतिहासिक निर्णय आज से लगभग 88 वर्ष पहले बिहारी लाल शर्मा द्वारा लिया गया ,जिन्होंने जांगिड ब्राह्मण सहकारी बैंक की स्थापना करके जांगिड समाज के लोगों के लिए अनुकरणीय बुनियादी सुविधाएं करवाते हुए उनके आगे बढ़ने का रास्ता प्रशस्त किया और इस जांगिड सहकारी बैंक के प्रथम अध्यक्ष पंडित मोतीलाल शर्मा घूगरिया बने।

जांगिड ब्राह्मण समाज एवं सहकारिता के इतिहास में 8 अगस्त 1936 का दिन स्वर्णिम अक्षरों में इतिहास के पन्नों पर लिखा हुआ है और यह दिवस चिरस्मरणीय रहेगा और इस दिन का इतिहास जांगिड समाज द्वारा स्वर्णिम अक्षरों में लिखा हुआ है क्योंकि इसी दिन, अजमेर में, जांगिड ब्राह्मण को-आपरेटिव क्रेडिट एण्ड सेविंग बैंक लि. की स्थापना हुई। बैंक की स्थापना के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बैंक के वर्तमान अध्यक्ष राजेश शर्मा ने बताया कि इस बैंक को स्थापित करने की परिकल्पना मूल रूप से समाज के प्रति निष्ठा और समर्पण की भावना रखने वाले पंडित बिहारीलाल शर्मा ने की थी, जो उस समय पश्चिमी रेलवे में हैड ड्राफ्ट्समैन के पद पर आसीन थे और उनके इस मिशन को सफल बनाने में अपना अमूल्य योगदान दिया उनके निकट सहयोगी भागीरथ प्रसाद शर्मा एवं जगन्नाथ शर्मा ने जिन्होंने मिलकर जांगिड बैंक की स्थापना को मूर्त रुप देकर उस कल्पना को वास्तविक रुप में चरितार्थ किया।

राजेश शर्मा ने बताया कि उस समय इन महान विभूतियों की एक ही सोच थी कि जांगिड समाज की आर्थिक स्थिति को सृदृढ़ कैसे किया जाए और इसके साथ ही समाज के लोगों में बचत करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने की भावना को कैसे विकसित किया जाए और इस परिकल्पना को आत्मसात करते हुए ही अजमेर में इस प्रकार की संस्था और बैंक बनाने का विचार किया। तत्कालीन सहकारी समिति के रजिस्ट्रार भँवरलाल माथुर के साथ गहन विचार विमर्श के उपरांत समाज की एक अनौपचारिक बैठक, पारां का मन्दिर, अजमेर में 21 मार्च 1936 को बुलाई गई और सर्वसम्मति से इस बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जांगिड समाज के लोगों की आर्थिक कठिनाईयों को दूर करने के उद्देश्य से एक सहकारी समिति या बैंक बनाया जाए, ताकि जरूरत पड़ने पर ऐसे लोगों की भरपूर सहायता की जा सके।

उन्होंने कहा कि इस स्वपन को मूर्त रूप देने के लिए खरनाल्या के रहने वाले बिहारी लाल शर्मा ने सहकारी समिति के निरीक्षक सरदार सोहन सिंह के सहयोग से एक नियमावली तैयार की एवं इस **बैंक को दी जांगिड ब्राह्मण को-ओपरेटिव क्रेडिट एण्ड सेविंग्स बैंक लि. अजमेर के नाम से 16 सदस्यों के हस्ताक्षरों से, रजिस्ट्रार को-ओपरेटिव सोसाइटीज, अजमेर द्वारा 8 अगस्त 1936 को रजिस्टर करवाया गया।** और इसके 16 सदस्य बनाए गए। जिनमें पंडित मोतीलाल, पंडित मूलचन्द बच्छस, पंडित छोटेलाल, पंडित. चतुर्भुज शर्मा कंवलेचा, पंडित कल्याण सिंह शर्मा, पंडित भंवरलाल पेड़वाल, पंडित भागीरथ प्रसाद, पंडित भंवरलाल शर्मा ,पंडित छीतरमल, पंडित जगन्नाथ, पंडित. चिरंजीलाल, पंडित. सोभागमल शर्मा, पंडित.

मांगीलाल, पंडित बिहारीलाल, पंडित. बेनीगोपाल शर्मा और 16 पंडित. श्यामसुन्दर जायलवाल शामिल थे।

इस बैंक की प्रथम कार्यकारिणी समिति के प्रधान पद को सुशोभित करने का सौभाग्य, मोतीलाल शर्मा और मंत्री पद को बिहारीलाल शर्मा ने सुशोभित किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1953 में बैंक के भवन निर्माण के लिए पौने तीन बीघा भूमि नसीराबाद रोड़ अजमेर पर खरीदी गई और **छोटेलाल शर्मा के नेतृत्व में सन् 1962 में इस बैंक के विशाल भवन का निर्माण किया गया और जिसका उदघाटन तत्कालीन जिलाधीश टी. एन. चतुर्वेदी के कर कमलों से 6 दिसम्बर 1962 को किया गया।** इस बैंक के भवन के निर्माण में आर्य नगर अजमेर के गुलाब चन्द डायलवाल और बिहारीलाल शर्मा का महत्वपूर्ण और सराहनीय योगदान रहा।

इस बैंक को अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए **सहकारी सप्ताह समारोह वर्ष 1957 के अवसर पर अजमेर के तत्कालीन कमिश्नर गोवर्धन सिंह द्वारा बैंक को सराहनीय और उत्कृष्ट कार्यो के लिए द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।** इस बैंक की त्रासदी यह रही है कि इसको 1960 में बैंक के प्रशासक अजमेर के कमिश्नर एम.वी. मेनन के कार्यकाल में बैंक को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा। उन्होंने स्पष्ट किया कि 29 जुलाई 1986 को सत्यदेव शर्मा इस बैंक के अध्यक्ष तथा भागचन्द डायलवाल मंत्री चुने गए और इनके कार्यकाल में बैंक ने प्रगति के नए कीर्तिमान स्थापित किए गए। वर्ष 1994 में ओंकारमल शर्मा आमेरिया अध्यक्ष के कार्यकाल मे बैंक की सदस्य संख्या में बढ़कर 718 तक जा पहुंची ।

अध्यक्ष राजेश शर्मा ने बताया कि 28 मई 2024 को राजस्थान के सहकारिता विभाग द्वारा इस जांगिड सहकारी बैंक के चुनाव सम्पन्न करवाये गए और समाज की संस्थाओं जिनमें जांगिड ब्राह्मण शाखा सभा अजमेर, जागिड ब्राह्मण महिला शाखा अजमेर, जागिड युवा प्रकोष्ठ अजमेर और जागिड महिला प्रकोष्ठ अजमेर और महासभा पदाधिकारियों व प्रदेश पदाधिकारियों द्वारा समाज की सहमति से एक 12 सदस्यीय पैनल बनाया जिसमें दो महिला सदस्य भी शामिल थी **अत: संस्थाओं व समाज के अथक प्रयास से सर्वसम्मति से इसके पदाधिकारियों का चुनाव हुआ और आशा है कि सम्पूर्ण देश में समाज का एक मात्र सर्वप्रथम सहकारी बैंक आने वाले समय में समाज को एक नई दिशा और दशा देने के साथ ही सफलता के नए आयाम स्थापित करेगा।**

अध्यक्ष राजेश शर्मा नेपालिया ने बताया कि राजस्थान के सहकारिता विभाग द्वारा 28 मई को जो चुनाव करवाए गए थे और इसके पश्चात निर्वाचित 12 पदाधिकारियों की सहकारी समिति के बोर्ड की बैठक हुई और इस बैठक में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव व कोषाध्यक्ष का निर्वाचन हुआ और खास बात यह है कि इन सभी पदों के लिए एक एक फार्म प्राप्त होने के कारण सभी का निर्विरोध निर्वाचन हुआ।

उन्होंने बताया कि इस निर्वाचन प्रक्रिया में अध्यक्ष पद पर राजेश शर्मा नेपालिया, सचिव पद पर धर्मेंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष पद पर सुनीत शर्मा, एवं कोषाध्यक्ष पद पर जगदीश शर्मा को निर्वाचित घोषित किया गया। अजमेर दक्षिण में की विधायक और अनिता भदेल और सहकारिता विभाग के सहायक रजिस्ट्रार सतीश जैमन ने संस्था के निर्वाचित पदाधिकारियों को पदभार ग्रहण करवाया और नव निर्वाचित अध्यक्ष और उसकी टीम को बधाई देते हुए कहा कि भविष्य में इस जांगिड सहकारी बैंक के संचालन में किसी प्रकार की कठिनाईयों का सामना नही करना पड़ेगा।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने जांगिड ब्राह्मण कोपरेटिव क्रेडिट एण्ड बैंक लिमिटेड के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि जिस प्रकार से देश में जांगिड समाज द्वारा संचालित एक ऐसा सहकारी बैंक है, जिससे समाज के लोगों को बहुत अधिक अपेक्षाएं हैं और मुझे विश्वास है कि नवनिर्वाचित कार्यकारिणी अपने दायित्व का भली भांति निर्वहन करते हुए समाज की प्रगति में अपना अमूल्य योगदान देगी । **सुधीर शर्मा पंवार, अध्यक्ष शाखा सभा अजमेर।**

जीवन में संघर्ष से जो उपलब्धि हासिल होती उसका परिणाम सन्तोष जनक होता है।

जीवन में एक कहावत बड़ी प्रचलित है कि **जाके पैर ना फटे बिवाई–वह क्या जानें पीर पराई।** इसका अर्थ यह है कि जीवन में संघर्ष का होना बहुत जरूरी है और संघर्ष और परिश्रम से जीवन में जो उपलब्धि हासिल की जाती है, उसके माध्यम से असीम आनन्द मिलता है। कुन्दन आग में तप कर ही सोना बनता है और यह जीवन भी संघर्षो से भरा हुआ है । बहुत सी महान विभूतियों ने जीवन में बहुत संघर्ष करके ख्याति हासिल की है और उन्होंने संघर्ष को विभिन्न रूपों में देखा है और उसे जिया भी है और समझा भी है कि वास्तव में यह जीवन ही एक संघर्ष की अमर गाथा है। **जीवन में संघर्ष ही वह प्रेरणा है, जो निरंतर अग्रसर होने के लिए प्रोत्साहित करती रहती है और संघर्ष के बिना जीवन मृत्यु का पर्याय है। संघर्ष वह अज्ञात शक्ति है जो व्यक्ति को निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। इसलिए संघर्ष के बिना जीवन का सही आनंदातिरेक नहीं उठाया जा सकता है।**

जिस समय हम जीवन में संघर्ष की बात करते हैं तो संघर्ष कई तरह का होता है, जैसे प्रकृति के साथ, स्वयं के साथ, परिस्थितियों के साथ और मनुष्यों को आए दिन तरह–तरह के संघर्षो का सामना दिन करना पड़ता है और इस संघर्ष की परिस्थितियों से जूझना भी पड़ता है। लेकिन जो भी व्यक्ति इन संघर्षो का सामना करने से कतराते हैं, वह एक प्रकार से अपने जीवन से भी हार मान लेते हैं और ऐसे व्यक्तियों का जीवन भी साथ नहीं देता है। यह अकाट्य सत्य है कि हर सफल इंसान को जिंदगी में किसी न किसी एक संघर्ष का सामना तो अवश्य ही करना ही पड़ा है।

सामान्य रूप से मनुष्यों की यह आम धारणा है कि वह **एक सफल इंसान को देखकर बहुत खुश होते हैं और उसके लिए गर्व भी महसूस करते हैं। लेकिन दूसरी ओर हम उनके जीवन की सफलता के पीछे की संघर्ष की वास्तविक कहानी से बिल्कुल ही अनजान होते हैं। जिस समय जीवन में कोई भी व्यक्ति संघर्ष कर रहा होता हैं, तो उसके लिए आंतरिक शांति बनाए रखना बहुत ही दुष्कर कार्य है।** जीवन में एक बात हमेशा ही याद रखनी चाहिए कि जिस समय हमारे जीवन में चीजें अलग हो रही होती हैं तो उसमें भी हमारा भला ही निहित है और वह हमारे भले के लिए ही होती हैं।

हम लोग बहुत ज्यादा सोचते हैं और ज्यादा सोचने से हमारे जीवन में बहुत सारी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इस तथ्य को समझने की कोशिश करनी चाहिए कि जो हमारे साथ घट रहा है, वह हमें बदल नहीं सकता। अपनी ताकत की नियंत्रण–कूंजी हमारे साथ है। **संघर्ष कठिन पाठ्यक्रम है, लेकिन अगर हम आशा खो देते हैं और महसूस करने लगते हैं कि हम पर इसका बुरा असर होगा तो जीवन निश्चित रूप से ही कठिन हो जाएगा।** जिस समय हम स्वयं और संघर्ष के बीच में आपसी तादात्म्य और तालमेल बना कर रखेंगे तो महसूस होगा कि हम तनाव से बाहर आने के बाद आंतरिक शांति महसूस कर रहें हैं।

दुनिया में दो प्रकार के मनुष्य होते हैं। **एक तो वह जो सामान्य रूप से चलने वाली जिंदगी जीना पसंद करते हैं और जीवन में अग्रसर होने के लिए जीवन में आने वाली कठिनाइयों को पसंद नहीं करते हैं और इसके अतिरिक्त दूसरी तरह के वह लोग होते हैं, जो अपना लक्ष्य निर्धारित कर लेते हैं और उसे प्राप्त करने के लिए संघर्ष का रास्ता चुनते हैं। ऐसे लोगों का जीवन आसान नहीं होता है और उनको हर मोड़ पर विभिन्न रुकावटों का सामना करना पड़ता हैं, परन्तु ऐसे लोग इन रुकावटों का सहर्ष सामना करते हैं और ऐसा करते समय अनेक बार असफलता भी इनके हाथ लगती है।** परन्तु वह इससे कभी भी हताश और निराश नहीं होते हैं और अपनी गलतियों को सुधारते हुए, पुनः नए सिरे से संघर्ष करने में जुट जाते हैं। यह निश्चित है कि इस प्रकार के लोग एक दिन अपने जीवन में जरूर कामयाब होते हैं और **इसलिए एक बुद्धिमान व्यक्ति को कभी भी संघर्ष से घबराना नहीं चाहिए और संघर्ष के बिना जीवन जीना भी एक प्रकार से जीवन न जीने के बराबर है। जिंदगी में अगर तरक्की करनी है तो रिस्क लेना बहुत ही जरूरी है और जो व्यक्ति रिस्क नहीं लेता है वह जीवन में कभी भी उन्नति भी नहीं कर पाता है।** इसलिए जीवन में संघर्ष एक दीपक की लौ की तरह आगे का रास्ता दिखलाता रहता है और **जिसके जीवन में जितना अधिक संघर्ष और वेदना होगी, उसको बाद में उतने ही अधिक आनन्द की अनुभूति होगी। संघर्ष के बिना जीवन जिया नहीं जा सकता ,इसलिए जीवन में कुछ भी विशेष उपलब्धि हासिल करनी है तो संघर्ष इसकी बुनियाद है और उसको पाने के लिए संघर्ष तो करना ही पड़ेगा कोई ना कोई रिस्क तो लेना ही पड़ेगा । अगर हम डरते रहे तो किसी भी लाइन में कामयाब नहीं हो सकते।** अगर आप कामयाबी के उच्च शिखर तक पहुंचना चाहते हो तो अपने जीवन का एक लक्ष्य निर्धारित करें और उसी के अनुसार योजना को मूर्त रूप देने के लिए संघर्ष करें और यह निश्चित है कि एक दिन आपको वह लक्ष्य अवश्य ही हासिल होगा और हम वहां तक जरूर पहुंचेंगे जितने भी दुनिया में कामयाब लोग बने हैं या कामयाब हुए हैं उनके पीछे संघर्ष का रिस्क लेने का एक जुनून रहा है तभी वह अपने जीवन में कामयाब हुए हैं और उच्च शिखर तक पहुंचे हैं।

सत्यपाल वत्स आर्य, पूर्व अध्यक्ष विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट।

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

PTM-1
श्री कैलाश चन्द्र बरनेला, (इन्दौर)

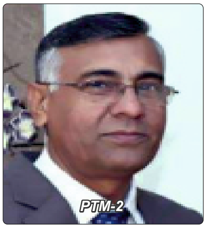
PTM-2
श्री सुरेन्द्र कुमार वत्स, दिल्ली

PTM-3
श्री अशोक कुमार बरनेला, इन्दौर

PTM-5
श्री पी.एल.शास्त्री, गुड़गांव

PTM-6
श्री देबूराम जांगिड, दिल्ली

PTM-7
श्री रामनिवास शर्मा, दिल्ली

PTM-8
श्री राजेन्द्र शर्मा, इन्दौर

PTM-9
श्री निर्मल कुमार जांगिड, इन्दौर

PTM-10
श्री लीलू राम शर्मा, दिल्ली

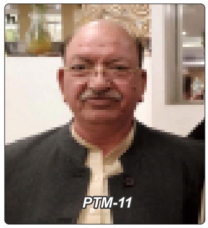
PTM-11
श्री रमेशचन्द शर्मा 'सरपंच', दिल्ली

PTM-12
श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, दिल्ली

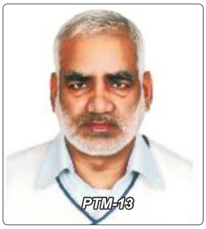
PTM-13
श्री जगदीश प्रसाद शर्मा, दिल्ली

PTM-14
श्री पूरनचन्द शर्मा, दिल्ली

PTM-17
श्री श्रीगोपाल चोयल, अजमेर

PTM-18
श्री कृष्ण कुमार शर्मा, मुम्बई

PTM-20
श्री विद्यासागर जांगिड, गुड़गांव

PTM-21
श्री सुशील कुमार शर्मा, कोलकता

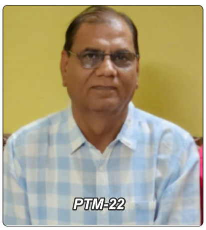
PTM-22
श्री सांवरमल जांगिड, सीकर

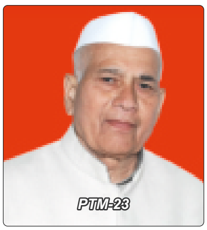
PTM-23
श्री रघुवीर सिंह आर्य, शामली

PTM-24
श्री वेदप्रकाश शर्मा, अहमदाबाद

PTM-25
श्री प्रभुदयाल शर्मा, देवास

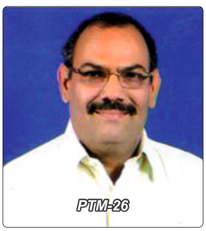
PTM-26
श्री प्रहलादराय शर्मा, इन्दौर

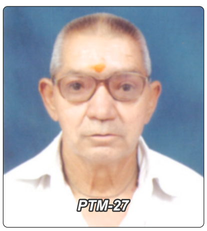
PTM-27
श्री मोहनलाल जांगिड, जोधपुर

PTM-28
श्री पूनाराम जांगिड, जोधपुर

PTM-29
श्री ललित जड़वाल, अजमेर

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

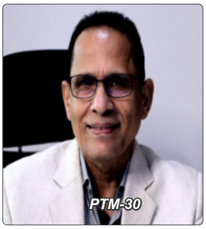

श्री मीता राम जांगिड, मुम्बई

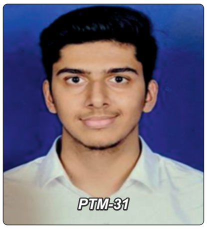

श्री यश अजय शर्मा, मुम्बई

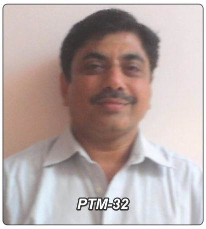

श्री रविन्द्र शर्मा, बीकानेर

श्री जवाहरलाल जांगिड, उज्जैन

श्री नरेश जांगिड, गुड़गांव

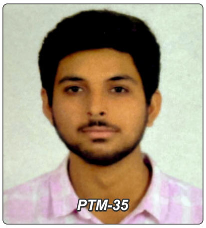

श्री भुवन जांगिड, गुड़गांव

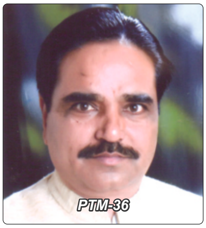

श्री कृष्ण कुमार जांगिड, गुड़गांव

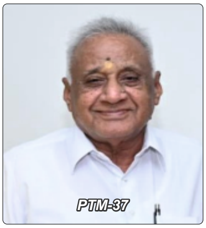

श्री किशन लाल शर्मा, नागपुर

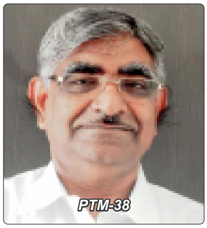

श्री गिरधारी लाल जांगिड, बैंगलुरू

श्री किशोर जी मोखा, नागपुर

श्री बाबू लाल शर्मा, अहमदाबाद

श्री नारायण दत्त, साड़ीवाले, दिल्ली

श्री ओमप्रकाश जांगिड, दिल्ली

श्री धनपत शर्मा, फरीदाबाद

श्री सुरेन्द्र शर्मा, अहमदाबाद

श्री सत्यनारायण शर्मा, दिल्ली

श्री सोमदत्त शर्मा, दिल्ली

श्री बी.सी. शर्मा, जयपुर

श्री सुरेश शर्मा, नीमच

श्री नितिन शर्मा, इन्दौर

श्री प्रमोद कुमार जांगिड, सूरत

श्री हुकुमचन्द जांगिड, हर्षवाल,इन्दौर

श्री सत्यनारायण जांगिड, इन्दौर

श्री अशोक कुमार मोखा, नागपुर

श्री घनश्याम जांगिड, बैंगलुरू

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

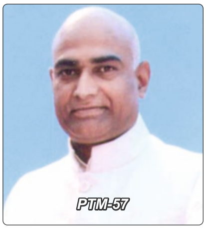

श्री देवमणि जांगिड, दिल्ली

श्री फूल कुमार शर्मा, द्वारका-दिल्ली

श्री अमरा राम जांगिड, जोधपुर

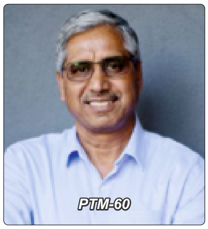

श्री रमेश शर्मा, बैंगलुरू

श्री रविशंकर शर्मा, जयपुर

श्री कांति प्रसाद जांगिड, दिल्ली

श्री यादराम जांगिड, दिल्ली

श्री बाबू लाल, बैंगलुरू

श्री अशोक दत्ता राम, अहमदाबाद

श्री दयानन्द शर्मा, दिल्ली

श्री यशवंत नेपालिया, अजमेर

श्री राधेश्याम शर्मा, वापी

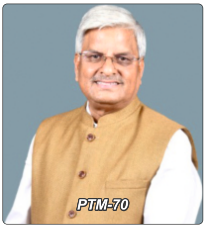

श्री रामपाल शर्मा, बैंगलुरू

श्री गोपाल शर्मा, कोरबा

श्री भंवर लाल कुलरिया, मुम्बई

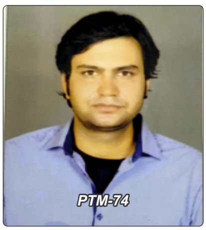

श्री अमित कुमार शर्मा, जयपुर

श्री नरेश चन्द्र शर्मा, बैंगलुरू

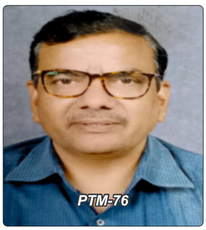

श्री भीमराज शर्मा, जयपुर

श्री रवि जांगिड, बैंगलुरू

श्री भंवरलाल सुथार, गोवा

श्री रामनिवास शर्मा, भिलाई

श्री शुभम शर्मा, कोरबा

श्री नानूराम जांगिड, धुलिया

श्री प्रहलाद शर्मा, जयपुर

श्री रीछपाल शर्मा, बिलासपुर, छ.ग.

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

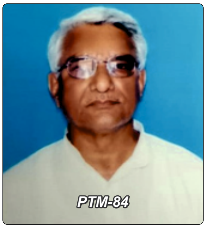

श्री धर्मचन्द शर्मा, बस्तर

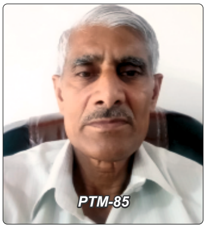

श्री राधेश्याम जांगिड, रेनवाल

श्री कन्हैया लाल खाती, अजमेर

श्री कन्हैया लाल सिलक, अजमेर

श्री अनिल शर्मा, इन्दौर

श्री धन सिंह जांगिड, फरीदाबाद

श्री लालचन्द जांगिड, नारनौल

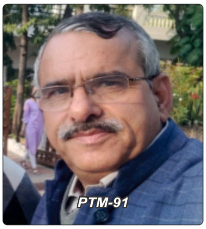

श्री रोहिताश जांगिड, औरंगाबाद

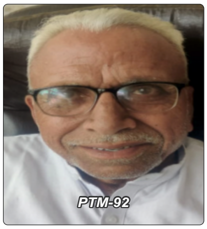

श्री सांवरमल जांगिड, बांसवाडा

श्री महावीर प्रसाद जांगिड,अहमदाबाद

श्री शंकरलाल जांगिड, जयपुर

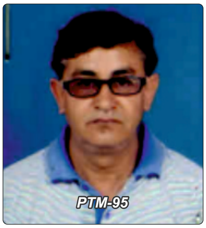

श्री संजय शर्मा, चित्तौड़गढ़

श्री जगतराम जांगिड, बंगलौर

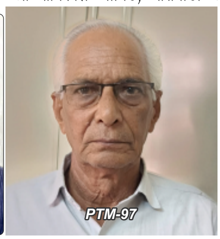

श्री पुरूषोत्तम लाल जांगिड, जयपुर

श्री अनिल शर्मा, चंडीगढ़

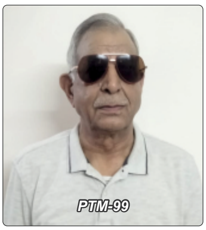

श्री लक्ष्मीनारायण जांगिड, गुरूग्राम

श्री नेमीचन्द जांगिड, सूरत

श्री चिरंजीलाल जांगिड, इन्दौर

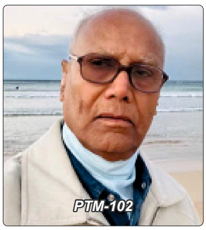

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, सूरत

श्री सत्यपाल वर्त्स, बहादुरगढ़

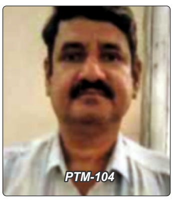

श्री सोमदत्त शर्मा, लखनऊ

श्री ओम प्रकाश जांगिड, दिल्ली

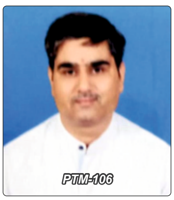

श्री अनिल शर्मा, तेलंगाना

श्री मुकेश जांगिड, तेलंगाना

श्री भंवरलाल जांगिड, सूरत

श्री जगदीश जांगिड, दिल्ली

महासभा दिल्ली के इक्यावन हजार रूपये के स्वर्ण सदस्य

श्री मदनलाल जांगिड
जोधपुर

श्री मुरारी लाल शर्मा
अहमदाबाद

श्री राजतिलक जांगिड
गुड़गांव

श्री मनोज कु.जांगिड
अहमदाबाद

श्री सुरेश कु.जांगिड
इन्दौर

श्री घनश्याम कडवानिया
इन्दौर

श्री बंशीलाल शर्मा
इन्दौर

श्री सीताराम जांगिड
नागपुर

श्री बंशीलाल शर्मा
जयपुर

श्रीमती शारदा शर्मा
दिल्ली

श्री सांवरमल जांगिड
गोवा

श्री रमेशचन्द्र शर्मा
इन्दौर

श्री ओमप्रकाश जांगिड
अहमदाबाद

श्रीमती सुमित्रा देवी जांगिड
अहमदाबाद

श्री मोतीराम जांगिड
रींगस-सीकर

श्री प्रेमाराम जांगिड
अहमदाबाद,

श्री महेन्द्र जांगिड (पंवार)
इन्दौर

समस्त प्रबुद्ध समाज बन्धुओं से विनम्र अनुरोध है कि महासभा को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिए अधिक से अधिक प्लेटिनम, स्वर्ण, रजत सदस्य बने।

महासभा दिल्ली के पच्चीस हजार रूपये के रजत सदस्य

पं. भीम सिंह , दिल्ली

पं. किशनराम शर्मा, नागपुर

पं. राजेश शर्मा, अहमदाबाद

पं. विजय शर्मा, जोधपुर

पं. भंवरलाल जांगिड, नागपुर

पं. ईश्वर दत्त जांगडा, दिल्ली

पं. रघुनाथ जांगिड, नागपुर

पं. सत्यनारायण जांगिड, नागपुर

पं. बृजमोहन जांगिड, नागपुर

श्रीमती शान्ति शर्मा, कोटा

पं. चौथमल जांगिड, रींगस

पं. महेश जे. मोखा, नागपुर

श्री रामदयाल जांगिड, दुर्ग

श्रीमती लीलावती शर्मा, नीमच

श्री निकुंज शर्मा, लखनऊ

श्रीमती निति रसीवाल, लखनऊ

जो दिल में है, उसे कहने की हिम्मत रखिए,
और जो दूसरो के दिल में है, उसे समझने का हुनर रखिए।
रिश्ते कभी नहीं टूटेंगें ।

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

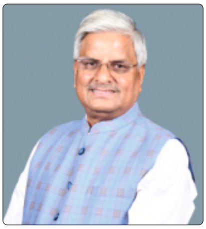

श्री रामपाल शर्मा
(बेंगलुरू) प्रधान महासभा
51,00,000/-

श्री कैलाश चन्द्र बरनेला
(इन्दौर) पूर्व प्रधान महासभा
10,6,00,000/-

श्रीमती कृष्णा देवी शर्मा
पत्नी श्री रामपाल शर्मा,
बेंगलुरू
35,00,000/-

श्री भंवर लाल कुलरिया
मुम्बई,
31,00,000/-

श्री मीता राम जांगिड
मै.सुमित वुड वर्क्स लि.
(मुम्बई)
21,00,000/-

श्री पी.एल. शास्त्री,
(गुरूग्राम)
15,00,000/-

प्रमुख स्तंभ समाजसेवी
श्री रमेशचन्द शर्मा सरपंच एवं
श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, दिल्ली
11,51000/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड
(बेंगलुरू)
11,01,000/-

श्री भंवरलाल गुगरिया
(बेंगलुरू)
11,01,000/-

श्री रविशंकर शर्मा,
(जयपुर), पूर्व प्रधान
महासभा 11,00,000 / -

श्री ओम प्रकाश जांगिड, दिल्ली
(सीकर, राजस्थान वाले),
11,00,000 / -

श्री लक्ष्मण जांगिड
(मुम्बई)
11,00,000 / -

श्री लीलूराम शर्मा
चेयरमैन,जा.ब्रा.शिरोमणी सभा,दिल्ली
घोषित राशि- 11,00,000/-
जमा राशि- 7,50,000/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड
सीकर वाले (मुम्बई)
घोषित राशि 11,00,000/-
जमा राशि 5,00,000

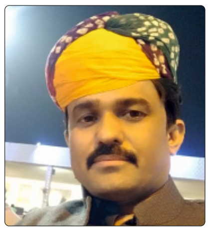

श्री नवीन जांगिड
(जयपुर)
11,00,000/-

श्री एकलिंग जांगिड
सूरत
11,00,000/-

श्री सीताराम शर्मा
(बैंगलोर)
11,00,000/-

श्री दीपक शर्मा
सुपुत्र श्री रामपाल शर्मा
बेंगलुरू 10,21,000/-

श्री अमित शर्मा
(सुपुत्र श्री रामपाल शर्मा
बेंगलुरू 10,21,000/-

श्री जगमोहन शर्मा
सुपुत्र श्री रामपाल शर्मा
बेंगलुरू 10,00,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री अमरा राम जांगिड
जोधपुर, अंतरराष्ट्रीय
प्रकोष्ठ, 5,51,000/-

श्री लादूराम जांगिड,
(संगम विहार, दिल्ली)
5,51,000/-

श्री मधुसूदन आमेरिया,
(जयपुर)
5,11,000/-

श्री सुरेन्द्र शर्मा
(अहमदाबाद)
5,00,111/-

श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(मंडावाले)इन्दौर
5,00,000/-

श्री पूनाराम जांगिड(बरनेला)
(जोधपुर)
5,00,000/-

श्री श्रीगोपाल चोयल जी एवं श्री आर.एस.चोयल जी
श्री महादेव चोयल (जांगिड) चेरिटेबल ट्रस्ट, अजमेर
5,00000/-

श्री सुरेन्द्र कुमार वत्स जी (पूर्व कोषाध्यक्ष, महासभा)
एवं श्री दिनेश कुमार वत्स जी, (दिल्ली)
5,00000/-

श्री कांति प्रसाद जांगिड
(टाईगर) (दिल्ली)
5,00,000/-

श्री प्रभुदयाल शर्मा
(वाराणसी)
5,00,000/-

श्री सुनील कुमार शर्मा
(चित्तौडगढ)
5,00,000/-

श्री प्रमोद जांगिड, श्री रकेश जांगिड,
दिनेश जांगिड एवं रेखा जांगिड,
सम्मिलित रूप से सूरत गुजरात
5,00,000/-

श्री रमेश शर्मा
बेंगलुरू
5,00,000/-

श्री एम.डी.शर्मा
जोधपुर
5,00,000/-

श्री नेमीचन्द जांगिड
सूरत
5,00,000/-

श्री कैलाश चन्द जांगिड
आया नगर, दिल्ली
5,00,000

श्री अनिल कुमार जांगिड,
आया नगर, दिल्ली
5,00,000/-

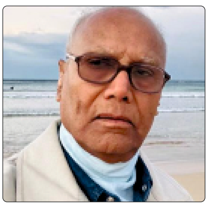

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
सूरत
4,25,000/-

श्रीमती उर्मीला जांगिड
पत्नी श्री लक्ष्मीनारायण
जांगिड, गुरूग्राम
2,62,111+1,11,111
=3,73,222

श्री महेन्द्र कुमार जांगिड,
धारूहेड़ा
3,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री नरेश चन्द्र शर्मा
बेंगलुरू
3,02,000

श्री सोमदत्त शर्मा नांगलोई
पूर्व कोषाध्यक्ष महासभा, दिल्ली
2,52,151/-

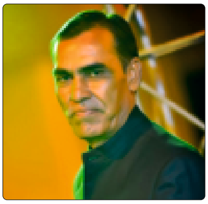

श्री सीताराम शर्मा
(पूर्व जिला प्रमुख, करौली),
दिल्ली 2,51,151/-

श्री सुभाष (बोरवेल वाले)
(जयपुर)
2,51,000/-

श्री महेन्द्र शर्मा
(मुम्बई),
2,51,000/-

श्री मनीलाल जांगिड
(मुम्बई),
2,51,000/-

श्री सतीश शर्मा
(नदबई),
2,51,000/-

श्री पूरनचन्द शर्मा, दिल्ली
(प्रधान शिरोमणी सभा)
2,51,000/-

सुप्रसिद्ध समाजसेवी
श्री प्रकाश शर्मा, दिल्ली
2,51,000/-

श्री बाबूलाल शर्मा
(बेंगलुरू)
2,51,000/-

श्री इंदरचंद चांदराम जांगिड,
मुम्बई
2,51,000/-

श्री रवि जांगिड
(बेंगलुरू)
2,51,000/-

श्री अशोक जांगडा
(नजफगढ़, दिल्ली)
2,51,000/-

श्री किशनलाल शर्मा
(रोहिणी, दिल्ली)
2,51,000/-

श्री शंकर लाल धनेरवा
(जयपुर)
2,51,000/-

श्री सुभाषचंद्र जांगिड
(भाईदर,वेस्ट,मुम्बई
2,51,000/-

श्री रामकरण शर्मा
(फरीदाबाद)
2,51,000/-

श्री टेकचन्द शर्मा,
फरीदाबाद (हरि.)
2,51,000/-

श्री रामअवतार जांगिड
(जयपुर),
2,51,000/-

श्री बनवारी लाल
खंडेलसर (सीकर),
2,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री प्रहलादराय जांगिड
(नांदेड)
2,50,000/-

श्री प्रभुदयाल शर्मा देवास,
(मध्य प्रदेश)
2,50,000/-

श्री बाबूलाल शर्मा
(अहमदाबाद)
2,01,000/-

श्री संजय हर्षवाल
(जयपुर)
2,00,000/-

श्री जगन्नाथ जांगिड,
बावल (हरि.)
1,72,000/-

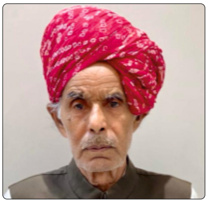

श्री चांदमल बालुराम जांगिड
सूरत, राजलोता
1,61,000/-

श्री योगिन्द्र शर्मा
दिल्ली
1,53,000/-

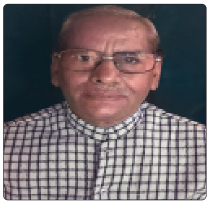

श्री शिव चन्द्र,
अटेली मण्डी, नारनौल,
महेन्द्रगढ 1,51,555/-

श्री सत्यपाल वत्स,
(बहादुरगढ़)
1,51,251/-

श्री देवी सिंह ठेकेदार
करावल नगर
1,51,111/-

श्री वेद प्रकाश आर्य
सवाई माधोपुर
1,51,001/-

श्री जवाहरलाल जांगिड,
उज्जैन (मध्य प्रदेश)
1,51,000/-

श्री राम पाल शर्मा
यमुना विहार, दिल्ली
1,51,000/-

श्री जीवनराम जांगिड
(नागपुर)
1,51,000/-

श्री श्रीकृष्ण जांगडा
रानी खेड़ा, दिल्ली
1,51,000/-

श्री हरिराम जांगिड
जी थाने, मुम्बई
1,51,000/-

श्री जयसिंह जांगडा
(रिटायर्ड जज)गुरूग्राम
1,51,000/-

श्री विजय प्रकाश शर्मा
(द्वारका, दिल्ली)
1,51,000/-

स्व. चांद कौर, धर्मपत्नी
स्व. श्री नाहनाराम जांगडा
(गुरूग्राम)
1,51,000/-

श्री बाबू लाल शर्मा
(इन्दौर, मध्य प्रदेश)
1,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री वीरेन्द्र शर्मा
(शामली)
1,51,000/-

श्री मोहन लाल जांगिड
प्रदेश अध्यक्ष(गुजरात)
1,51,000/-

श्री अनिल एस.जांगिड
(पूर्व महामंत्री महासभा)गुरूग्राम
1,51,000/-

श्री हरीश एवं
नरेश दम्मीवाल
(जोधपुर) 1,51,000/-

श्रीमती सुषमा, धर्मपत्नी
श्री किशोर कुमार जांगडा
बहादुरगढ 1,51,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा
फूतली वाले, सागरपुर,दिल्ली
1,51,000/-

श्रीमती दयावंती धर्मपत्नी
श्री रामकिशन शर्मा,(डीसीपी)
द्वारका,दिल्ली 1,51,000/-

श्री बी.सी.शर्मा
जयपुर
1,51,000/-

डॉ. मोतीलाल शर्मा
(वैशाली, जयपुर)
1,51,000/-

श्रीमती शारदा देवी
W/o श्री महेन्द्र सिंह जांगिड,
धारूहेड़ा (हरि.)
1,51,000/-

श्रीमती गीता देवी,
W/o श्री खुशीराम जांगिड,
धारूहेड़ा (हरि.)
1,51,000/-

श्री देवेन्द्र गौतम,
नवादा उत्तम नगर
(दिल्ली)
1,51,000/-

श्री मोहनलाल दायमा
नासिक,
1,51,000/-

श्री द्वारका प्रसाद शर्मा
(वापी, गुजरात)
1,51,000/-

श्री चंद्राप्रकाश एवं
गुरूदत्त शर्मा
(गांधीधाम) 1,51,000/-

श्री दुलीचन्द जांगिड
सवाईं माधोपुर
1,51,000/-

श्री ओम प्रकाश जांगिड
पूर्व जिला पार्षद, हिसार,हरि.
1,51,000/-

श्रीमती ब्रहमो देवी धर्मपत्नी
श्री नाथूराम शर्मा,
दिल्ली 1,51,000/-

श्री कृष्ण कुमार शर्मा
द्वारका, दिल्ली
1,51,000/-

श्री किरताराम छड़िया
बेंगलूरू
1,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री विजय शर्मा
शामली
1,51,000/-

श्री ओमप्रकाश शर्मा
(जी.ओ.जी.मार्बल जयपुर)
1,51,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा
पैरामाउंट इंजीनियर्स,गुरूग्राम
1,51,000/-

श्री नानूराम जांगिड
(धुलिया महाराष्ट्र)
1,51,000/-

श्री तेजस लुंजा
बेंगलूरू
1,50,000/-

श्री उम्मेद सिंह डेरोलिया
(बहादुरगढ़)
1,21,251/-

श्री राजू जांगडा सुपुत्र
श्री ईश्वर सिंह ठेकेदार(नजफगढ़, दिल्ली)-1,21,000/-

इंजि. जय इन्द्र शर्मा
(कुरथल)विज्ञान लोक,दिल्ली
1,11,121/-

डॉ. शेरसिंह जांगिड
गुड़गांव,(पूर्व.प्र.अ.हरि.)
1,11,111/-

श्री रमेश कुमार
(सोनीपत, हरि.)
1,11,111/-

श्री वीरेन्द्र आर्य
(रोहतक)
1,11,111/-

श्री संजीव कुमार
(रोहतक)
1,11,111/-

श्री फूलकुमार जांगडा,
(सोनीपत)
1,11,111/-

श्री जटाशंकर शर्मा
(दमण, वापी)
1,11,111/-

श्री प्रहलाद सहाय शर्मा,
बुलढाणा (महा.)
1,11,100/-

श्री रघुवीर सिंह आर्य
शामली, (उत्तर प्रदेश)
1,11,000/-

श्री श्रीचन्द शर्मा
मुल्तान नगर (दिल्ली)
1,11,000/-

श्री अमर सिंह जांगिड
(मुम्बई)
1,11,000/-

श्री बनवारी लाल
जांगिड,
(त्रिनगर, दिल्ली)
1,11,000/-

श्री कृष्ण कुमार बिजेनिया
(ग्राम ककरौला, दिल्ली)
1,11,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री नाथूलाल जांगिड एवं श्री हरीशंकर जांगिड, (जयपुर) 1,11,000/-

श्री सुरेंद्र जांगिड (दिल्ली) 1,11,000/-

श्री प्रवीण जांगडा (द्वारका, दिल्ली) 1,11,000/-

श्री ओम नारायण शर्मा, साहिबाबाद 1,02,251

श्री ईश्वर दत्त जांगिड (रोहतक) 1,02,000/-

श्री राजेन्द्र शर्मा समालखा (पानीपत) 1,01,111/-

श्री बृजमोहन जांगिड (नागपुर) 1,01,101/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड (नागपुर) 1,01,101/-

श्री सुनील कुमार जांगिड खोडा कालोनी 1,01,101/-

श्री अतरसिंह काला (नांगलोई, दिल्ली) 1,01,101/-

सीए अनिल कुमार शर्मा आई.पी.एक्सटेंशन, दिल्ली) 1,01,000/-

श्री किशन लाल जांगिड जयपुर, 1,01,000/-

श्री आर.पी.सिंह जांगिड श्याम विहार, दिल्ली 1,01,000/-

श्री अशोक कमार शर्मा (औरंगाबाद) 1,01,000/-

श्री राजबीर सिंह आर्य कोंडली-पूर्वी दिल्ली 1,01,000/-

श्री हरिपाल शर्मा फालना 1,01,000/-

श्री इन्दरराम तेजाराम जांगिड (मुम्बई) 1,01,000/-

श्री गंगादीन जांगिड (दिल्ली) 1,01000/-

श्री रमेश चन्द शर्मा (प्रदेशाध्यक्ष-उत्तराखण्ड) 1,01,000/-

श्री जगदीश चन्दर जांगिड (सोनीपत) 1,01,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री पुरूषोत्तम लाल शर्मा
(जयपुर,)
1,01,000/-

श्री सत्य नारायण जांगिड,
मन्दसौर (म.प्र.)
1,01,000/-

श्री बंशीधर जांगिड
गोरेगांव, (मुम्बई)
1,01,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा
(नांगलोई, दिल्ली)
1,01,000/-

श्री चन्द्रपाल भारद्वाज
ज्योति कॉलोनी-पूर्व महामंत्री
1,01,000/-

श्री प्रमोद कुमार जांगिड
(बड़ौत, उ.प्र.)
1,01,000/-

श्रीमती स्नेहलता जांगिड
सोनीपत
1,01,000/-

श्री रमेश शर्मा
(मै.कमल प्रिंटर्स)
दिल्ली 1,01,000/-

श्री दीपक कुमार शर्मा
ज्योति कालोनी
दिल्ली 1,01,000/-

श्रीमती विमला देवी किंजा,
श्रीमती रामेश्वरी देवी कालोया,
श्री विश्वकर्मा महिला संकीर्तन मंडल,
रामगंज, अजमेर 1,00,121/-

श्रीमती सुमित्रा देवी
ओमप्रकाश शर्मा, पूर्व
प्रधान म. 1,00,111/-

श्री ब्रह्मानन्द शर्मा
सागरपुर दिल्ली,
1,00,001/-

श्री ललित जड़वाल
(अजमेर)
1,00,000/-

श्री चंपा लाल शर्मा
(बुलढाणा)
1,01,100/-

श्री विजय शर्मा
(ताबडू)
1,00,000/-

डॉ. ओ.पी. शर्मा
(दिल्ली)
1,00,000/-

श्री विद्यासागर जांगिड
(गुड़गांव)
1,00,000/-

श्री नेमीचन्द जांगिड
(सिकन्दराबाद)
1,00,000/-

श्री सोमदत्त जांगिड
(नांगलोई, दिल्ली)
1,00,000/-

श्री प्यारे लाल शर्मा
(छतीसगढ़)
1,00,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री नानूराम जांगिड
(हिंगोली)
1,00,000/-

श्री गंगा राम जांगिड
(जयपुर)
1,00,000/-

श्री राजतिलक जांगिड
(गुड़गांव)
1,00,000/-

श्री रमेश चंद शर्मा
(इंदौर)
1,00,000/-

श्री पुखराज जांगिड
(सिकन्दराबाद)
1,00,000/-

श्री मंगलसैन शर्मा
(बड़ौत, उत्तर प्रदेश)
1,00,000/-

श्री सूरजमल जांगिड
(हिंगोली)
1,00,000/-

श्री बजरंग शर्मा,
दुर्ग (छत्तीसगढ़)
1,00,000/-

श्री पूरनचन्द शर्मा,
नीमराना
1,00,000/-

जिला सभा
रायपुर,
1,00,000/-

**** विनम्र अपील ****

🙏 श्री विश्वकर्मणे नमः 🙏

सम्मानीय भामाशाहों...

समस्त आदरणीय महासभा भवन के दानदाताओं से करबद्ध निवेदन है कि आपके द्वारा घोषित की गई राशि को अविलम्ब महासभा के बैंक खाते में जमा करवाने का कष्ट करें, ताकि भवन में लगने वाली दानदाताओं के नाम की पट्टिका में आपका नाम अंकित किया जा सके और साथ ही महासभा का ऐतिहासिक भवन शीघ्र ही समाज को समर्पित किया जा सकें।

प्रधान रामपाल शर्मा

वधु चाहिए

1. Wanted a suitable match for a Jangid Brahmin boy, D.O.B. 05.11.1992, Height 5'9", Birth place- Meerut (UP), Education - B.Tech, MBA,Job-Private, **Gotra** : Kaloniya, Ransiwal, Vashisth, Present Address- Lucknow, (UP), Contact- 6394740576, 9454969269

2.Wanted a suitable match for Delhi based J.B. Boy Shubham Sharma,D.O.B- 11.05.1995 at 10.45 am, Najafgarh, Ht-5'11",Education-B.Tech from NSIT, Employed as Class A Gazetted officer in NIC,Self-Kaloniya,Mother- Khandelwal, Grand Mother-katar,Contact Mr. Dalip Singh -9560041890

03.Wanted a suitable match for healthy & pleasant personality J.B. boy, D.O.B.- 04/12/1991 at 01.02 PM in New Delhi (South), Ht.- 5'10", B.Tech & M.Tech, working in HDFC Life, Sr. Manager in Training L&D, Delhi. Hetu: sundar, sushil, gharelu kanya. Father working in A.I.I.M.S. Delhi. Shasan Self-Gadhediya, M-Koktayan, GM- Ladhedia. Contact- Madan Mohan Sharma, 09711288240, 09013231384

वर चाहिए

1. Wanted a suitable match for healthy & pleasant personality J.B. girl, D.O.B.- 30/06/1996, Ht.- 5'2", residence in Pragati Nagar, Kotra, Ajmer, Rajasthan, Education- B.Pharma (Hons.) from BITS, Pilani, Rajasthan. worked as a Sr. Content Development Associate in BYJU's Banglore for 4 Years, Currently working as "Content Specialist" in a Pvt Organization in Banglore, **Shasan** Self-Kalonia, **M-** Dayalwal, **GM-** Khandelwal. **Contact-** Dr. Tej Prakash Sharma, 9461413101, 9461413103

2. Wanted a suitable match for healthy & pleasant personality J.B. girl, D.O.B.- 06/03/1996, Birth Time: 01:15 PM, Ht.- 5'1", Birth Place: Bikaner, residence in Jodhpur Rajasthan, Education- B.Tech(Electronics & Communiation) **Shasan:** Motiyar, Kalunia, Mandan, Jadwal, **Contact-** Mr. Naresh Motiyar,(Xen RRVPNL)- 9214406908

शोक संदेश

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि मोहनलाल बरनेला के बड़े भाई शंकर लाल, रमेश, मेघराज, गोविंद, पूनम चंद बरनेला के बड़े पिताजी एवं अनिल बरनेला के दादाजी शिवराम बरनेला गुल्लास जिला हरदा मध्यप्रदेश का स्वर्गवास दिनांक 01.06.24 को हो गया जिनकी पगड़ी कार्यक्रम दिनांक 12.6.2024 को रखी गई जिसमें अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला इन्दौर, बलराम सिलक, जगदीश केरल, रामस्वरूप विश्वकर्मा, जिला अध्यक्ष हरदा भरत खंडेलवाल, जिला अध्यक्ष देवास मदन लाल मंत्री मिर्जापुर, भागीरथ गादियां, पप्पू गुल्लास, कैलाश जोंपिंग इन्दौर, जगदीश चवेल देवास एवं मध्यप्रदेश समाज के सभी गणमान्य समाज बंधुओं ने स्वर्गीय श्री शिवराम जी बरनेला कि पुण्य आत्मा को अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बरनेला परिवार की ओर से महासभा को रूपये 1100 दान स्वरूप भेट किये।

महासभा परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करती है कि दिवंगत आत्मा को शांति एवं मोक्ष प्रदान करते हुए अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करे तथा शोकाकुल परिवार को असहनीय पीड़ा सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ॐशांति, ॐशांति, ॐशांति

रामस्वरूप विश्वकर्मा,
जिला अध्यक्ष हरदा मध्यप्रदेश

सादर श्रद्धांजलि सुमन

आप सभी को अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया कि मूलचंद, मदनलाल, प्रभु दयाल पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश, बाबु लाल, कैलाश चंद के बड़े भाई, राजेश, पप्पु जांगिड के पूज्य पिताजी श्री रुड़मल जी जांगिड (दैमण) का आकस्मिक देवलोकगमन दिनांक 31 मई 2024 शुकवार को हो गया उनका उठावना 3 जून 2024 सोमवार को शाम 5 बजे पैतृक गांव खुरमपुरा तहसील श्रीमाधोपुर जिला नीमकाथाना राजस्थान में रखा गया।

इस अवसर पर भेजे गए शोक संदेश में महासभा के पूर्व प्रधान रविशंकर जी जांगिड, प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम पंवार, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संजय हर्षवाल, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्री गजानन जी जांगिड, सीकर जिला अध्यक्ष श्री हरि नारायण जांगिड, जिला कार्यकारी अध्यक्ष बाबूलाल जांगिड पालड़ी, उप प्रधान सीताराम जांगिड मुंडवाा, बनवारी लाल जी खंडेलसर सीकर, बाबूलाल जांगिड रींगस उपप्रधान, समाज सेवी नंदलाल जांगिड खंडेला, जिला महामंत्री राधेश्याम माडण ।

महासभा महामंत्री सांवरमल जांगिड, ने कहा है कि श्री रुडमल जी जांगिड सहज, सरल, मिलनसार, मृदुभाषी एवम सबको साथ लेकर चलने वाले समाज सेवा की प्रतिमूर्ति थे जिन्होंने समाज सेवा को अपना सर्वोच्च दायित्व समझा और ऐसे व्यक्तित्व के धनी का हमारे बीच से चले जाना निश्चय ही न केवल परिवार के लिए अपितु समाज के लिए भी दुखदाई है। अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली प्रदेश सभा राजस्थान जिला सभा सीकर की ओर से पुण्य आत्मा को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती है और परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करती हैं कि शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे और भगवान उनकी पुण्यात्मा को अपने निज चरणों में स्थान प्रदान करे।

इस अवसर पर शोकाकुल परिवार की ओर से 5100 रूपये महासभा को दान स्वरूप में भेट किये।

शोकाकुल परिवार
राजेंद्र कुमार राकेश जांगिड दैमण
निवासी खुरामपुरा तहसील श्रीमाधोपुर जिला नीमकाथाना राजस्थान

BHARAT WHEEL

Manufacturer of Rims for Tractor,
Motor Vehicle, Earthmoving Machine.

Our valued customers

VECTRA   MANITOU GROUP   JCB   ESCORTS

Bharat Wheel Private Limited
Muzaffarnagar Road, Shamli - 247776, UP, India
Email : info@bharatwheel.com
www.bharatwheel.com

SHARMA
Group of companies

25 YEARS OF DRIVEN EXCELLENCE
SHARMA HYUNDAI
SINCE 1998

LATE SHREE
KANHAIYALAL SHARMA
(CHOYAL)

HYUNDAI

AUTHORISED HYUNDAI DEALER
SHARMA HYUNDAI
Since 1998

Ashram Road Call : 9099978327	Satellite Call : 9099978334
Parimal Garden Call : 9099978328	Naroda Call : 9099938777

TOYOTA

Authorised Toyota Dealer : **NARMADA TOYOTA**
VADODARA : 9099916601 I ANAND : 9099916631/32

MG
MORRIS GARAGES
Since 1924

Authorised MG Dealer :
Kayakalp Cars Pvt. Ltd.
Zorba Complex, Akshar chowk, OP Road, Vadodara.
Ph : 6358800230/31

Total Page-64
Posted at: L.P.C. DELHI R.M.S., Delhi-06

Registered With The Registrar of News Papers For INDIA, Under Regd. No. 25512/72

D.L.(DG-11)/8009/2024-26
Posted Under Licence No. U(DN)39/2024-26 of Post without prepayment of postage

Mahindra Rise

महिन्द्रा का अधिकृत शोरूम एवं वर्कशॉप

भागीरथ मोटर्स (इं) प्रा.लि.

पर्सनल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154144, 9109154152
कमर्शियल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154153

शोरूम : सर्वे नं. 379/2,ग्राम-डाबला, रेवाड़ी, आगरा रोड, आर.डी. गार्डी कॉलेज के पास, उज्जैन (म.प्र.)

Bhagirth & Brothers

Bus & Truck Body Manufacture Since 1960

Organization :

Audi Automobiles, Pithampur
Bhagirath Coach & Metal Fabricators Pvt. Ltd., Pithampur
B & B Body Builders, A.B. Road, Indore
Rohan Coach Builders, 29Nehru park, Indore

Adm. Office
29, Nehru Park Road, Indore-1(M.P.)
Phone : 0731-2431921, Fax" 0731-2538841

Works:
Plot No. 199-b, Sector-1
Pithampur Dist. Dhar (M.P.) 454775
Phone : 07292-426150 to 70

Website : www.bhagirathbrothers.com

Posting Date: 22-27 Each Month
Publication Date: 15 June 2024
Weight: 100 gms. Cost: Rs. 240 Yearly

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
440, हवेली हैदर कुली,
चाँदनी चौक, दिल्ली-110006

Printed, Published by Sh. J.P. Sharma, K-29, Ward-1, Desu Road, Mehrauli, New Delhi-30, on behalf of (Owner) Akhil Bhartiya Jangid Brahmin Mahasabha, 440, Haveli Haider Quli, Chandni Chowk, Delhi-06, Printed at M/s. Kamal Printers, Anand Parbat, N.D.-05, Ph.:9810622239, Published at Delhi, Editor Sh. Ram Bhagat Sharma, 1741 Sector - 23 B Chandigarh (UT)